राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 चोट के साथ खेले नीरज चोपड़ा, अब कराएंगे सर्जरी!

मुझे सत्ता से हटाने के लिए महीनों पहले साजिश रची गई थी : शेख हसीना 12

वर्ष : 15 | अंक : 122 | नई दिल्ली, सोमवार 12 अगस्त 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	71,630
चांदी	83,100
सेंसेक्स	79,705
निफ्टी	24,367

विदेश सचिव मिस्री नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मिले; द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत हुई

काठमांडू, (भाषा) विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। नेपाल के विदेश सचिव सेवा लामसाल के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए मिस्री ने काठमांडू में राष्ट्रपति कार्यालय शीतलनिवास में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार भेंट की।

प्रधानमंत्री ने कृषि उपज बढ़ाने के लिए जारी कीं जलवायु अनुकूल बीजों की 109 किस्में

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कृषि और बागवानी फसलों की उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सुदृढ़ीकृत बीजों की 109 किस्मों को जारी किया।

इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं।

मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी ने किसानों के साथ इन नई किस्मों के महत्व पर चर्चा करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर मौजूद किसानों ने कहा कि 61 फसलों से संबंधित ये नई किस्में कम लागत के

कारण उनके लिए अत्यधिक लाभकारी होंगी।

प्रधानमंत्री ने बाजरे के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि लोग किस तरह पौष्टिक भोजन का रुख कर रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों और जैविक खेती के प्रति आम लोगों की बढ़ती रुचि के बारे में भी बात की। मोदी ने कहा कि लोगों ने जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग और मांग करना शुरू कर दिया है।

बयान के मुताबिक, किसानों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में सरकार के प्रयासों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की भूमिका की भी सराहना की।

मोदी ने सुझाव दिया कि केवीके को हर महीने विकसित की जा रही नई किस्मों के लाभों के बारे में किसानों को सक्रिय रूप से बताना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने इन नई फसल किस्मों के विकास के लिए वैज्ञानिकों की भी सराहना की।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि आज का दिन किसानों के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि 61 फसलों की बीजों की 109 किस्में जारी की गई हैं। इससे किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलेगी।

चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु के अनुकूल हैं और प्रतिकूल मौसम में भी अच्छी फसल दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये किस्में पोषण से भरपूर हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे अप्रचलित फसलों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुरूप काम कर रहे हैं। खेती की फसलों में अनाज, बाजरा, चारा, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास और फाइबर फसलें शामिल हैं। वहीं बागवानी की फसलों में फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों और औषधीय पौधों की नई किस्में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार 'जैव-सुदृढ़' किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

नयी दिल्ली, (भाषा) लंबे समय से बीमार पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

एक पारिवारिक सूत्र ने बताया कि नटवर सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे।

सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। उनके पुत्र अस्पताल में हैं। परिवार के कई अन्य सदस्य भी दिल्ली आ रहे हैं, जहां रविवार को नटवर सिंह का अंतिम संस्कार किया जाएगा। पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी।' कांग्रेस के पूर्व सांसद नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ था। वह 2004-05 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में विदेश मंत्री पद पर काबिज थे। उन्होंने पाकिस्तान में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवाएं दी थीं और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े हुए थे। नटवर सिंह को राष्ट्र के

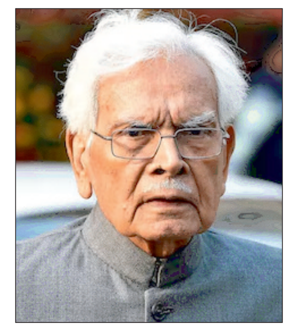

प्रति सेवा के लिए 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने विदेश मामलों सहित अन्य विषयों पर कई चर्चित किताबें भी लिखीं, जिनमें 'द लिगेसी ऑफ नेहरू : अ मेमोरियल ट्रिब्यूट' और 'माई चाइना डायरी 1956-88' शामिल हैं। उनकी आत्मकथा 'वन लाइफ इज नॉट इनफ' भी काफी सुर्खियों में रही थी।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में नटवर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। सुरजेवाला ने नटवर सिंह की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह जी के निधन का समाचार दुखद है। ईश्वर उनके परिजनों को यह क्षति सहने की शक्ति दे ।

मोदी, खरगे, अखिलेश ने नटवर सिंह के निधन पर शोक जताया

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नटवर सिंह के निधन से दुखी हूं। उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में समृद्ध योगदान दिया। वह अपनी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।''

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पूर्व केंद्रीय मंत्री के. नटवर सिंह के निधन पर हमारी गहरी संवेदनाएं। बुद्धिजीवी और पद्म भूषण से सम्मानित व्यक्ति जिन्होंने भारत की कूटनीति और विदेशी मामलों में गहरा योगदान दिया।''

सपा प्रमुख ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, ''पूर्व विदेश मंत्री, पद्म भूषण से सम्मानित कुंअर नटवर सिंह जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।''

भाजपा सरकार हर बार आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती : अखिलेश यादव

लखनऊ, (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण में उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' के विवाद के बीच रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है।

सपा प्रमुख ने रविवार को ''एक्स'' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है।''

यादव ने दावा किया, ''अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती।'' उन्होंने कहा कि 'आरक्षण' शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की

आवश्यकता नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है।''

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है और इसीलिए भाजपा पर से 90 फीसदी पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है।

यादव ने आरोप लगाया, ''आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है। पीडीए के लिए 'संविधान' संजीवनी है, तो 'आरक्षण' प्रायवायु!।''

बसपा उप्र की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी : मायावती

लखनऊ, (भाषा) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को ऐलान किया कि निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी।

मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की। अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है।

बसपा मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में रिक्त हुई 10 विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उपचुनावों के लिए अभी चुनाव की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इसे लेकर सरगर्मी लगातार बढ़ रही है।"

मायावती ने कहा कि खासकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सरकार द्वारा इसे (उपचुनाव को) प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है, लिहाज़ा बसपा ने भी इन उपचुनावों में सभी (10) सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने और पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

बसपा प्रमुख ने इस बयान की प्रति अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर भी साझा की। उन्होंने आग्रह किया कि चूंकि, बसपा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों की पार्टी है तथा दूसरे दलों की तरह यह बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के सहारे और इशारे पर

नहीं चलती है, इसलिए इसके समर्थक पूरे तन-मन-धन से सहयोग कर पार्टी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

राज्य में 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की कुल 403 सीटों में से सिर्फ एक सीट जीतने और लोकसभा चुनाव में पूरी तरह सफाया होने के बाद बसपा की उम्मीदें उपचुनावों पर टिकी हैं। आरक्षण को लेकर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अंदर उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' संबंधी मामलों के बीच बसपा प्रमुख अब पूरे तेवर में दिख रही हैं।

उत्तर प्रदेश के नौ विधायकों ने लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद विधानसभा से इस्तीफा दे दिया जबकि इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में सजा सुनाये जाने के बाद उन्हें विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। वह कानपुर के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के विधायक थे। इस तरह प्रदेश में विधानसभा की कुल 10 सीटें रिक्त हुई।

विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग को 10 रिक्ति सीटों की सूचना भेज दी गई है। उत्तर प्रदेश की करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि अभी उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है।

समीक्षा बैठक में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए बसपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश व पूरे देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व पिछड़ेपन आदि को रोक पाने में सरकार की विफलता के कारण लोगों में आक्रोश है और भाजपा लगातार ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

मायावती ने आरोप लगाया कहा, "इन मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए वे (भाजपा) विनाशकारी बुलडोजर राजनीति का सहारा ले रहे हैं और लगातार नए जातिवादी और धार्मिक उन्माद/विवाद पैदा करने का षड्यंत्र रच रहे हैं।''

बसपा प्रमुख ने दावा किया, ''इसी क्रम में धर्मांतरण पर नया कानून (लाया गया है), एससी-एसटी समाज के लोगों का उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' उन्हें विभाजित करने का नया प्रयास है। जातिगत जनगणना को नकारना, मस्जिदों-मदरसों और वक्फ के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप किया जा रहा है।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का गरीब और मेहनतकश वर्ग स्वाभिमान के साथ जीने, सम्मान के साथ रोजी-रोजगार कमाने की कोशिश कर रहा है लेकिन सरकार इसपर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है।

आगामी 10 वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थाओं में सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य: योगी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को अगले 10 साल में बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक करने का है जो फिलहाल लगभग 25 प्रतिशत है।

आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिगत अब तक हुए क्रियान्वयन तथा भावी योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा की।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की मंशा उच्च शिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण, सार्वभौमिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश एनईपी को लागू करने वाला अग्रणी राज्य रहा है। उन्होंने कहा, " उत्तर प्रदेश ने एक मंडल विश्वविद्यालय का लक्ष्य पूरा कर लिया है और अब हम एक जिला-एक विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहे हैं।"

बैठक में मुख्यमंत्री ने महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों के अच्छे परिणामों की चर्चा करते हुए कहा, ''सकल नामांकन

अनुपात को बेहतर करने में इन नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से सहायता मिल रही है और वर्तमान में उच्च शिक्षण संस्थानों में जीईआर लगभग 25 प्रतिशत है, पर हमारा लक्ष्य है कि यह आगामी 10 वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक हो।''

आदित्यaनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ज्ञान, कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देती है। युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के माध्यम से स्नातक व डिप्लोमाधारी युवाओं को औद्योगिक संस्थानों में 'अप्रेंटिशशिप' की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बैठक में बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक, व्यावसायिक, कृषि तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिवों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

पंजाब में उफनती नदी में वाहन के बहने से एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की मौत

होशियारपुर, (भाषा) पंजाब के होशियारपुर से लगभग 34 किलोमीटर दूर जैजों में रविवार को पानी से लबालब छोटी बरसाती नदी में एक वाहन के बह जाने से एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लापता हैं। पंजाब में हुई भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के 11 सदस्य स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक के साथ हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के मेहतपुर के निकट देहरा से विवाह समारोह में शामिल होने पंजाब के एसबीएस नगर जिले के मेहरोवाल गांव जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि जब वाहन जैजों में भारी बारिश के कारण पानी से लबालब भरी छोटी नदी से गुजरा, तो वह बह गया।

पुलिस ने कहा कि कुछ स्थानीय लोगों ने पानी की तेज लहरों के कारण वाहन चालक को नदी पार करने को लेकर आगाह भी किया, लेकिन वह उनकी बात अनसुनी कर आगे बढ़ गया। हालांकि, स्थानीय निवासी वाहन में सवार दीपक भाटिया को किसी तरह बचाकर जैजों में सरकारी चिकित्सालय ले गए। घटना के एक वीडियो में वाहन पानी से भरी नदी में फंसा हुआ दिख रहा

है। होशियारपुर की उपायुक्त कोमल मित्तल ने कहा कि बचाव और लापता व्यक्तियों की तलाश से संबंधित अभियान में सहायता के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम तैनात की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र लांबा ने बताया कि नदी से पांच महिलाओं समेत नौ लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि दो लापता लोगों की तलाश जारी है।

मृतकों के परिजन ने पुलिस को बताया कि वाहन में 12 लोग सवार थे। जैजों में नदी के दूसरी ओर, हिमाचल प्रदेश से लाए गए करीब पांच वाहन और एक जेसीबी मशीन तैनात है, और पानी कम होने की प्रतीक्षा की जा रही है। लांबा ने बताया कि इन वाहनों में सवार लोगों ने चालक को रुकने के लिए कहा, लेकिन वह वाहन को आगे ले गया, जिससे यह दुखद घटना हुई।

पुलिस उपाधीक्षक जागीर सिंह ने बताया कि वाहन तेज पानी में बहकर लगभग 200 मीटर नीचे चला गया।

पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान सुरजीत भाटिया, उनकी पत्नी परमजीत कौर, भाई स्वरूप चंद, भाभी बिंदर, भतीजियों भावना और अनु, भतीजे हर्षित और वाहन चालक बिंदु के रूप में हुई है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ितों के परिवार के साथ खड़ी है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी और इस संबंध में ऊना जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोप पर सेबी ने कहा, अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों की विधिवत जांच हुई

मुंबई, (भाषा) अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट आने के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा।

नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 पहलुओं में से सिर्फ एक पहलू की जांच बची है और वह भी पूरी होने वाली है। सेबी ने कहा कि बुच ने समय-समय पर 'संबंधित खुलासे' किए हैं, और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग भी रखा है। इससे पहले, बुच और उनके पति धवल ने आरोपों को निराधार बताया था। दंपति ने कहा कि हिंडनबर्ग पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला कर रही है और चेयरपर्सन के चरित्र हनन का भी प्रयास कर रही है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि उसे संदेह है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में सेबी की अनिच्छा का कारण यह हो सकता है कि बुच की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी फंडों में हिस्सेदारी थी।

अमेरिकी कंपनी ने आरोप लगाया कि बुच और उनके पति धवल ने एक फंड में निवेश किया था जिसका कथित तौर पर गौतम अदाणी के बड़े भाई विनोद अदाणी द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जनवरी में दिए गए आदेश में स्वयं उल्लेख किया था कि अदाणी के खिलाफ 26 में से 24 जांच पूरी हो चुकी हैं। उसने कहा कि मार्च में एक और जांच पूरी हो गई है तथा अंतिम जांच अब पूरी होने वाली है।

नियामक ने कहा कि उसने अपनी जांच के तहत जानकारी मांगने के लिए 100 से अधिक समन, करीब 1,100 पत्र और ईमेल जारी किए हैं। करीब 12,000 पन्नों वाले 300 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई है।

वहीं सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है।

बुच दंपति ने कहा, ''रिपोर्ट में

लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है। सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं। हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है।''

बुच ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है।'' बुच दंपति ने रविवार शाम को जारी एक विस्तृत बयान में कहा कि आईआईएफएल वेल्थ मैनेजमेंट के एक फंड में उनका निवेश सिंगापुर स्थित निजी नागरिक के रूप में किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि माधवी के सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल होने से दो साल पहले यह निवेश किया गया था। इसके साथ ही दंपति ने कहा कि 2019 से ब्लैकस्टोन में वरिष्ठ सलाहकार धवल निजी इक्विटी फर्म के रियल एस्टेट पक्ष से नहीं जुड़े हैं। बयान के मुताबिक, वर्ष 2017 में सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी की नियुक्ति के तुरंत बाद उनकी दो परामर्श कंपनियां निष्क्रिय हो गईं थीं।

अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

अदाणी समूह ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा, ''हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है। ऐसा तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए निजी मुनाफाखोरी के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंचने के इरादे से किया गया है।'' समूह ने कहा, ''हम अदाणी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। ये उन अस्वीकार किए जा चुके दावों का दोहराव हैं जिनकी गहन जांच की गई है, जो निराधार साबित हुए हैं और जनवरी, 2024 में उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले ही खारिज कर दिए गए हैं।'' हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख बुच और उनके पति धवल बुच के पास उस विदेशी कोष में हिस्सेदारी है, जिसका इस्तेमाल अदाणी समूह में धन की कथित हेराफेरी के लिए किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

ज्वालापुर में अवैध पशु कटान जोरों पर, 65 किलो मांस बरामद; आरोपित भाग निकले

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में अवैध पशु कटान का धंधा बड़े पैमाने पर चल रहा है। इसका प्रमाण लगातार दो दिनों से पुलिस की छापेमारी में बड़े पैमाने पर अवैध कटान के मांस की बरामदगी है। शुक्रवार को पुलिस ने छापेमारी कर 65 किलो मांस की बरामदगी की, जबकि वीरवार रात को ज्वालापर में ही छापेमारी कर अवैध कटान का 400 किलो मांच पकड़ा गया था। इस मामले मेन पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया था, जबकि शुक्रवार को हुई छापेमारी ने तीन आरोपित पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। शुक्रवार को ज्वालापुर पुलिस ने अवैध पशु काटन की सूचना पर एक दुकान में छापा मारकर 65 किलो भैस का मांस बरामद किया है। इस मामले में तीनों आरोपित युवक मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित कि तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को एसआई विकास रावत ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कस्साबान में एक दुकान पर छापा मारा। आरोप है कि वहां पर तीन युवक दुकान का शटर अंदर बंद कर बिना लाइसेंस अवैध तरीके से गौवंशीय पशु को काटकर रहे थे। पुलिस की छापेमारी पर तीनों आरोपित दुकान के अंदर बनी सीडीओ से छत के रास्ते भाग निकले। पुलिस को वहां से काटा गया अवैध मांस और उपकरण बरामद हुए।

स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों पर चलकर होगा राष्ट्र कल्याण

हरिद्वार, एजेंसी। अगस्त क्रांति दिवस पर एसएमजेएन कॉलेज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों व उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों का सम्मान समारोह का आयोजन शौर्य दीवार पर नमन कर किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र का कल्याण होगा। उन्होंने आह्वान किया कि स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व के मूल्यों को समाज में समाहित कर ही भारत एक उन्नत राष्ट्र बन सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि नौ अगस्त 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की की शुरूआत हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम एक राष्ट्र के तौर पर भारत छोड़ो आंदोलन के मूल्यों और सरोकारों को आधुनिक समाज में आत्मसात करें। इस दौरान प्राचार्य ने महाविद्यालय परिवार व कॉलेज छात्र-छात्राओं को तिरंगा देकर हर घर तिरंगा यात्रा का प्रारंभ किया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. डोलीराम के पुत्र बालकिशन को शॉल प्रदान कर महाविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, प्रो. तेजवीर सिंह तोमर, प्रो. जगदीश चंद्र आर्य, डॉ. नलिनी जैन, रिंकल गोयल, रिचा मिनौचा, डॉ. पूर्णिमा सुंदरियाल, विनीत सक्सेना, डॉ. राघवेंद्र सिंह, डॉ. पदमावती तनेजा आदि मौजूद रहे।

संपत्ति कर नामांतरण के शुल्कों में अप्रत्याशित वृद्धि का विरोध

ऋषिकेश, एजेंसी। उत्तराखंड जन विकास मंच ने संपत्ति कर नामांतरण के शुल्कों में अप्रत्याशित वृद्धि पर विरोध जताया है। मंच ने नगर आयुक्त कार्यालय में आपत्ति दर्ज कराई है। मंच के अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने बताया कि नगर निगम ऋषिकेश की ओर से 5 वर्ष पूर्व संपत्ति कर में अतार्किक वृद्धि से उपभोक्ताओं पर तीन गुना कर का भार डाल दिया गया था। इसके संबंध में उत्तराखंड जन विकास मंच ने आंदोलन भी चलाया। ऑडिट विभाग उत्तराखंड की ओर से भी बढ़े हुए कर के संबंध में प्रश्नचिह्न लगाया गया था। वर्तमान में नगर निगम ऋषिकेश की ओर से संपत्ति नामांतरण पर प्रकाशन शुल्क 400 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये और प्रक्रिया शुल्क 10 लाख रुपये के विक्रय पत्रों पर एक हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये व दस लाख रुपये से अधिक के विक्रय पत्रों पर रजिस्ट्री मूल्य 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर एक प्रतिशत किया जाना प्रस्तावित किया गया है। यह ऋषिकेश की जनता पर शुल्कों की अतिरिक्त मार है। इस वृद्धि को 5 प्रतिशत से अधिक किसी भी दृष्टि से नहीं किया जाना चाहिए।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर विकसित होंगे महानगरों के चौराहे, रुद्रपुर में सर्वे शुरू; यहां भी होगा काम

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। मैदानी जिलों के प्रमुख चौराहों को सुगम यातायात के लिए मेट्रो सिटी की तर्ज पर विकसित करने की कवायद की जा रही है। उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण ने रुद्रपुर से शुरूआत करते हुए ट्रैफिक प्लानर को भेजकर सर्वे कराया है।

मैदानी जिलों के प्रमुख चौराहों को सुगम यातायात के लिए मेट्रो सिटी की तर्ज पर विकसित करने की कवायद की जा रही है। उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण ने रुद्रपुर से शुरूआत करते हुए ट्रैफिक प्लानर को भेजकर सर्वे कराया है। सर्वे के बाद प्लानर डिजाइन तैयार करेगा और मंजूरी मिलने के बाद डीपीआर तैयार की जाएगी। रुद्रपुर के बाद हल्द्वानी सहित अन्य शहरों में सर्वे किया जाएगा।

प्रदेश के मैदानी जिलों के महानगरों के प्रमुख चौराहों पर यातायात का दवाब रहता है। चौराहे संकरे होने के चलते जाम रहता है, साथ ही कई चौराहों की स्थिति भी ठीक नहीं है। शासन के निर्देश पर आवास विभाग (उडा) की ओर से चिह्नित महानगरों में ट्रैफिक प्लानर भेजा जा रहा है। यह प्लानर प्रशासन, नगर निगम, डीडीए, लोनिवि और एनएचएआई के अधिकारियों के साथ चौराहों का सर्वे कर सुगम यातायात को लेकर सुझाव लेकर ड्राइंग तैयार करेगा। इसकी शुरूआत रुद्रपुर से हो चुकी है और ट्रैफिक प्लानर राहुल शुक्ला ने डीडीए उपाध्यक्ष अभिषेक रूहेला, सचिव पंकज उपाध्याय सहित लोनिवि, एनएचएआई, नगर निगम, पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ डीडी चौक, गाबा चौक, तीनपानी, पत्थरचट्टा चौराहा के साथ ही काशीपुर बाईपास व नैनीताल रोड का सर्वे किया था। उन्होंने चौराहों को सुगम यातायात के लिए विकसित करने के साथ ही सौंदर्यीकरण पर भी सुझाव लिए थे।

हरिद्वार में मुलतान जोत महोत्सव, हजारों लोगों ने खेली दूध की होली; पाकिस्तान से है कनेक्शन

हरिद्वार, एजेंसी। अखिल भारतीय मुलतान संगठन की ओर से रविवार को 114वां मुलतान जोत महोत्सव मनाया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए मुलतानी समाज के हजारों लोगों ने हरकी पैड़ी पर मां गंगा के साथ दूध की होली खेली और गंगा में जोत प्रवाहित की।

इससे पूर्व सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाया। गंगा मैया का उद्घोष के साथ ही गंगा की अविरलता और निर्मलता की शपथ ली। गंगा मैया का दुग्धाभिषेक और पूजा अर्चना के साथ जोत गंगा में प्रवाहित की।

अखिल भारतीय मुल्तान संगठन के अध्यक्ष डॉ महेंद्र नागपाल ने बताया कि मुल्तान जोत महोत्सव का आयोजन 1911 से किया जा रहा है।

भक्त रूपचंद की ओर से पाकिस्तान में बसे मुल्तान से पैदल चलकर समाज के भाईचारे एवं शांति की कामना को लेकर हरिद्वार में गंगा मैया को जोत अर्पित की थी। तभी से प्रतिवर्ष बड़े पैमाने पर भव्य रूप से इसे मनाया जा रहा है।

अखिल भारतीय मुलतान संगठन के अध्यक्ष डा. महेंद्र नागपाल ने बताया कि जोत महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। कार्यक्रम के दौरान भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हवन, यज्ञ व सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। भाईचारे के प्रतीक जोत महोत्सव में हरिद्वार, ज्वालापुर, देहरादून, सहारनपुर आदि से भी श्रद्धालु शामिल हुए।

उत्तराखंड बोर्ड बनाएगा प्रश्नपत्र बैंक, कक्षा नौ से ही दक्षता आधारित होंगे इसमें सवाल

नैनीताल, एजेंसी। रामनगर में विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं की बेहतर ढंग से तैयारी कर सकें इसके लिए उत्तराखंड बोर्ड प्रश्नपत्र बैंक तैयार कर रहा है। प्रश्नपत्र बैंक में दक्षता आधारित प्रश्न होंगे। ताकि बोर्ड परीक्षार्थी आसानी से तैयारी कर सकें।

रामनगर में विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं की बेहतर ढंग से तैयारी कर सकें इसके लिए उत्तराखंड बोर्ड प्रश्नपत्र बैंक तैयार कर रहा है। प्रश्नपत्र बैंक में दक्षता आधारित प्रश्न होंगे। ताकि बोर्ड परीक्षार्थी आसानी से तैयारी कर सकें। इसके अतिरिक्त इन प्रश्नपत्र बैंक के आधार पर तैयारी कर विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफल हो सकेंगे।

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की ओर से प्रदेश के सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर प्रश्नपत्र बैंक तैयार करने के लिए सभी विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों को बुलाया गया है, ये विशेषज्ञ शिक्षक अपने-अपने विषय के प्रश्नपत्र बैंक तैयार करेंगे। इन प्रश्नपत्र बैंक को सभी विद्यालयों में भेजा जाएगा और विद्यार्थियों को इन प्रश्नपत्रों के आधार पर तैयारी कराई जाएगी। बोर्ड को उम्मीद है कि प्रश्नपत्र बैंक की मदद से बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किए जा रहे प्रश्नपत्र बैंक में दक्षता आधारित प्रश्नपत्र होंगे।

इंटरमीडिएट - हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, संगीत, ड्राइंग, राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान, सैनिक विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, लेखाशास्त्र, व्यापारिक अध्ययन, कृषि, कंप्यूटर विज्ञान।

दिल्ली में करोड़ों का व्यापार कर रहा उत्तराखंड का चौकीदार ! इनकम टैक्स की टीम पहुंची घर तो उड़े होश

लोहाघाट (चंपावत), एजेंसी। नगर के चांदमारी के पते पर पंजीकृत कंपनी की ओर से तेलंगाना व दिल्ली में करोड़ों रुपए के सामान की खरीद-बिक्री का मामला सामने आया है।

पिछले साल जुलाई में पंजीकृत कंपनी की ओर से एकाएक करोड़ों का व्यापार करने की जानकारी होने पर राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) विभाग अधिकारियों के होश उड़ गए। फर्म का भौतिक सत्यापन करने शुक्रवार को राज्य कर विभाग की टीम लोहाघाट पहुंची तो हड़कंप मच गया।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि टीकम सिंह नाम से पंजीकृत फर्म ने तेलंगाना से करोड़ों रुपए की कपड़े की खरीद कर इसे दिल्ली में बिक्री दर्शाया है। जुलाई 2023 में पंजीकृत फर्म ने पूर्व में कोई भी लेनदेन नहीं किया था। अचानक इस तरह का लेनदेन देखकर अपर आयुक्त रुद्रपुर जोनल के निर्देश पर शुक्रवार को सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार के नेतृत्व में राज्य कर की टीम लोहाघाट पहुंची।

भौतिक सत्यापन में सामने आया कि टीकम सिंह लोहाघाट इंडेन गैस कार्यालय में रात्रि चौकीदार के तौर पर कार्यरत हैं। उनके आधार नंबर और अन्य दस्तावेज से फर्म का संचालन हो रहा था। हालांकि टीकम ने खुद की ओर से कभी इस तरह की फर्म रजिस्टर्ड करने या कोई व्यापार करने से इन्कार किया।

18 वर्षों से लोहाघाट में रह रहे टीकम मूल रूप से मुरादाबाद के रहने वाले हैं। सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार ने बताया कि संबंधित फर्म से लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। भौतिक सत्यापन की जांच आख्या तैयार कर उच्च अधिकारी को सौंप जाएगी। आगे शीर्ष स्तर से ही निर्णय लिया जाएगा।

फिर ताजा हुई उत्तराखंड के चर्चित हत्याकांड की कहानी

गर्लफ्रेंड ने कोबरा से डसवा कर ली थी जान

हल्द्वानी, एजेंसी। कारोबारी अंकित चौहान की हत्या के मामले में जेल में बंद मुख्य आरोपित माही उर्फ डॉली को एक साल बाद जमानत मिलने पर रिहा कर दिया है। यह हत्याकांड खासा सुर्खियों में रहा था। हत्या कोबरा से डसवा कर की गई थी।

वहीं, मामले से जुड़े अन्य आरोपित फिलहाल हल्द्वानी और नैनीताल जेल में बंद है। रामपुर रोड निवासी अंकित चौहान का शव पिछले साल जुलाई को बरेली रोड पर उसकी कार के अंदर ही मिला था। शुरुआत में पुलिस घटना को हादसा मान रही थी। लेकिन पोस्टमार्टम के दौरान पता चला कि मृतक के दोनों पैरों में सांप के डसने के निशान हैं।

पीएम रिपोर्ट से साफ हो गया कि कोबरा के जहर से अंकित की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने उसकी प्रेमिका माही, माही की नौकरानी ऊषा, नौकरानी के पति राम अवतार, सपेरे रमेशनाथ और दीप कांडपाल नाम के युवक को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया था।

पुलिस का कहना था कि इन चारों ने मिलकर सुनियोजित तरीके से अंकित को कोबरा से डसवाया। उसके बाद शव को कार में पीछे की सीट पर रख बरेली रोड पर छोड़ दिया। उसके बाद से सभी लोग जेल में बंद थे। वहीं जेलर प्रमोद पांडे ने बताया कि हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दो अगस्त को माही को हल्द्वानी जेल से रिहा कर दिया गया।

हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की कार्रवाई, सील किया कोर कॉलेज के प्रबंधक का अवैध निर्माण

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की टीम ने क्षेत्र में निरीक्षण किया। टीम ने तीन जगह अनाधिकृत निर्माण पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया।

हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की ओर से बिना अनुमति के चल रहे निर्माण पर कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण की टीम ने कोर कॉलेज के प्रबंधक समेत तीन के निर्माण कार्य को सील कर दिया है।

शुक्रवार को विकास प्राधिकरण की टीम ने क्षेत्र में निरीक्षण किया। टीम ने तीन जगह अनाधिकृत निर्माण पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया। प्राधिकरण के सहायक अभियंता डीएस रावत ने बताया कि अहिल्या ब्लॉक में कोर कॉलेज के प्रबंधक श्रेयांस जैन का भवन निर्माण चल रहा था।

इसे मौके पर जाकर जांचा गया तो वह प्राधिकरण की अनुमति संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा सके। ऐसे में उनका निर्माण कार्य रोककर भवन को सीज कर दिया गया। वहीं, नया बाईपास स्थित खटकी में बाबू भगत

और हवेली होटल से आगे भगत का बिना अनुमति के चल रहे निर्माणाधीन भवन को सील किया गया। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की ओर से आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पत्नी के मायके जाने से परेशान युवक ने ताल में लगाई छलांग

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। काशीपुर में पत्नी के मायके जाने से परेशान एक युवक गिरीताल स्थित ताल में कूद गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बचा लिया।

काशीपुर में पत्नी के मायके जाने से परेशान एक युवक गिरीताल स्थित ताल में कूद गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बचा लिया।

कचनालगाजी निवासी राहुल (32) पुत्र राम किशोर बीते कई दिन से घर से गायब था। शुक्रवार की शाम वह गिरीताल स्थित ताल के किनारे पहुंचा।

वन रावत बस्ती के आपदा पीड़ितों ने सुनाई आपबीती

खटीमा।, एजेंसी। एडीएम अशोक जोशी ने शुक्रवार को दूसरे दिन भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने वन रावत बस्ती, नदन्ना, बिल्हरी और चकरपुर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनने के साथ ही राहत राशि वितरण की जांच की। एडीएम ने तहसीलदार हिमांशु जोशी और पटवारियों के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र वन रावत बस्ती में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि बाढ़ में उनके घर, मवेशी और सामान बह गया। सनिया नाले के उफनाने से जलभराव की समस्या आ रही है। एडीएम ने डीएफओ से वार्ता कर

समस्या का हल निकालने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने चेक वितरण को लेकर मिल रही है शिकायतों की भी जांच की। हालांकि चेक वितरण में किसी प्रकार लापरवाही या गड़बड़ी सामने नहीं आई। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें आपदा सहायता राशि चेक प्राप्त हो गए हैं। तीन परिवारों के चेक में नाम गलत अंकित हुए थे।

भारी बारिश से नैनीताल जिले में 35 करोड़ के नुकसान का आंकलन, डीएम ने सभी विभागों को दिए ये निर्देश

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड में भारी बारिश का दौर लगातार जारी है। वहीं इस मानसून से अब तक नैनीताल जिले में 35 करोड़ के नुकसान का आंकलन किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा कराए गए सर्वे में सबसे अधिक क्षति सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग की संपत्तियों को पहुंची है। अभी तक के आकलन के मुताबिक परिसंपत्तियों के कुल 35 करोड़ के नुकसान का आंकलन सामने आया है।

डीएम नैनीताल ने सभी विभागों को बारिश के कारण हो रहे लगातार नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं। वहीं मानसून के बाद नए सिरे से कंस्ट्रक्शन कार्य शुरू करने के

लिए कहा गया है। डीएम ने बताया कि बारिश के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान हल्द्वानी रामनगर कालाढूंगी स्टेट हाईवे 41 पर हुआ है। इसके चलते अभी भी ये मार्ग आवाजाही के लिए बंद है, और उस पर वैली ब्रिज बनाने का काम चल रहा है। डीएम नैनीताल ने कहा कि मानसून के दौरान सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे विभागीय कामों में बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और अलर्ट मोड पर रहें।

वहीं हल्द्वानी रामनगर स्टेट हाईवे पर टूटे हुए पुल को बनाने का काम पीडब्ल्यूडी तेजी से कर रही है। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी के मुताबिक बेली ब्रिज बनाने का काम 70त तक पूरा कर लिया गया है।

गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय को ठोस सुरक्षा मुहैया कराएं

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय में छात्र गुटों की ओर से व्याप्त अराजकता के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को अगली सुनवाई तक ठोस सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुलिस और राज्य सरकार को दो सप्ताह में कानून व्यवस्था को लेकर प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

विश्वविद्यालय की ओर से दायर याचिका पर न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पकंज पुरोहित की युगलपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि छात्रों के एक समूह ने अपनी मांगों को लेकर 29 और 30 जुलाई को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का घेराव किया। विवि ने छात्र हितों से संबंधित

जायज मांगों को मान लिया लेकिन कुछ अराजक तत्वों ने अधिकारियों को बधंक बना लिया और कुलसचिव कार्यालय पर कब्जा कर लिया। ये अराजक तत्व तब से लेकर अभी तक लगातार कुलसचिव कार्यालय पर कब्जा किए हैं। इससे विश्वविद्यालय में भय का वातावरण है। कर्मचारी डरे-सहमे से हैं और विश्वविद्यालय में दैनिक काम ठप हो गया है। इस मामले में अज्ञात अराजक तत्वों के खिलाफ स्थानीय पुलिस में मामला दर्ज कराया गया लेकिन पुलिस सहयोग नहीं कर रही है।

अदालत ने विगत सात जुलाई को एसएसपी पौड़ी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था। सरकार की ओर से अदालत को बताया गया मामला दर्ज कर लिया गया है और विश्वविद्यालय परिसर को खाली करा लिया गया है। अंत में अदालत ने पुलिस को अगले दो सप्ताह तक सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सरकार को प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इस प्रकरण में अब दो सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

डीयू कॉलेजों में 80 फीसदी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी

प्रातः किरण संवाददाता

- ईडब्ल्यूएस कोटे की बढ़ी सीटों के अनुपात में नहीं मिली एससी, एसटी, ओबीसी को आरक्षित सीटें – फोरम ने की मांग
- 46 कॉलेजों ने 1891 ईडब्ल्यूएस की अतिरिक्त सीटों के बढ़ाने की मांग
- कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस सीटें 2500 व विभागों को 500 सीटें चाहिए

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभागों व कॉलेजों में पिछले दो वर्षों से स्थायी सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। अभी तक लगभग 4700 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। बता दें कि पाँच साल पूर्व दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों /कर्मचारियों व छात्रों के दाखिले में ईडब्ल्यूएस कोटा लागू किया गया था। शिक्षकों के पदों को जब भरा जाने लगा तो ईडब्ल्यूएस की सीटें सभी आरक्षित वर्गों से काटकर बनाई गई थीं।

कॉलेज प्रिंसिपलों ने ईडब्ल्यूएस सीटों के विज्ञापन निकालकर उन्हें भर लिया, लेकिन शिक्षा मंत्रालय ने आज तक आरक्षित कोटे से बाहर ईडब्ल्यूएस की सीटें देने की पहल नहीं की। ईडब्ल्यूएस कोटे को विश्वविद्यालय ने विभागों एवं कॉलेजों के कुल स्वीकृत पदों पर लागू कर पदों को भर लिया। जबकि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) का आरक्षण 1997 से लागू है। वहीं ओबीसी कोटे के अभ्यर्थियों का आरक्षण मार्च 2007 से लागू करने के बाद भी उनका आज तक शॉर्टफाल व बैकलॉग पदों को नहीं निकाला गया है। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस शिक्षक संगठन ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा ईडब्ल्यूएस कोटे की सीटों के अनुपात में एससी, एसटी, ओबीसी को सीटें न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि - ईडब्ल्यूएस कोटा आरक्षित श्रेणी की सीटों को काटकर दिया गया है, इसलिए एससी, एसटी, ओबीसी को उसी अनुरूप सीट बढ़ा कर देना चाहिए। ऐसा न करना सीधे सामाजिक न्याय का उल्लंघन है।

फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (कॉलेजिज) ने एक साल पूर्व कॉलेजों के प्रिंसिपलों तथा संस्थान के निदेशकों को सर्कुलर जारी कर ईडब्ल्यूएस की 10 फीसदी अतिरिक्त सीटों की आवश्यकता के विषय में जानकारी मांगी थी, अर्थात 25 फीसदी छात्रों की सीटों के बढ़ने पर उनके कॉलेज के प्राचार्यों ने आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों के आंकड़े विश्वविद्यालय को भेज दिए। भेजें गए शैक्षिक पदों के आंकड़ों को लेकर डूटा भी कई बार केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिख चुका है, साथ ही प्रतिनिधि मंडल भी मिलने गया है। बता दें कि डूटा ने शिक्षा मंत्रालय से ईडब्ल्यूएस सीटें दिए जाने की मांग को लेकर 8 अगस्त को जंतर-मंतर पर हजारों शिक्षकों के साथ धरना प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा था।

फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में शैक्षिक पदों पर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 10 फीसदी अतिरिक्त सीटों का ब्यौरा 46 कॉलेजों के प्राचार्यों ने दिया है। कॉलेजों के प्राचार्यों ने छात्रों की बढ़ी संख्या के आधार पर 25 फीसदी अतिरिक्त शिक्षकों की मांग की है। यदि शिक्षा मंत्रालय से इस पर मंजूरी मिलती है तो इन कॉलेजों में 1891 सीटों के बढ़ने की संभावना है। बाकी लगभग 35 कॉलेजों ने अभी आंकड़े जारी नहीं किए हैं। यदि सभी कॉलेज ईडब्ल्यूएस की सीटें जारी करते हैं तो 2500 सीटों का इजाफा होगा। इसके अतिरिक्त डीयू विभागों में ईडब्ल्यूएस की 500 सीटें बढ़ेंगी। इसमें सर्वाधिक अतिरिक्त सीटें मांगने वाले कॉलेजों में है -हंसराज कॉलेज--92 ,गार्गी कॉलेज--91, दयालसिंह कॉलेज--81, देशबंधु कॉलेज--80, यूसीएमएस--80, जाकिर हुसैन कॉलेज--72, दौलतराम कॉलेज--60, रामजस कॉलेज--59, कालिंदी कॉलेज--55, शिवाजी कॉलेज--49, रामलाल आनंद कॉलेज--46, वेंकटेश्वरा कॉलेज--46, हिन्दू कॉलेज--45, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज--45, पीजीडीएवी कॉलेज--44, लेडीश्रीराम कॉलेज--44, एआरएसडी--44, विवेकानंद कॉलेज -- 43, शहीद भगतसिंह कॉलेज--43, रामलाल आनंद --42, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज--41, भारती कॉलेज--40 सीटों की मांग की है । इन कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस के कारण शिक्षकों की सीटें बढ़ेंगी। डॉ.सुमन का कहना है कि कॉलेजों व संस्थानों में ईडब्ल्यूएस की अतिरिक्त सीटों के बढ़ने से सामान्य वर्गों के उन एडहॉक टीचर्स को राहत मिलेगी जो कॉलेजों से डिस्प्लेसमेंट हुए हैं । लेकिन एससी, एसटी, ओबीसी की सीटें उसी अनुपात में न बढ़ाने पर संविधान प्रदत्त आरक्षण प्रक्रिया की अवहेलना होगी।

ईडब्ल्यूएस सीटों के बढ़ने से आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत - फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय से अतिरिक्त सीटों की मंजूरी मिलने के बाद कॉलेजों को फिर से रोस्टर रजिस्टर तैयार कर विश्वविद्यालय प्रशासन से पास कराकर पदों को विज्ञापित करना होगा। इससे एससी, एसटी, ओबीसी की सीटों में भी बढ़ोतरी होगी। उनका कहना है कि स्थायी नियुक्ति के समय फोरम की पहली प्राथमिकता है रोस्टर के कारण पदों के घटने से जो शिक्षकों बाहर हुए पहले उनकी स्थायी नियुक्ति हो। डॉ.सुमन ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार के पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है वहाँ पर जल्द से जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाए । उनका कहना है कि दिल्ली सरकार के इन कॉलेजों में पद ज्यादा है और शिक्षक कम पढ़ा रहे हैं।

दिल्ली सरकार के 12 कॉलेजों में भी हो शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति - डॉ. सुमन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह से मांग की है कि जिस प्रकार से उन्होंने दिल्ली सरकार के 20 कॉलेजों में शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति व पदोन्नति कराई है उसी प्रकार से बाकी बचे पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में भी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कराएँ। डॉ. सुमन ने बताया है कि दिल्ली सरकार के 4 कॉलेजों अदिति महाविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, भाष्कराचार्य कॉलेज व आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के पदों पर स्थायी नियुक्ति किए जाने संबंधी विज्ञापन आ चुके हैं। उन्होंने मांग की है कि अन्य 8 कॉलेजों के भी विश्वविद्यालय प्रशासन से रोस्टर पास कराकर विज्ञापन निकलवाकर जल्द से जल्द स्थायी नियुक्ति हो। उन्होंने पुनः कुलपति से दिल्ली सरकार के 12 कॉलेजों में भी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कराने की मांग दोहराई है ।

रिटायर्ड एसीपी को चूना लगाने वाले को नहीं दबोच पा रही पुलिस

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर न्याय दिलाने का दावा करने वाले दिल्ली पुलिस जब अपने ही महकमे के एक सेवानिवृत्त एसीपी को नौ माह से न्याय नहीं दिला पा रही है, तब आम जनता की शिकायतों पर कितनी गंभीरता दिखाती होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। एसीपी का सपना था कि सेवानिवृत्त होने के बाद वह पत्नी संग पहाड़ पर ही रहेंगे। इसके लिए उन्होंने एक परिचित पूर्व सिपाही सतवीर सिंह के झांसे में आकर उसे राजगढ़ में साझे में रिजॉर्ट खरीदने के लिए 52 लाख दे दिए। रिजॉर्ट खरीदने के बाद सतवीर ने अपनी पत्नी के नाम पर रजिस्ट्री करवा ली और पीड़ित को रिजॉर्ट पर मालिकाना हक देने के मना कर दिया।धोखा खाकर पीड़ित ने नवंबर में जनकपुरी थाने में सतवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया। मुकदमा के बाद पुलिस आरोपी पूर्व सिपाही को गिरफ्तार करने में हीलाहवाली करती रही। इस बीच सतवीर ने कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगा दी। उसकी अर्जी 29 जुलाई को खारिज कर दिया गया। फिर भी पुलिस उसे नहीं पकड़ पा रही है। पीड़ित राजेश कुमार 2019 में एसीपी पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। वह मूलरूप से जालंधर के रहने वाले हैं। उनके पिता भी आइबी में रहे हैं। राजेश कुमार पहले जनकपुरी में रहते थे अब कुछ समय से उन्होंने नोएडा सेक्टर-37 में रहना शुरू किया। आरोपित सतवीर सिंह मूलरूप से संखोल, बहादुरगढ़ का रहने वाला है। वह पहले दिल्ली पुलिस में सिपाही था। पहले टाडा कानून हुआ करता था, जिसे अब मकोका में बदल दिया गया है। सतवीर के खिलाफ बादली थाने में टाडा के तहत केस दर्ज हुआ था। उक्त मामले में पुलिस विभाग द्वारा उसे बर्खास्त कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया था, जिसे हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से बरी होने के बाद उसने दोबारा नौकरी ज्वाइन की और 2011 में नौकरी छोड़ दी। सतवीर भी पहले जनकपुरी में एसीपी के आसपास ही रहता था।

इंस्पेक्टर होने के दौरान राजेश कुमार के पास रहने वाले एक अर्दली के जरिये करीब 22 साल पहले उनका सतवीर से परिचय हुआ था। उसने तुरंत नजदीकी बढ़ा ली। अर्दली के छुट्टी पर रहने के दौरान सिपाही सतवीर सिंह ही देखरेख करता था। जिससे उसने विश्वास जीत लिया था। 2019 में एसीपी पद से रिटायर होने के बाद राजेश कुमार ने पूर्व सिपाही से पार्टनरशीप में रिजॉर्ट खरीदने की डील की। उन्होंने 2020-2021 के दौरान अपनी पत्नी के खाते से आरोपित के खाते में 52 लाख का भुगतान कर दिया।

जिस सेबी अध्यक्ष का अडानी की फर्जी कंपनियों में हिस्सेदारी, उसी से मोदी ने कराई अडानी के हजारों करोड़ के घोटाले की जांच - संजय सिंह

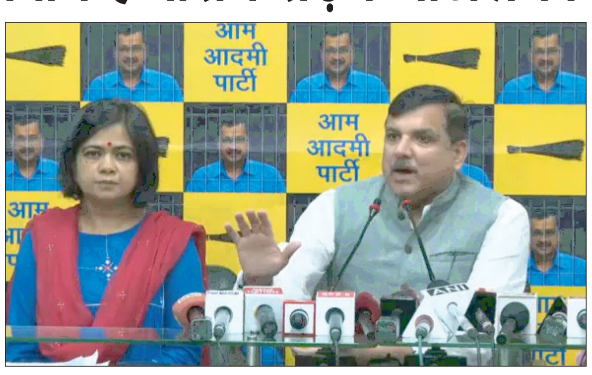

- हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में खुलासा, जांच कर रही सेबी अध्यक्ष माधवी बुच व उनके पति का ही अडानी की सेल कंपनियों में 10 मिलियन डॉलर निवेश – संजय सिंह

नई दिल्ली, अडानी के घोटोले को लेकर आई हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। ''आप'' सांसद संजय सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने अडानी को बचाने के लिए सेबी अध्यक्ष से उसके घोटाले की जांच कराई। हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट बताती है कि सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने लगभग 10 मिलियन डॉलर उन्हीं फर्जी कंपनियों में लगाए हैं, जिनकी इन्हें जांच करनी थी। मोदी जी को हिंडनबर्ग के नए खुलासे की भनक लग गई थी। इसलिए उन्होंने तीन दिन पहले ही संसद का सत्र समाप्त करा दिया। उन्होंने कहा कि जब मैंने संसद में अडानी के इस घोटाले के खिलाफ आवाज उठाई और इसका खुलासा किया तो मोदी सरकार ने मुझे जेल भेज दिया। केंद्र की भाजपा सरकार ने कोर्ट से सही तथ्य को छिपाया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इसका संज्ञान लेना चाहिए। देश के आम लोगों का 8 लाख 50 हजार करोड़ रुपए डूबने के लिए प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। मोदी जी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और जेपीसी से इसकी जांच कराई जानी चाहिए।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि अडाणी के भ्रष्टाचार को उजागर करने की सजा मुझे 6 महीने जेल में रखकर दी गई। देश की संसद में मैंने प्रधानमंत्री जी के सामने नारा लगाया था कि 'मोदी-अडाणी भाई-भाई, देश बेचकर खाई मलाई'। 18 महीने पहले हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट आई थी, जिससे पूरा देश और दुनिया अचंभित रह गए थे। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि अडाणी ने दुनिया के तमाम घोटालेबाजों को इकट्ठा करके और भारत से मनी लॉन्ड्रिंग करके चैंग चुंग लींग और नासिर अली के जरिए मॉरीशस में फर्जी कंपनियां बनाईं। उन्हीं कंपनियों के जरिए गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी ने भारत में अपनी कंपनियों के शेयर्स को ओवरवैल्यू किया। यानी कंपनियों को वास्तविक मूल्य से ज्यादा दिखाकर उसमें पैसा डलवाया। जबकि शेयर का वास्तविक दाम उतना नहीं था। इसके बाद भी फर्जी कंपनियां बनाकर विनोद अडाणी के माध्यम से हजारों करोड़ों रुपये भारत में अडाणी की कंपनी में लगाकर उसके शेयर के दाम बढ़ाए गए। जब हमारे देश के छोटे और मध्यम वर्गीय लोग उन शेयरों को खरीदते हैं, तो कुछ दिनों में उन शेयरों के दाम घटने से उनका पैसा डूब जाता है।संजय सिंह ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम के जरिए देश के लाखों कर्मचारियों के पेंशन का पैसा इस शेयर मार्केट में लगाया जाता है। एलआईसी का पैसा भी शेयर मार्केट में लगता है। अगर वहां इस तरह का घोटाला हो रहा है, तो यह अडाणी का नहीं, इस देश के आम आदमी का पैसा डूब रहा है। क्योंकि अडाणी ने पहले ही भ्रष्टाचार करके अपनी जेबें भर रखी हैं। देश के लाखों-करोड़ों लोग जो अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा शेयर बाजार में लगाते हैं, वो डूब रहे हैं। जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से खुलासा हुआ तो शेयर मार्केट में देशवासियों के 8 लाख 50 हजार करोड़ रुपए डूब गए।संजय सिंह ने कहा कि मैंने उस समय जोर-शोर से मांग उठाई थी कि जेपीसी बनाकर इस मामले की जांच की जाए। इस मामले की सच्चाई पता लगाई जाए। क्योंकि हमारे देश के लोगों का पैसा डूब रहा है। अडाणी ने विदेशों में फर्जी कंपनियां बनाकर अपनी कंपनियों के शेयर्स के दाम बढ़ाए हैं। यह खुलेआम मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार का मामला है। लेकिन मेरी एक आवाज नहीं सुनी गई। उल्टा मोदी जी ने आदेश दिया कि इसे पकड़कर जेल में डाल दो। इसलिए मुझे उठाकर जेल में डाल दिया गया। मैं 6 महीने तक जेल में रहा। मेरा जुर्म केवल यही था कि मैंने संसद में मोदी-अडाणी भाई-भाई, देश बेचकर खाई मलाई का नारा लगाया और इनके सच को दुनिया के सामने लाकर रख दिया।संजय सिंह ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट में यह मामला गया, तो कोर्ट ने कहा कि सेबी इस पूरे मामले की जांच करेगा। इसके बाद सेबी ने अपनी जांच करके रिपोर्ट दाखिल की। सेबी ने मई 2023 में जो रिपोर्ट दाखिल की वो बेहद हास्यास्पद है। सेबी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह इससे जुड़े 13 मामलों की जांच कर रहा है और अंत में कहता है कि हमें नहीं पता कि यह जांच कितने समय तक चलेगी, यह एक दिशाहीन जांच है। कुछ गड़बड़ी हुई है, लेकिन हम बता नहीं सकते कि यह गड़बड़ी किसने की है। सेबी ने अपनी रिपोर्ट में ऐसा क्यों कहा, इसका खुलासा हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट ने किया है।संजय सिंह ने कहा कि हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट बताती है कि सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने लगभग 10 मिलियन डॉलर उन्हीं फर्जी कंपनियों में लगाए हैं, जिनकी इन्हें जांच करनी थी। यानी सेबी अध्यक्ष को जिस भ्रष्टाचार की जांच करनी थी, वहीं पर उनका लगभग 10 मिलियन डॉलर पैसा लगा हुआ है। एक विसिल ब्लोअर के माध्यम से इसका खुलासा हुआ। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि जिन कंपनियों की जांच की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को सौंपी थी, उसकी अध्यक्ष माधवी बुच ने यह क्यों नहीं बताया कि वह इसकी जांच नहीं कर सकती, क्योंकि उनके और उनके पति का पैसा भी उन्हीं फंड्स में लगा है, जिसे विनोद अडाणी मैनेज करता है।संजय सिंह ने कहा कि 18 महीने पहले इस देश की जनता के 8 लाख 50 हजार करोड़ रुपये डूबे थे। उस समय मेरी एक नहीं सुनी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, भ्रष्टाचार को खत्म करने और भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने की गारंटी देते हैं। उन्होंने तेलंगाना की एक सभा में कहा था कि अडाणी-अंबानी टैंपो में पैसा भरकर कांग्रेस को पहुंचाते हैं। वह देश के प्रधानमंत्री होकर इतना बड़ा आरोप लगाते हैं। लेकिन जब चुनाव के बाद उनका शपथ समारोह होता है तो, भारतीय सेना के सर्वोच्च पद के अधिकारी पीछे बैठते हैं और अडाणी उनसे आगे बैठता है। यह प्रधानमंत्री मोदी की असलियत है।संजय सिंह ने

लिटिल स्टार प्ले एंड पब्लिक स्कूल ने मनाया 78वां स्वाधीनता दिवस

स्कूल बड़ा या छोटा नहीं होता, ज्ञान बड़ा होता है: प्रो. ज्ञानतोष झा

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लिटिल स्टार प्ले एंड पब्लिक स्कूल इंद्रा पार्क, पश्चिमी दिल्ली के नन्हे मुन्ने बच्चों ने आज गीता भवन सभागार में 78 वां स्वाधीनता दिवस धूमधाम से मनाया। आत्मा राम सनातन धर्म कालेज के प्रिंसिपल प्रो(डॉ) ज्ञानतोष झा समारोह में मुख्य अतिथि, डाइट आर.के पुरम के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल डॉ.संजीव कुमार, शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय विशेष अतिथि के रुप में समारोह में उपस्थित थे।

अतिथियों ने समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र- छात्राओं को गोल्ड मैडल पहना कर उनको सम्मानित किया। एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अभिभावकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ ज्ञानतोष झा ने कहा कि कोई स्कूल छोटा या बड़ा नहीं होता बल्कि उनमें दिया हुआ ज्ञान बड़ा होता है।

शिक्षाविद् डॉ दयानंद वत्स भारतीय ने अपने संबोधन में कहा कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाने का एक खास उद्देश्य है। इससे हमारी भावी युवा पीढ़ी ओर नन्हे बच्चों में देश के राष्ट्रध्वज तिरंगा का सम्मान करने की भावना विकसित होती है। उनको पता चलता है कि देश की आजादी के लिए अनेकों स्वाधीनता सेनानियों ने अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। स्कूल के डायरेक्टर डॉ.राजकुमार यादव एवं मुख्य अतिथि डॉ ज्ञानतोष झा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह ओर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनदन किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में शिक्षाविद् श्री एल.एस तंवर, श्री विजय सिंह नेगी, श्री अंकुर यादव, श्री उमेश शर्मा , डॉ.ए. के पांडे, विश्वजीत यादव, डॉ.जनेश कुमार, डॉ.पुष्पेंद्र, श्री महेश चंद्र को भी मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। बच्चों ने मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र के जलगांव से तीन साइबर जालसाजों को दबोचा

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर एक महिला से 36.27 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी के लिए तीन साइबर जालसाजों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान जयेश भोले (29), राकेश जाधव (33) और हर्षवर्धन भोसले (25) के रूप में हुई है। तीनों को महाराष्ट्र के जलगांव से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि भोले ने विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की है और वह बेरोजगार था जबकि जाधव भी स्नातक है और वह 'ट्रांसपोर्ट' का व्यवसाय करता है। पुलिस के मुताबिक, तीसरे आरोपी भोसले ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है लेकिन 2022 में रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के बाद से वह बेरोजगार था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अन्य जालसाजों के लिए चालू बैंक खाते मुहैया कराने का भी काम करते थे। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपश्चिम) रोहित मीणा ने बताया कि एक महिला की शिकायत के बाद 25 जुलाई को साइबर पुलिस थाने में ऑनलाइन एक शिकायत दर्ज कराई गयी, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गयी। मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक जुलाई को वह 'शेयर इंडिया' नाम के समूह के संपर्क में आईं और समूह ने उन्हें बैंक खाते के जरिये 36.27 लाख रुपये निवेश करने पर राजी कर लिया। मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी राशि जल्द बढ़कर साढ़े तीन करोड़ रुपये हो गयी लेकिन वह निवेश की गई राशि को निकालने में असमर्थ थीं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने लेन-देन की कड़ियों की जांच की और तीन लोगों की पहचान की। मीणा ने बताया कि 29 जुलाई को पुलिस टीम ने जलगांव पहुंचकर भोले को गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ के बाद नौ अगस्त को दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपी के खाते से 1.59 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं और मामले की जांच जारी है।

हरियाणा से अपील, मुफ्त बिजली और अच्छे स्कूल-अस्पताल के लिए 'आप' को दें मौका : सुनीता केजरीवाल

प्रातः किरण संवाददाता

अरविंद केजरीवाल, हरियाणा के लाल हैं और हिसार मेरा सुसराल : सुनीता केजरीवाल

हिसार, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को हिसार में बदलाव जनसभा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा, डॉ. मनीष यादव, पवन फौजी, संजय बूरा, वीरेंद्र शर्मा, उमेश शर्मा, संजय सतरोडिया, रविंद्र श्योराण, सुभाष कुंडू, दलबीर किरमारा, सीताराम, सतबीर झांझरिया, रामनाथ धुरवारिया, डॉ. सीपी गुप्ता, विजय चौधरीवास और राजेंद्र सोरखी भी मुख्य तौर पर मौजूद रहे। सभा में उमड़े जन सैलाब को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुफ्त और 24 घंटे बिजली और अच्छे स्कूल-अस्पताल के लिए हरियाणा की जनता आम आदमी पार्टी को मौका दे। ''आप'' की सरकार आपको मुफ्त व 24 घंटे बिजली, अच्छी शिक्षा-स्वास्थ्य, हर युवा को रोजगार व महिलाओं को एक हजार महीना देगी। भाजपा सरकार में हरियाणा के अंदर सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है। यहां के बच्चे पढ़ने के लिए कहां जाएंगे। पिछले 10 सालों में भाजपा की सरकार ने आपके लिए कुछ नहीं दिया। इसलिए इस बार के चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलनी।सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, हरियाणा के लाल हैं। हिसार के ही बेटे हैं और जब मेरी शादी हुई तो मैं यहीं आई थी। हिसार मेरा सुसराल है, 1994 में मेरी इनसे शादी हुई थी। उस समय उनका परिवार हिसार में रहता था। यहां उनके पिता नौकरी करते थे। अरविंद का जन्म तो सिवानी गांव में हुआ था, लेकिन उनकी पढ़ाई-लिखाई और परवरिश हिसार में हुई। उन्होंने कहा कि कोई सपने में भी नहीं सोच सकता था कि 20 साल बाद यह लड़का दिल्ली का मुख्यमंत्री बन जाएगा। ये कोई मामूली बात नहीं है। उनका जन्म 16 अगस्त 1968 को हुआ था। उस दिन कृष्ण जन्माष्टमी थी। यह भी कोई मामूली इत्तेफाक नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान आपके बेटे से कुछ बड़ा करवाना चाह रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने पहली बार चुनाव लड़ा और वे दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने देश की राजनीति में भूचाल लाने का काम किया। ऐसे-ऐसे काम किए, जो कोई भी पार्टी नहीं कर पाई। आज पूरी दुनिया में लोग अरविंद केजरीवाल को उनके कामों से जानते हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब के सरकारी स्कूल अच्छे कर दिए। गरीबों के बच्चों का भविष्य उज्जवल कर दिया। शानदार मोहल्ला क्लीनिक और अस्पताल कर दिए, जहां मुफ्त और

अच्छा इलाज होता है। उन्होंने बिजली फ्री कर दी। महिलाओं को बस में फ्री सफर करने की सुविधा दी। बुजुर्गों के लिए फ्री तीर्थ यात्रा कर दी और अब हर महीने हर महिला को एक हजार रुपए की सम्मान राशि देने जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी ने जनता के लिए ये काम नहीं किए हैं। जनता बताए कि क्या कोई ऐसी पार्टी है, जिसने स्कूल अच्छे किए हों, मोहल्ला क्लीनिक बनाए हों या सरकारी अस्पताल अच्छे किए हों, किसी ने बिजली फ्री की हो ? ऐसे काम केवल हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल ही कर सकते हैं। इसलिए मोदी जी अरविंद केजरीवाल से जलते हैं। इसलिए अरविंद केजरीवाल को फर्जी केस में जेल में डाल दिया। वो कहते हैं कि अरविंद केजरीवाल चोर है। मैं कहती हूं कि अगर अरविंद केजरीवाल चोर हैं तो इस दुनिया में कोई ईमानदार नहीं है। उन्होंने कहा कि बंग्लादेश में भी विपक्षी नेताओं के जेल में डाला हुआ था, वहां जबरदस्त विद्रोह हुआ तो वहां की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भागना पड़ा। भगवान की लाठी में देर हो सकती है, अंधेर नहीं, तानाशाही का अंत होता है। मोदी जी ने अरविंद केजरीवाल को नहीं हरियाणा के बेटे को जेल में डाला है। मोदी जी ने हरियाणा के लोगों को ललकारा है। मैं हरियाणा की बहू आपसे पूछती हूं कि क्या हरियाणा की जनता अपने बेटे का अपमान चुपचाप सहन करेगी ? केजरीवाल शेर हैं और वो मोदी जी के सामने झुकेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी को एक भी सीट नहीं जानी चाहिए। अरविंद केजरीवाल को भारी बहुमत से जीताना है। ये बात अरविंद केजरीवाल की नहीं है, ये हरियाणा की इज्जत का सवाल है। हमें नलवा में जनसभा करनी थी, लेकिन वहां अनाज मंडी ही नहीं है। इसके अलावा न सरकारी स्कूल है और न सरकारी अस्पताल है। बीजेपी ने आयुषमान कार्ड तो दिए हैं लेकिन प्राइवेट अस्पताल में इलाज नहीं करवा सकते। क्योंक सरकार उनको पैसे नहीं देती। किसान को ट्यूबवेल का कनेक्शन नहीं मिलता। जनता हर चीज पर टैक्स देती है। इसलिए जनता को अधिकार है कि सरकार उनको अच्छी शिक्षा, अच्छी चिकित्सा, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं दे। बीजेपी ने जनता को 10 साल में कुछ नहीं दिया। उनको विकास से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल ने जनता के लिए पांच गारंटी दी है। अरविंद केजरीवाल अपनी गारंटी को पूरी करके दिखाते हैं। दिल्ली और पंजाब में उनकी गारंटी पूरी हो रही हैं। अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा को पहली गारंटी दी है कि दिल्ली और पंजाब की तरह यहां भी घरेलू बिजली फ्री होगी। ''आप'' की सरकार बनने के बाद हरियाणा में घरेलु बिजली फ्री और 24 घंटे मिलेगी। दूसरी गारंटी, दिल्ली और पंजाब की तरह हर गांव और हर शहर में मोहल्ला क्लीनिक बनाने का काम करेंगे। सरकारी अस्पताल अच्छे होंगे, सबका अच्छा और फ्री इलाज होगा। तीसरी गारंटी, सरकारी स्कूलों को अच्छा बनाएंगे, जहां अच्छी और फ्री शिक्षा मिलेगी। चौथी गारंटी, हर महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने का काम करेंगे। पांचवीं, हर बेरोजगार युवा को रोजगार देंगे। इसके अलावा किसानों, व्यापारियों, खिलाड़ियों, महिलाओं और बुजुर्गों के विकास और खुशहाली के लिए विस्तृत योजनाएं लेकर आएंगे। इसके लिए आपको झाडू के निशान पर वोट देना है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि पूरे देश में बदलाव की लहर चल रही है। पहले दिल्ली बदली, फिर पंजाब बदला और अब हरियाणा में बदलाव की लहर चल रही है। इस बार हरियाणा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। अरविंद केजरीवाल ने तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू की। इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा हिसार की मिट्टी के लाल अरविंद केजरीवाल जब दिल्ली गए तो दिल्ली की जनता ने बाहें खोल कर उनका स्वागत किया। वे जब पंजाब गए तो वहां भी अरविंद केजरीवाल की सोच को मजबूती मिली और एकतरफा सरकार बनाई।उन्होंने कहा कि अब हरियाणा की जनता बदलाव चाहती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

दिल्ली के मॉडल टाउन में दो मंजिला इमारत ढही एक मजदूर की मौत और दो अन्य मजदूर घायल

नयी दिल्ली, (भाषा) उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में शनिवार दोपहर बाद हुई भारी बारिश के दौरान दो मंजिला एक इमारत ढहने की घटना में एक मजदूर की मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब दो बजकर 45 मिनट पर महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुरानी इमारत की मरम्मत का काम जारी था। अधिकारियों ने दिन के समय बताया था कि यह एक पुराना मकान था लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि इमारत का इस्तेमाल एक बैंक्वेट हॉल के रूप में किया जा रहा था।

स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों और अन्य बचाव दल के सदस्यों की मदद से तीन लोगों को मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

घायलों की पहचान विशाल, पवन और जय सिंह के रूप में हुई।

पास के एक घर के सीसीटीवी फुटेज में यह घटना रिकॉर्ड हो गई।

पुलिस ने बताया कि करीब 50 वर्ष पुरानी ये इमारत पिछले कुछ वर्ष से बंद थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत की हालत बहुत खराब थी इसलिए कुछ मजदूर इसकी मरम्मत का काम कर रहे थे।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को सेवा में लगाया गया। उन्होंने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

एक अधिकारी ने बताया कि घायल 28 वर्षीय जेसीबी क्रेन चालक विशाल की अशोक विहार स्थित दीप चंद बंधु अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, एक घायल को बसई दारापुर के ईएसआई अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि एक अन्य को अशोक विहार के दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, जिस समय इमारत गिरी उस वक्त मजदूर खाना खा रहे थे। इस घटना में पास खड़ी दो गाड़ियां और दो स्कूटर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान चार घंटे से अधिक समय तक चला। उन्होंने बताया कि इमारत की छत पर एक मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी का टावर भी लगा हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि इमारत के मालिक की पहचान कर ली गई है और ठेकेदार तथा मालिक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिली अमरोहा की चार महिलाएं, कृषि विज्ञान केंद्र की तरफ से हुआ था चयन

गजरौला। जनपद में कृषि के कार्यों में पहचान बनाने वाली चार महिलाएं पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूबरू हुई हैं। प्रधानमंत्री ने उनके सवाल-जवाब भी किए हैं। इससे यह महिलाएं पूरी तरह से गदगद हैं। इन महिलाओं का चयन कृषि विज्ञान केंद्र की तरफ से करके दिल्ली में आयोजित हुए कार्यक्रम में भेजा गया। रविवार को दिल्ली में एक कृषि संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को जैव संवर्धित 109 नई प्रजातियां समर्पित की हैं। इनमें 69 फसलें खाद्यान्न व 40 फसलें बागवानी से जुड़ी हैं। कार्यक्रम में अनुसंधान परिषद के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला से चार महिलाओं को शामिल करवाने के लिए निर्देश मिले थे। इसके बाद यहां से गांव छावी की रहने वाली हितेश चौधरी व संध्या, गांव गुलड़िया की रहने वाली अनीता देवी व गांव जुझैला चक निवासी प्रिंसी का चयन किया गया। ये चारों महिलाएं मोटा अनाज, जैविक विधि से गन्ने की खेती, खेतों में पोषण वाटिका, किचन गार्डन व डेयरी आदि का कार्य करती हैं।

मणिपुर में अलग प्रशासन की मांग को लेकर कुकी छात्रों ने दिल्ली में किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, (भाषा) जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर में कुकी-जो जनजातीय समुदायों के लिए अलग प्रशासन की मांग को लेकर कुकी-जो समूहों ने शनिवार को यहां कुकी छात्र संगठन (केएसओ) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया।

केएसओ की दिल्ली-एनसीआर इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक ज्ञापन भी जारी किया, जिसमें मणिपुर में एक अलग कुकी-जो प्रशासन की मांग की गई तथा पूर्वोत्तर राज्य के बफर जोन से असम राइफल्स को हटाने के केन्द्र के फैसले का विरोध किया गया। केएसओ के महासचिव सेलेनमंग हाओकिप ने बताया कि कुकी और जो समुदाय के लगभग 600-800 सदस्य बारिश के बावजूद जंतर-मंतर पर एकत्र हुए।

मोदी को संबोधित ज्ञापन में संगठन ने कहा, "हम, कुकी छात्र संगठन दिल्ली-एनसीआर, आपको बहुत ही तात्कालिकता और हताशा के साथ लिख रहे हैं। मणिपुर में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली मौजूदा मेइती सरकार के तहत कुकी-जो लोग गंभीर अत्याचार और अस्तित्व के लिए खतरा झेल रहे हैं।"

इसमें कहा गया, "कुकी-जो जनजातीय समुदाय वर्तमान राज्य प्रशासन के तहत अस्तित्व के खतरे का सामना कर रहे हैं, जो हमारे अधिकारों, हमारे जीवन और हमारी गरिमा की रक्षा करने में विफल रहा है।" ज्ञापन में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने और मणिपुर में कुकी-जो समुदायों के लिए एक अलग प्रशासन स्थापित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की। ज्ञापन में कहा गया, "अतः माननीय प्रधानमंत्री जी हम आपसे विनम्रतापूर्वक अपील करते हैं कि आप इस मामले में हस्तक्षेप करें तथा मणिपुर में कुकी-जो जनजातीय समुदायों के लिए एक पृथक प्रशासन स्थापित करने हेतु तत्काल कदम उठाएं।"

इसमें कहा गया, "यह सिर्फ राजनीतिक स्वायत्तता की मांग नहीं है, बल्कि हमारे अस्तित्व की गुहार है।" केएसओ ने आरोप लगाया कि बीरेन सिंह सरकार न केवल कुकी-जो लोगों की रक्षा करने में विफल रही है, बल्कि "उनके उत्पीड़न में सक्रिय रूप से भागीदार रही है"। केएसओ ने मणिपुर के बफर जोन से असम राइफल्स की 9वीं और 22वीं बटालियन को हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग भी की।

दिल्ली के कई इलाकों में बारिश, न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में रविवार सुबह बारिश हुई, जिससे कुछ इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 2.9 मिलीमीटर बारिश हुई।

आईएमडी ने बताया कि रविवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

दिल्ली यातायात पुलिस ने छावला स्टैंड के पास जलभराव और तीन क्लस्टर बस के खराब होने के कारण नजफगढ़ फिरनी रोड पर यातायात प्रभावित होने की जानकारी दी।

यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी बताया, "नांगलोई से टिकरी बॉर्डर की ओर जाने वाले रोहतक रोड पर गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है। कृपया मुंडका जाने से बचें और वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।" दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 74 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

हरियाणा का शूटर दिल्ली से गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने यहां छावला इलाके से हरियाणा के 24 वर्षीय एक शूटर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि रोहतक का आरोपी अंकित (24) सात आपराधिक मामलों में कथित तौर पर संलिप्त है और उसकी गिरफ्तारी से सोनीपत में एक हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गयी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद उसके पास से तीन पिस्तौल, एक 'सिंगल-शॉट' पिस्तौल और 13 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (अपराध शाखा) अमित गोयल ने बताया कि जुलाई में अंकित ने अपने साथियों के साथ एक पुरानी दुश्मनी को लेकर सोनीपत में जयपाल पर कथित तौर पर 10 गोलियां चलायी थीं।

गोयल ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अंकित छावला इलाके में आएगा। इसके बाद एक दल गठित किया गया जिसने इलाके में छापा मारा और अंकित को पकड़ लिया।

'सरकार को सेबी की अदाणी जांच में हितों के टकराव को दूर करना चाहिए'

नयी दिल्ली, (भाषा) अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर लगाए गए आरोपों की पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने रविवार को कहा कि सरकार को अदाणी ग्रुप की विनायमक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना चाहिए।

उसने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहरायी।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अदाणी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े 'परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा,'' मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब तक इस महा-घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।''

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने अदाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक 'ब्लॉगपोस्ट' में कहा, "सेबी ने अदाणी के मॉरीशस और विदेश स्थित इकाइयों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।" सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय स्थिति (विनिमय) एक खुली किताब की तरह है।

अदाणी समूह ने रविवार को कहा कि हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है तथा उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

कांग्रेस ने ट्विटर पर सेबी का 'एकाउंट' बंद किये जाने को लेकर भी सवाल खड़ा किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ट्विटर पर सेबी का एकाउंट 'बंद' है और यह आम लोगों के लिए सुलभ नहीं है। रमेश ने कहा, '' कुछ खबरों से पता चलता है कि हो सकता है कि यह कुछ समय के लिए बंद किया गया हो, लेकिन इस तरह की निरंतर अनुपलब्धता - ऐसे समय में जब इसके शीर्ष नेतृत्व द्वारा हितों के टकराव के सबूत सामने आए हैं - हैरान करने वाली है। मोदानी घोटाला कई महीनों से चल रहा है और सेबी की निष्क्रियता बार-बार निराशाजनक रही है।''उन्होंने कहा कि सवाल उठते हैं कि 'एकाउंट' क्यों बंद कर दिया गया। रमेश ने कहा, '' इस अस्पष्टता से यह सवाल उठता है कि क्या यह मंच चुपचाप उन पुराने परामर्शों/प्रेस विज्ञप्तियों को हटा रहा है, जो मोदानी घोटाले में संगठन/इसके नेतृत्व पर दोषारोपण कर रहे हों।''उन्होंने कहा कि यह मंच एक राष्ट्रीय संपत्ति है तथा प्राधिकारियों को उसतक आम लोगों की पहुंच बाधित नहीं करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, '' संकट के समय में आम लोगों को यह अनुपलब्धता परिपक्व, पेशेवर स्वतंत्र बाजार नियामक का संकेत नहीं है।

दिल्ली में क्रिकेट खेलते समय लड़के की करंट लगने से मौत

नयी दिल्ली, (भाषा) बाहरी दिल्ली के रनहोला इलाके में क्रिकेट खेलते समय बिजली के खंभे के संपर्क में आने से 13 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी) जिमी चिराम ने कहा, ''हमें शनिवार को दोपहर करीब एक बजकर 27 मिनट पर रनहोला पुलिस थाने में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बिजली का करंट लगने से एक लड़के की मौत की सूचना दी गई।''

उन्होंने बताया कि टीम को पता चला कि कोटला विहार फेज-2 में क्रिकेट खेल रहे इस लड़के की बिजली के खंभे के संपर्क में आने से करंट लगने की वजह से मौत हो गई।

इस लोहे के खंभे के जरिये एक गौशाला को बिजली आपूर्ति की गई है। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 (1) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

इस बीच, मृतक की मां अनीता देवी ने गौशाला और बिजली विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अनीता ने कहा, ''मेरा बेटा, जो सरकारी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र था, शनिवार को अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गया था। वह गेंद लेने के लिए गौशाला के पास गया। उसे वहां उस खंभे के संपर्क में आने पर करंट लग गया जिससे बिजली का तार गौशाला तक ले जाया गया है।''

उन्होंने कहा, ''बहुत से छोटे बच्चे क्रिकेट खेलने के लिए मैदान में जाते हैं और ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। जब मेरा बेटा मर रहा था, तब कोई भी उसे बचाने के लिए आगे नहीं आया।''

इस बीच, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लड़के की मौत पर दुख जताया है और मामले की जांच की मांग की।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की योजना बनाने के लिए सिसोदिया की अध्यक्षता में बैठक करेगी 'आप'

नयी दिल्ली, (भाषा) आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपनी योजना पर चर्चा करने के वास्ते रविवार शाम को एक बैठक करेगी।

पार्टी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता 'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया करेंगे जिन्हें शुक्रवार को जमानत पर जेल से रिहा किया गया। यह बैठक सिसोदिया के आवास पर होगी। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को कथित दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाले' से जुड़े भ्रष्टाचार तथा धन शोधन के मामलों में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गयी है। न्यायालय ने कहा था कि सिसोदिया 17 माह से हिरासत में हैं और अभी तक मामले की सुनवाई शुरू नहीं हुई है जिससे वह शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित हुए हैं।

डीयू स्नातक दाखिला 2024-25 : ईसीए कोटा के लिए 'ट्रायल' 12 अगस्त से

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने पाठ्येतर गतिविधियां (ईसीए) कोटा के माध्यम से 2024-2025 स्नातक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए शनिवार को 'ट्रायल' कार्यक्रम जारी किया।

जानकारी के अनुसार, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, हिंदी वाद-विवाद, भारतीय शास्त्रीय एवं सुगम संगीत और रंगमंच जैसी गतिविधियों के लिए 'ट्रायल' 12 अगस्त से शुरू होंगे।

खेल कोटा के अभ्यर्थियों के लिए 'ट्रायल' 20 अगस्त से शुरू होंगे और 22 अगस्त तक जारी रहेंगे।

ईसीए कोटे के माध्यम से प्रवेश पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने संबंधित परीक्षण केंद्रों पर जाकर अपना 'ट्रायल' देना होगा।

'ट्रायल' में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उनकी शैक्षणिक योग्यता में छूट दी जाएगी।

अभ्यर्थियों को 'ट्रायल' में शामिल होने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी देखनी होगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस वर्ष प्रत्येक कॉलेज में कुल सीट का पांच प्रतिशत ईसीए और खेल श्रेणियों के लिए आवंटित की है।

स्वचालित ट्रैक उपकरण से मिली चेतावनी से रेल दुर्घटना टली

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक स्वचालित ट्रैक उपकरण से मिली चेतावनी के कारण एक रेल दुर्घटना टल गई।

दरअसल सीमांचल एक्सप्रेस का एक डिब्बा जब ताप का पता लगाने वाले उपकरण के ऊपर से गुजरा तो उसने अधिकारियों को तकनीकि खामी के बारे में चेतावनी दे दी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चुनार स्टेशन पर लगे 'हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर' से चेतावनी भेजी गई। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया, ''जब ट्रेन (बिहार के जोगबनी से दिल्ली जा रही) शनिवार सुबह करीब 10 बजे स्टेशन पार कर रही थी तो स्लीपर कोच संख्या एस-3 के पहिये के एक्सल में बहुत अधिक तापमान पाया गया।'' उन्होंने कहा, ''ट्रेन को अगले स्टेशन जिगना पर रोका गया और यात्रियों को अन्य डिब्बों में ले जाने के बाद डिब्बे को ट्रेन से अलग कर दिया गया।''

घर में सो रहे बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या

नयी दिल्ली, (भाषा) दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जयपुर इलाके में शनिवार सुबह अपने घर के भूतल पर सो रहे 63 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई और उसके शरीर पर चाकू के कई घाव पाए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दया राम यादव मीठापुर स्थित अपने दो मंजिला मकान के भूतल पर अकेले सो रहे थे, जबकि उनके परिवार के अन्य सदस्य प्रथम तल पर सो रहे थे।

उनके छोटे बेटे सुनील यादव ने उन्हें खून से लथपथ देखा और परिवार के अन्य सदस्यों और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले परिवार के सदस्य उन्हें सरिता विहार स्थित अपोलो अस्पताल ले जा चुके थे और वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसे। अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि जब यादव ने लूटपाट का विरोध किया, तो उन्हें चाकू मार दिया गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि घर के भूतल पर रखी तिजोरी से कुछ नकदी और जेवर गायब हैं।

पुलिस ने बताया कि यादव ओखला में एक कारखाने में पर्यवेक्षक थे। पुलिस ने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पुलिस ने बताया कि हत्या और लूटपाट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

श्री वेंकटेश्वरा मे "एक कावड़ हिंदुत्व के नाम- एक कावड़ हिंदुस्तान के नाम" कावड़ यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। सावन के पवित्र मास में श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्याल में देश के विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा आयोजित विशाल कावड़ यात्रा ₹एक कावड़ हिंदुत्व के नाम- एक कावड़ हिंदुस्तान के नाम₹ का वेंकटेश्वरा परिसर पहुंचने पर जोरदार तरीके से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया, एवं वही दिल्ली एवं काशीपुर से आई शिव भक्तों की टोली ने जबरदस्त शिव तांडव करते हुए भगवान महाकाल की भस्म आरती की।अपने शुभकामना संदेश में समूह अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरि ने कहा कि देवों के देव महादेव भगवान आशुतोष का पवित्र श्रावण मास में की गई पूजा अर्चना का विशेष फल मिलता है, हम सब बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमें शिव भक्तों की सेवा का निरंतर अवसर प्रदान हो रहा है। इस श्रावण मास के पवित्र माह में हम भगवान आशुतोष से यही कामना करते हैं की विश्व में शांति हो, सद्भावना हो एवं विश्व में रहने वाले सभी प्राणियों का कल्याण हो, इसके साथ ही भारत एक बार फिर से दुनिया का सिरमौर बने, ऐसी हम प्रभु से कामना करते हैं।₹प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने कहा कि आज शिव भक्तों की सेवा कर एवं शिव भक्तों द्वारा प्रस्तुत भस्म आरती से विश्वविद्यालय का माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया है। हम वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से समस्त देशवासियों के लिए सुख शांति एवं आरोग्य की मनोकामना करते हैं, भगवान शिव की कृपा सभी पर बनी रहे ऐसी हमारी कामना है।₹इस अवसर पर प्रधान सलाहकारप्रो वी पीएस अरोड़ा, कुलपति प्रो कृष्णकांत दबे, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ पीयूष पांडे, डॉ राजेश सिंह, डॉ दिव्या गिरधर, डॉ योगेश्वर शर्मा, श्री एस एस बघेल, अरुण गोस्वामी मेरठ परिसर से निर्देशक डॉ प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, संजीव राय समेत हजारों की संख्या में शिव भक्त उपस्थित रहे।

धरने पर बैठे किसान की हार्ट अटैक से मौत आर्थिक मदद की मांग पर अड़े ग्रामीण

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। कूबी आंदोलन को लंबा समय हो चुका है। मध्य गंगा नहर के लिए अधिग्रहित हुई जमीन के चार गुना मुआवजे की मांग को लेकर रविवार को धरने पर बैठे किसान सुरेंद्र शर्मा (45) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। धरने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी थी। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिससे ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। बाद में ग्रामीण सुरेंद्र शर्मा के शव को लेकर धरना स्थल पर पहुंच गए।

सूचना पर तहसीलदार व एसडीएम भी पहुंचे। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। शाम चार बजे तक किसान शव के साथ ही धरना स्थल पर डटे हुए हैं। वह एडीएम को मौके पर बुलाने और आर्थिक मदद की मांग पर अड़े हैं। बता दें कि साल 2011 में रामपुर घना, मोहनपुर एवं घंसूरपुर तथा साल 2012 में गांव कूबी में मध्य गंगा नहर के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण की गई थी। जिसके बाद किसानों को सर्किल रेट के तहत चार गुना मुआवजा दिया जाना था। सरकार किसानों को 2011 के रेट के अनुसार मुआवजा दे रही है, जबकि किसान सर्किल रेट के चार गुने मुआवजे की मांग पर डटे हुए हैं। इसी मांग को लेकर किसान फरवरी माह से लगातार धरना दे रहे हैं। किसानों का कहना है कि जब तक उनको उचित मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक वह जमीन की खोदाई नहीं होने देंगे। वहीं मध्य गंगा नहर में पानी छोड़े जाने के बाद किसानों की बेचैनी बढ़ गई है। इस आंदोलन में पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएं भी लगातार शामिल हो रही हैं। किसानों का कहना है कि प्रशासन 2011 के तहत मात्र 50 हजार रुपये ही मुआवजा देना चाहता है। जोकि, उनके साथ सरासर धोखा है। वहीं जनप्रतिनिधियों ने भी ग्रामीणों की मांगे मुख्यमंत्री तक पहुंचाई, लेकिन ग्रामीणों को कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल सका है।

बता दें कि रविवार को धरने का 529 वां दिन था।कूबी आंदोनल को लेकर गत वर्ष महिलाएं भी मुखर हो गई थीं। उनकी ओर से भी लगातार अनशन जारी रखा गया। यही नहीं धरना स्थल पर नवरात्र, दशहरा, करवा चौथ, दिवाली, भैयादूज आदि त्योहार धरना स्थल पर ही मनाए थे।

संक्षिप्त खबरें

जमीन विवाद को लेकर 4 लोगों ने एक व्यक्ति के साथ की मारपीट

जमुई [झाझा] जमीन विवाद को लेकर चार लोगों ने मिलकर नन्दा बसेरा को मारपीट कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। जिसे परिजनों के मदद से इलाज हेतु झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने घायल मरीज का बेहतर इलाज किया। मामला झाझा थाना क्षेत्र के कठोतिया गांव की है। घायल ने बताया कि गांव के ही मटरू, नुनतार व दोनो की पत्नी मेरे घर आकर बोली की तुम जमीन को छोड़ दो मेरा जमीन है।जब इसका विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट कर मुझे घायल कर दिया। घायल के दौरा घटना की जानकारी झाझा थाने की पुलिस को दी गयी है जिसके बाद पुलिस आगे की कारवाई में जुटी है।

राष्ट्रीय पुत्र पुत्री दिवस पर पर्यावरण भारती द्वारा किया गया पौधारोपण

सोनो जमुई : पर्यावरण भारती के द्वारा रविवार को राष्ट्रीय पुत्र पुत्री दिवस पर फलदार पौधे लगाये गये । पर्यावरण भारती के संस्थापक राम बिलास शाण्डिल्य ने कहा कि सभी मानव प्रति दिन वृक्षारोपण करें । मानव के जीवन में प्रति दिन सुअवसर आता है , जैसे जन्म दिन , वर्षगांठ , पुण्य तिथि , व्रत ओर त्यौहार आदि के मौके पर पौधारोपण करना नहीं भूलें । पर्यावरण संरक्षण हेतु मानव का पुनीत कर्त्तव्य है वृक्षारोपण करना ।

पतसंडा वार्ड तेरह के मोहल्ले में जल जमाव की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संक्रमण की बनी हुई है स्थिति बीमार हो रहे लोग नही है कोई देखने वाला

- नाली अतिक्रमण करने को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन
- जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी मामले में बने हैं उदासीन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- सरकार ग्रामीण परिवेश को स्वच्छ एवं सुदृढ़ बनाने की कवायद में पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से पंचायत व वार्ड स्तर पर लाखों रुपये पानी की तरह खर्च हो रही है लेकिन इन दिनों सरकार के इतने कवायद के बाबजूद गिद्धौर प्रखंड के पतसंडा पंचायत का वार्ड तेरह स्वच्छ सुंदर एवं सुदृढ़ ग्रामीण व्यवस्था के परिवेश से काफी दूर है, जिसका ताजा उदाहरण गिद्धौर-झाझा मुख्य मार्ग के छतरपुर गांव में जाम नाले पे अतिक्रमण कर लिये जाने के कारण बरसात के पानी सड़क पे ही जमा रहने के कारण विकास कार्यों के अंदाजा यहां साफ लगाया जा सकता है, बताते चलें कि जाम नाले के वजह से वार्ड की गली मोहल्ले में सड़ांध के साथ सड़क पे जमा बरसात के गंदे पानी के संपर्क में आकर लोग यहां बीमार हो रहे हैं जिसकी सुधि लेने वाला कोई नही।वार्ड की गली में बीते कई दिनों से बरसात के गंदा पानी जमा रहने से वार्ड वासियों के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है व वार्ड के मोहल्ले में संक्रमण पैदा कर रहा है। लेकिन वार्ड वासियों के इस जटिल समस्या के निदान को लेकर न तो पंचायत के प्रतिनिधि ही गंभीरता दिखा रहें हैं और न ही वार्ड वासियों के इस जटिल समस्या से उन्हें निजात दिलाने के प्रति प्रखंड के पदाधिकारियों का इस ओर ध्यान है, लिहाजा इस वार्ड में जल निकासी की घोर समस्या के कारण वार्ड वासी परेशान हैं समस्या यह है कि गलियों में जमा गंदा पानी वार्ड वासियों के घरों में घुस जा रहा है जिससे उनका जीना मुहाल हो चुका है। कहते हैं वार्ड वासी इधर वार्ड 13 में जल निकासी से जुड़ी व्याप्त समस्या को लेकर युवा समाजसेवी विश्वनाथ यादव,मनोज यादव,सतनदेव यादव,पवन कुमार,राजकुमार शर्मा,राजेन्द्र यादव,भीम यादव,पंकज यादव,रमेश यादव,दशरथ यादव,ललीता देवी,गीता देवी,रंजू देवी,सविता देवी,यशोदा देवी,शंभू यादव आदि बताते हैं कि पंचायत के प्रतिनिधियों द्वारा हमारे मोहल्ले में जल निकासी से जुड़े इस समस्या के निदान हेतु ध्यान नही दिया जाता है तो हम वार्ड वासी समस्या के निदान हेतु मुख्यालय में धरना प्रदर्शन को बाध्य हो जाएंगे। कहते हैं वार्ड सदस्य वहीं इस संदर्भ में वार्ड सदस्य लक्ष्मण यादव से पूछे जाने पर उन्होंने कहा की मेरे द्वारा इस समस्या से पंचायत के मुखिया एवं प्रखंड के पदाधिकारियों को अवगत कराया गया है।जल्द ही इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा।

महिला महाविद्यालय में आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन ऐटक की हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] रविवार को महिला महाविद्यालय झाझा के प्रांगन में बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन ऐटक के बैनर तले एक आवश्यक बैठक आहूत की गई । जिसमें सेविका , साहिका ने मुख्य समस्याओं पर चर्चा की एवं निर्णय लिया गया कि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है जैसे गोद भराई , अन्नप्राशन , मोबाइल रिचार्ज , गैस भराई , सेविका , सहायिका का पोषण इन योजनाओं की राशि सरकार / विभाग द्वारा विगत वर्षों से नहीं दी जा रही है फिर भी सेविका कार्य करने को मजबूर है । विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल लगभग खराब हो चुका है सेविका अपने पुत्र , पति के मोबाइल से पोषण ट्रैकर पर काम करने को विवश है । नहीं करने पर चेयन मुक्ति का धमकी दी जाती है । मकान किराया वर्षों से नहीं दी जा रही है । जो सेविका अपने मानदेह से भुगतान कर रही है दिन प्रतिदिन सेविकाओं का कार्य सरकार द्वारा बढ़ाई जा रही है । लेकिन मानदेय पर सरकार के उदासीन रवैया बढ़ती जा रही है । जिससे सेविका भुखमरी की कगार पर पहुंच चुकी है । स्थानीय समस्याओं में कार्यालय द्वारा किसी भी प्रपत्र को जमा करने पर उसका रिसिविंग नहीं दी जाती है , जिससे सेविका द्वारा प्रपत्र जमा करने पर भी गुनेहगार होती है । सेविका पोषण ट्रैकर पर कीर्म करने पर भी प्रोत्साहन राशि देने में आनाकानी करते हैं , और एक अंडा योजना कागज पर सिमट कर रह गई है क्योंकि दो-तीन महीने से अंडे की राशि नहीं दी गई । बैठक में संजू कुमारी , सीमा कुमारी , रेखा कुमारी वर्मा , कुसुम देवी , साहीन प्रवीन , पार्वती कुमारी , संगीता देवी , पुष्पा कुमारी , विवाह कुमारी , कुमारी अनिता , सुषमा कुमारी सहित दर्जनों सेविक , साहिका मौजूद रही थें।

बांग्लादेश में जेहादी, कट्टरपंथी एवं आतंकवाद विचारधारा द्वारा हिन्दुओं पर अत्याचार किए जाने पर रोष प्रकट

हिन्दू स्वाभिमान जमुई ईकाई ने भारत सरकार से सुरक्षा की लगाई गुहार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई बाजार में बोधवन तालाब चौक निकट अवस्थित आशीर्वाद पैलेस में रविवार 11 अगस्त को हिन्दू स्वाभिमान जिला जमुई के पदाधिकारीयों की बैठक बुलाई गई। जिसकी अध्यक्षता नगर परिषद के उप मुख्य पार्षद नीतीश कुमार ने की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए हिन्दू स्वाभिमान के बिहार प्रान्त सह प्रमुख, जमुई चैम्बर ऑफ कॉमर्श के अध्यक्ष एवं जमुई नगर परिषद के उप मुख्य पार्षद नीतीश कुमार ने कहा की आज की बैठक बांग्लादेश में हिन्दू समाज के ऊपर होने वाले नरसंहार के लिए बुलाया गया हैं। बांग्लादेश में हमारे हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा हैं । मंदिरों को तोड़ा जा रहा हैं, मंदिरों में आग लगाई जा रही हैं।, हिन्दू माताओं बहनों का बलात्कार किया जा रहा हैं। जेहादी, कट्टरपंथी एवं आतंकवाद विचारधारा के मुस्लिम लोग हिन्दुओं को मार - काट रहें हैं। छोटे - छोटे बच्चों को भी ये कट्टरपंथी नहीं छोड़ रहें हैं। इतना ही नहीं मरने के बाद भी हिन्दू माँ बहनों के साथ बलात्कार किया जा रहा हैं। एक के साथ दर्जनों और सैकड़ों लोग बलात्कार कर रहें हैं। सोशल मिडिया के माध्यम से ऐसे ऐसे वीडियो प्राप्त हुए हैं की इन उन्मादी कट्टरपंथी लोगों की सोच और मानसिकता साफ स्पष्ट झलकती हैं की ये लोग हिन्दुओं के खून के इतने प्यासे हो चुके हैं की जल्लाद भी इनके सामने फैल हो चुके हैं। और यही स्थिति भारत में भी हो चुकी हैं। भारत के हिन्दुओं के पास मात्र 15 से 20 साल ही बचा हैं ।इसके बाद भारत के हिन्दुओं की भी यही दुर्गति होना तय हैं। क्यूंकि भारत में भी कट्टरपंथी मानसिकता वाले की संख्या दिन प्रतिदिन तिव्र गति से बढ़ती ही जा रही हैं और भारत का हिन्दू सो रहा हैं। आज जो बांग्लादेश में हो रहा हैं वह भारत के जम्मू कश्मीर में 1992 ई० में हो चूका हैं। वहाँ से पांच से सात लाख कश्मीरी हिन्दू पंडितों को अपना जमीन घर द्वार अपनी संपत्ति सब कुछ छोड़कर भागना पड़ा था। बांग्लादेश में ना ही कोई सरकार काम आई और ना ही प्रशासन काम आया।, ठीक उसी प्रकार से जम्मू कश्मीर में 1992 में हुए हिन्दुओं के नरसंहार में ना ही भारत सरकार काम आई थी और ना ही भारत के प्रशासन काम आये थे अब समय आ चूका हैं हिन्दुओं को अपनी सुरक्षा के प्रति स्वयं लड़ने के लिए सीखना होगा। बांग्लादेश के हिन्दू तो भारत भागकर आ जाएंगे परन्तु भारत का हिन्दू भागकर कहाँ जाएगा। आज की बैठक में सर्वम्मति से यह निर्णय लिया गया हैं की जिला के सभी प्रखंडों एवं पंचायत स्तर पर कट्टरपंथी, जेहादी और आतंकवादी मानसिकता का पुतला दहन करना हैं और इसका विरोध करना हैं। साथ ही भारत सरकार से बांग्लादेश के हिन्दुओं एवं मंदिरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करनी हैं। इस बैठक में हिन्दू स्वाभिमान के महिला संगठन आदिशक्ति की नगर प्रमुख सुनीता शर्मा, प्रखंड प्रमुख काजल शर्मा, जिला प्रमुख पूजा आर्य, खुसबू पाण्डेय, हिन्दू स्वाभिमान जिला संरक्षक आंनद सिंह,जमुई चैम्बर ऑफ कॉमर्श के उप सचिव नितेश केशरी, चंद्रकांत भगत, अधिवक्ता सुनील विश्वकर्मा, शांतनु कुशवाहा, बिट्टू मिश्रा, नीतीश मिश्रा, शेखर बरनवाल, महेंद्र बरनवाल, लाल जी, राजेश चंद्रवंशी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

श्री युवक प्रखंड पुस्तकालय के कमेटी का बैठक आयोजित, लिए गए कई निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। श्री युवक प्रखंड पुस्तकालय अलौली का बैठक पुस्तकालय के सभागार में किया गया जिसकी अध्यक्षता गजेंद्र हिमांशु ने किया तथा मंच संचालन पंच सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से पुस्तकालय परिसर के रोड साइड से स्टॉल निर्माण करने, शहर दिवाली निर्माण करने तथा पुस्तकालय समिति एवं सूचना विभाग पटना के निदेशक के पत्र के आलोक में पुस्तकालय संबंधित सभी प्रकार की अद्यतन प्रतिवेदन जिला शिक्षा पदाधिकारी को प्रेषित करने, पुस्तकालय में विभिन्न प्रकार का पुस्तक की व्यवस्था करने, 15 अगस्त को झंडोत्तोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अध्यक्ष रामचंद्र यादव, सचिव उदय शंकर दानवीर यादव हरिनंदन यादव दिनेश शाह लालमणि सदा ब्रजनंदन महतो, पंकज कुमार वार्ड सदस्य विभूति कुमार वार्ड सदस्य राहुल कुमार वार्ड सदस्य अशोक यादव पूर्व मुखिया शिवधारी ठाकुर शैलेंद्र कुमार सभापति प्रतिनिधि प्रदीप कुमार मेघौना मुखिया प्रतिनिधि आदित्य कुमार विजय यादव वीरेंद्र महतो नसीम जावेद अरविंद कुमार गिरीश कुमार जनार्दन यादव राजेश मंडल दिनेश पेंटर हीरा कुमार आदि ने भाग लिया। बैठक में तीन वार्ड सदस्य के सौजन्य से तीन सीलिंग फैन पुस्तकालय भवन में लगाया गया।

जल संकट दूर करने के लिए वर्षा जल संचयन जरूरी

वर्षा जल को सहेजे आने वाले समय में जलस्तर को बेहतर बनाए रखेगा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। वर्तमान समय मे मानसून आने पर बेकार बहते पानी के संचयन के बारे में कोई सोचता नही है और इस समस्या को नजरअंदाज करते जा रहे है नतीजा यह होता है कि आगामी गर्मी वाले मौसम में हमे जल समस्या की भयावह स्तिथि से अवगत होना पड़ेगा। इसी को देखते हुए साईकिल यात्रा एक विचार मंच के युवाओं का समूह द्वारा जमुई के नगर परिषद के शीतला कॉलोनी मुहल्ला में जल संचयन को लेकर जागरूकता अभियान चलाई गई । इस अवसर पर साइकिल यात्रियों द्वारा नगर परिषद में कई कोचिंग सेंटर के परिसर में 30 पौधा रोपण किया गया। सदस्य शैलश भारद्वाज एवं कोचिंग संचालक बमबम कुमार द्वारा बताया गया कि देश की घनी आबादी वाले क्षेत्रो में लोगों को पानी की भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।लोग आधुनिक एवं आरामदायक जिंदगी जीने के लिए कुआँ और चापाकल को छोड़कर मोटर द्वारा पानी जरूरत से ज्यादा निकाल के उपयोग कम और बेकार ज्यादा करते है। गर्मी के मौसम में भागते जलस्तर को भूल कर हम परेशान होते, पर इस मानसून में जल के संचयन के बारे में नही सोचते हैं। यदि नगर के हर घर के छत परिसर की बची पानी का संचयन पास के गड्ढे तलाब नदी या नहर की ओर कर दे तो पानी जैसी समस्या से उभरा जा सकता हैं, इसके लिए सोख्ता भी लाभदायक होता है इसके साथ इस मानसून में पौधा रोपण करना भी प्रकृति संरक्षण के साथ साथ जल संचयन के लिए मददगार साबित होता हैं। मंच के सदस्य राहुल राठौर ने बताया कि एक रिपोर्ट के मुताबित देश के 75 फीसदी मकानों में पानी की सप्लाई नहीं है। चेतावनी के तौर पर यह भी कहा जा रहा है कि देश में 2030 तक पानी की किल्लत और भी ज्यादा विकराल रूप धारण कर सकती है। इसी के बचाव के लिए हमें जल संचयन और पौधा रोपण करना चाहिए।

इस अवसर पर मंच के गोलू कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, सीपू सिंह परिहार, हैप्पी आनंद भारद्वाज, शैलेश भारद्वाज, लड्डू मिश्रा, विवेक कुमार, मन्नू कुमार, राज पांडे, रोशन कुमार, अमन सिंह चंदेल, सूरज कुमार, राजीव रंजन, राहुल राठौर, सहित कई छात्र उपस्थित हुए।

घरेलू बात को लेकर महिला ने खाई कीटनाशक दवा, महिला की स्तिथि बिगड़ी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] घरेलू विवाद को लेकर एक महिला ने कीटनाशक दवा खा ली इसके बाद महिला की स्थिति बिगड़ गई। स्थिति बिगड़ देखा स्थानीय लोगों ने आनन फानन में इलाज हेतु झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ सादाब अहमद ने प्राथमिक उपचार करते हुए महिला की स्थिति नाजुक देख उसे बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। महिला की पहचान थाना क्षेत्र के कर्मा बोड़वा निवासी मेरी हासदा के रूप में की गई है। महिला ने बताई की मेरे पति बीएसएफ जवान है जो जम्मू कश्मीर में पोस्टेड है। पति हमेशा फोन पर झगड़ा करते हैं और कोई भी सामग्री खरीदने को लेकर पैसा भी नहीं देते हैं व मारपीट भी किया करते है।बीते सात साल से पति से विवाद हो रहा है।रविवार को हम अपने घर से अपनी बहन के यहां झाझा आए व अपनी बहन के घर पहुचते ही सासु माँ को बता दिया की बहन के यहां हु रविवार को आएंगे यह कहकर रात भर रह गए और रविवार सुबह उठकर जब अपने घर गए तो सास मेरे साथ गाली गलौज करने लगे गाली गलौज सुनकर में तंग आगयी जिसके बाद थक हार कर दवा खा ली।फिलहाल महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

संत तुलसीदास हिंदी साहित्याकाश के सुधांशु थे: प्रो. गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-तुलसी जयंती के अवसर पर नगर परिषद स्थित आनंद विहार कॉलोनी सिरचंद नवादा में देर शाम तुलसी दास का व्यक्तित्व और कृतित्व विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. कैलाश पंडित ने की। मौके पर मुख्य अतिथि के बतौर बोलते हुए डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि संत शिरोमणि तुलसीदास हिंदी साहित्याकाश के सुधांशु थे। हिंदी साहित्य में दो सर्वोपरि कवि थे - सूरदास और तुलसीदास। इन्हें हिंदी साहित्याकाश के सूर्य और चंद्र कहा जाता है। हिंदू संस्कृति और समाज पर तुलसी का जितना प्रभाव है, उतना किसी भी चिंतक, दार्शनिक, राजनेता और समाज सुधारक का भी नहीं है। तुलसी जैसी लोकप्रियता न तो बुद्ध को प्राप्त हुई और नहीं तो शंकराचार्य को ही। प्रो.पासवान ने कहा कि तुलसीकृत महाकाव्य रामचरित मानस समन्वय की साधना है। मानस मातृ- पितृ भक्ति का संदेश है, तो भ्रातृत्व प्रेम की झांकी भी है। यह भक्तों के लिए भवसिंधु तारक महाकाव्य जैसा है। मानस गुणों की खान है। इसका बखान संभव नहीं है। यह हिंदुओं का बाइबिल और सर्वहारा की गीता है। जनमानस का मुकुट और सुख - दुख का सहचर है। इसमें वेदों की विभा ,शास्त्रों की सुधा और पुराणों की प्राण धारा प्रवाहित है। रामचरितमानस,हनुमान चालीसा, विनय पत्रिका, दोहावली और कवितावलीइनकी प्रमुख हैं। उनका योगदान भारतीय समाज और हिंदू धर्म में अमूल्य है। अपने अध्यक्षीय प्रबोधन में प्रो कैलाश पंडित ने कहा कि तुलसीदास हिंदुस्तान के एक महान संत और कवि थे। उनका जन्म श्रावण मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था। हिंदी साहित्य और संस्कृति में उनका नाम अद्वितीय स्थान है। तुलसीदास के आदर्शों और शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि हम भी एक नैतिक एवं सांस्कृतिक समाज के निर्माण में योगदान दे सके। डॉ प्रो देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि तुलसीदास भारत के अनमोल रत्न हैं।

अपने श्रेष्ठ कृतित्व एवं उदार व्यक्तित्व के कारण वे अपने जीवन काल में ही लोक में सम्माननीय एवं आदरणीय बन गए। इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने तुलसी को अकबर महान से भी महान व्यक्तित्व सिद्ध किया है। संसार में प्रसिद्ध रचनाओं की दो कोटिया हैं- पहले में वेद, पुराण और बाइबल जैसे धार्मिक ग्रंथ आते हैं, तो दूसरी कोटि में इलियट और ओडिसी डिवाइन कॉमेडी,पैराडाइज ,अभिज्ञान शाकुंतलम, गीतांजलि जैसी रचनाएं आती हैं। लेकिन रामचरितमानस में इन दोनों कोटियों का आश्चर्यजनक समन्वय हुआ है। यही कारण है की रामचरितमानस आज भी आस्तिकों का मनोमुकुट है, तो साहित्यको का कंठहार । वरिष्ठ शिक्षक सह प्रधानाध्यापक श्री दिनेश मंडल ने कहा कि तुलसीदास कवियों में श्रेष्ठ कवि थे।उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मजार्दाएं और मान्यताएं स्थापित की हैं। साहित्य, समाज, दर्शन, भक्ति और धर्म आदि प्रत्येक क्षेत्र में समन्वय स्थापित करने की कोशिश की है ।आज की पीढ़ी तुलसीदास को उनकी कुछ चौपाइयों को शूद्र और नारी विरोधी बताया है। इन्हें वाल्मीकि जी का अवतार माना जाता है। चार वेद छे वेदांग और ज्योतिषी आदि का तुलसीदास ने अध्ययन किया है। हाल के दिनों में रामचरितमानस जैसे महाकाव्य विवाद का केंद्र बन गया है। जो भी हो तुलसीदास जी रामचरितमानस और हनुमान चालीसा की रचना कर अमर हो गए। हमें उनकी ग्रंथों से शिक्षा और ज्ञान लेना चाहिए। मौके पर प्रो सत्यार्थ प्रकाश, प्रो सरदार राम, डॉ अनिंदो सुंदर पोले, डॉ यूएन घोष, डॉ अजीत कुमार भारती तथा रवीश कुमार, सुशील कुमार आदि ने तुलसीदास को हिंदी साहित्य का महान कवि बताया और रामचरित मानस को देश और समाज का धरोहर करार दिया।

तैयारी- दोपहर 1.30 बजे शुभ मुहूर्त, बाजारों में रक्षाबंधन को लेकर चहल-पहल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- रक्षाबंधन भाई-बहनों के अटूट संबंध का त्योहार माना जाता है। इस त्यौहार में बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर अपना स्नेह बरसाती है। भाई-बहन का यह त्यौहार हर साल सावन माह के पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई के कलाई पर राखी बांधकर उनकी रक्षा का वचन लेती है, साथ ही भाई अपनी बहनों की रक्षा और जीवन भर साथ देने का वचन देते हैं। रक्षाबंधन सिर्फ एक त्यौहार मात्रा नहीं है,यह भाइयों और बहनों के बीच के संबंध को मजबूत करने का एक बहुत खूबसूरत जरिया भी है। यह त्योहार केवल भाई-बहन के बीच का ही नहीं बल्कि रिश्तेदारों, दोस्तों और समाज के लोगों के बीच भी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। इस साल यह त्यौहार 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन लोग एक- दूसरे को राखी बांधकर और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं। रक्षाबंधन का त्यौहार हमें सिखाता है कि हमें हमेशा अपने भाई-बहनों और परिवार के लोगों की रक्षा करनी चाहिए। रक्षाबंधन को लेकर पंडित सच्चिदानंद मिश्रा व दीपू पांडे ने बताया कि इस साल रक्षाबंधन के दिन भद्रा सुबह 5 बजकर 53 मिनट से प्रारंभ हो जाएगी,जो दोपहर 1 बजकर 32 मिनट पर समाप्त होगी। पंचांग के अनुसार इस साल राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 19 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से लेकर रात्रि 9:07 तक रहेगा। इस मुहूर्त में आप भाई को राखी बांध सकती है। राखी बांधने का सही विधि भाई के कलाई पर रखी हमेशा सही विधि से बांधनी चाहिए। इस दौरान सबसे पहले भाई को रोली,अक्षत का टीका लगाए। फिर भाई के दाहिने कलाई पर राखी बांधे।इसके बाद उसे मिठाई खिलाएं। फिर भाई की आरती उतारे और उसके सुखी जीवन की कामना करें।वही राखी बांधने के बाद भाई को अपनी बहनों के चरण स्पर्श करने चाहिए।

बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरोध में एबीवीपी द्वारा निकलेगा आक्रोश मार्च, इसको लेकर की गई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] चैती दुर्गा मंदिर झाझा के प्रांगण में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वाधान में आमसभा बुलाई गई जिसमें मुख्य रूप से बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरोध में झाझा नगर क्षेत्र में एक आक्रोश मार्च निकाली जानी तय की गई है। ज्ञात हो कि बांग्लादेश में बीते सप्ताह प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ था। इसके बाद शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा था। वहां तख्ता पलट हो गया है लेकिन हिंदुओं पर लगातार अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं मंदिरों को आंदोलनकारियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार अगस्त से शुरू हुए हिंसक आंदोलन में हिंदुओं पर लगातार हमले हुए हैं। चार, पांच और छह अगस्त को देश के 64 जिलों में से 52 में रहने वाले हिंदुओं पर हमले हुए। इन हमलों में 205 स्थानों पर हिंदुओं की संपत्तियों और मंदिरों को निशाना बनाया गया तथा जारी है।

मौके पर उपस्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दक्षिण बिहार एसएफडी सह संयोजक सूरज बरनवाल ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं की हत्याएं हो रही हैं, मंदिर तोड़े जा रहे हैं यह घटनाएं काफी चिंता बढ़ा रही है।हम सभी ऐसे कुकृत्य की कड़ी शब्दों में भर्त्सना करते हैं। भारत सरकार को इस तरफ प्रबल हस्तक्षेप करना चाहिए,ताकि हिंदुओं की सुरक्षा की जा सके। रोहित कश्यप, अखिलेश्वर प्रसाद, गौतम जी, सुमन आर्य, सीताराम आर्य आदि ने कहा कि बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रहे बर्बरतापूर्ण व्यवहार एवं अत्याचार तथा सरकार से उन हिंदुओं की सुरक्षा हेतु स्थानीय वैष्णवी दुर्गा मंदिर चौक झाझा से मंगलवार को प्रातः 09 बजे एक विशाल आक्रोश मार्च निकाला जाना तय हुआ है। सभी सनातनियों से आग्रह है कि इस विशाल आक्रोश मार्च में सम्मिलित होकर बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा की आवाज को और तेज करने में अपनी महती भूमिका निभाएं। मौके पर संजय साव, जीवन प्रकाश माथुरी, सीताराम आर्य, अमन कुमार, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार, श्रवण बरनवाल, पिंटू बरनवाल, अशोक कुमार, प्रिंस राज, पुरुषोत्तम कुमार, बजरंगी साव, अभय प्रकाश, विकास कुमार, शनिदेव कुमार, शशि कुमार, आशीष कुमार, संजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

फरार वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा) परमानंदपुर थाना के पुलिस ने भतरंधा परमानपुर पंचायत के बिशनपुर वार्ड नंबर 9 निवासी श्याम रजक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वही जानकारी के अनुसार पता चला कि श्याम रजक एक्साइज मध निषेध उत्पाद के मामले में फरार चल रहा था।

जिसके विरुद्ध में कोर्ट के द्वारा गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था। जिसके कारण पुलिस को गिरफ्तार करना बड़ी चुनौती हो गई थी। वहीं थाना अध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि एक्साइज मध निषेध उत्पाद के मामले में फरार चल रहे वारंटी श्याम रजक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है उनके विरुद्ध कोर्ट के द्वारा गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था।

कुख्यात प्रमोद यादव गिरोह का सक्रिय सदस्य जयचंद गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज अनुमंडल पुलिस ने एक और शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश कुख्यात प्रमोद यादव गिरोह का का सक्रिय सदस्य हैं। एसटीएफ के हाथों मारे जाने के बाद प्रमोद यादव का साथी जयचंद ने अपना अलग गिरोह बना लिया था। वह अलग गिरोह बनाने के बाद लूट, रंगदारी जैसे अन्य अपराध की घटना को अंजाम दिया करता था। इस अपराधी के खिलाफ अपराध की घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है। इस अपराधी की तूती मधेपुरा के अलावा पूर्णियां और सहरसा जिले के विभिन्न थानों में बोलती थी। इस, अपराधी की गिरफ्तारी से पुलिस के साथ आमजन चेन की सांस ले सकेंगे। मालूम हो कि पूर्णिया ,कटिहार, मधेपुरा जिला के कुख्यात फरार एवं सक्रिय अपराधी प्रमोद यादव पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। विगत दिनों में गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

प्रमोद यादव गिरोह के सक्रिय सदस्य एवं कई वर्षों से फरार कुख्यात अपराधी जयचंद यादव पिता नरेशचंद यादव गांव पकिलपार थाना बिहारीगंज जिला मधेपुरा पिछले कुछ दिना से एक अलग गिरोह बनाकर पूर्णिया मधेपुरा जिला में लूट रंगदारी, मारपीट की घटना को अंजाम दे रहे थे। इस गिरोह के विरूद्ध गिरफ्तारी एवं छापामारी हेतु पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदाकिशुनगंज के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। जिसमें जिला पुलिस एवं एसटीएफ को शामिल किया गया। दिनांक 10 अगस्त 2024 का गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी दल के द्वारा कुख्यात फिरार अपराधी जयचंद यादव अवैध आग्नेयास्त्र एवं कारतुस के साथ गिरफ्तार किया गया।

सम्पादकीय

बदलती जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित हों युवा

सुरेश सेठ

दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती-किसानी के तरीके भी बदलेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार अगले दस सालों में कामकाज के घंटों और नौकरी करने के तौर-तरीकों में परिवर्तन आएगा। एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों-कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे। इसका असर डिजिटल और इंटरनेट की दुनिया में अभी से दिखने लगा है। आईटी एक्सपर्ट वर्क फ्रॉम होम करते हुए एक साथ कई कंपनियों का काम संभाल रहे हैं। पिछले दिनों एक प्रस्ताव सामने आया था कि काम के घंटे 10 से 14 कर दिए जाएं, क्योंकि आईटी क्रांति का सामना इसी तरह से किया जा सकेगा। बहरहाल, कामकाजी दुनिया की हकीकत बदल रही है। हाल के बजट में वित्तमंत्री ने भी जिन पांच क्षेत्रों में नौकरी की व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया है, उसमें कृत्रिम मेधा और रोबोट्स की दुनिया के प्रयोग को नकारा नहीं है। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति-संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है? इसके साथ ही वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें।

देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, ऐसे बेरोजगार भी हैं जो पारंपरिक तरीके से अपनी पैतृक खेतीबाड़ी के धंधे में लगे रहते हैं, लेकिन देश की निवल आय में उनका कोई योगदान नहीं है। इस अनुपयोगी युवा शक्ति का इस्तेमाल किसी ऐसे वैकल्पिक धंधे में होना चाहिए जो उन्हें ग्रामीण स्तर पर ही वहीं काम उपलब्ध करवा दे। लघु और कुटीर उद्योगों का विकास और फसलों को पूर्ण रूप से तैयार करके सीधे मंडी में बेचना भी एक समाधान हो सकता है। बजटीय घोषणाओं में अगले वर्ष अखिल भारतीय सहकारी अभियान चलाने का वादा है। इसके अंतर्गत इन सभी लोगों को काम मिलेगा। लघु-कुटीर उद्योगों की बातें तो होती हैं लेकिन लाल डोरा क्षेत्र में भी ग्रामीण युवा शक्ति के स्थान पर शहरी निवेशक ही प्रवेश करता नजर आता है।

निस्संदेह, जब निजी क्षेत्र का विकास होगा और नये कारखाने खुलेंगे या फसलों पर आधारित छोटे उद्योग बढ़ेंगे, तो लोगों को स्वाभाविक रूप से रोजगार मिल जाएगा। सरकार द्वारा नौकरियां देने की क्षमता बहुत कम है। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का प्रतिशत 30 से अधिक नहीं रहा है। आर्थिक प्रोत्साहन और नए निवेश के बावजूद देश अधिक से अधिक हर साल 70 लाख नौकरियां ही प्रदान कर पाएगा, जबकि देश के युवाओं को हर वर्ष कम से कम एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता पड़ेगी। क्या निजी क्षेत्र, सरकार के सभी प्रोत्साहनों, सब्सिडियों, मुद्रा योजनाओं और लोन क्षमता बढ़ाने के बावजूद इस कसौटी पर पूरा उतर सकेगा? बेशक, इस बार के बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख प्रति इकाई कर दी गई है। नया प्रशिक्षण प्राप्त करने की इंटर्नशिप पर सब्सिडी भी दी जा रही है। लेकिन क्या इतना काफी है? देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों को अभी भी उचित महत्व नहीं दिया जा रहा। शिक्षा बजट में केवल सवा लाख करोड़ रुपये और सेहत पर केवल 89 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। यह युवा शक्ति को स्वस्थ-शिक्षित नागरिक बनाने हेतु काफी नहीं है।

वो शम्मा क्या बुझे जिसे रोशन खुदा करे

तनवीर जाफ़री

पेरिस ओलम्पिक खेलों में जिसे स्वर्ण पदक की सबसे बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा था वह महिला पहलवान विनेश फोगाट 100 ग्राम के मामूली वज़न को लेकर सेमीफ़ाइनल जीतने के बावजूद न केवल फ़ाइनल खेलने के लिये अयोग्य घोषित कर दी गयी बल्कि उसे सेमीफ़ाइनल जीत के पदक से भी महरूम रखा गया। हरियाणा के चरखी दादरी ज़िले की विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान का गौरव हासिल है। वे वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर विनेश टोक्यो ओलंपिक जीतने वाली भी पहली भारतीय महिला पहलवान हैं। परन्तु इस जुझारू महिला पहलवान के साथ पेरिस में जो हुआ उसे देखकर पूरा देश स्तब्ध व दुखी है। विनेश फोगाट पेरिस में महिला कुश्ती के फ़ाइनल में पहुंच चुकी थीं। देश उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद लगाये बैठा था। परन्तु पेरिस ओलंपिक में फ़ाइनल खेलने से पहले ही मात्र 100 ग्राम भार अधिक होने की कारण उन्हें फ़ाइनल खेलने के अयोग्य घोषित कर दिया गया। साथ ही उनको सिल्वर मेडल से भी वंचित रखा गया।

बहरहाल विनेश उन छः जुझारू महिला पहलवानों में एक प्रमुख थी जिसने भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। पिछले दिनों दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने तो बृजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ यौन उत्पीड़न के आरोप तय भी कर दिये। यही वह विनेश फ़ोगाट थी जिसे बृजभूषण शरण सिंह के यौन उत्पीड़न की शिकार उसकी साथी महिला पहलवानों के साथ दिल्ली में धरने से बलपूर्वक जबरन उठाया गया था और पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया गया था। यही विनेश फोगाट थी जो अपनी सरकार के पक्षपात व व्यवस्था से दुखी होकर अपने साथी पहलवानों के साथ अपने विश्वस्तरीय मैडल गंगा में प्रवाहित करने हरिद्वार पहुँच गयी थी जिसे अंतिम समय में कई किसान नेताओं ने समझा बुझाकर रोका था। देश यह भी कभी नहीं भूलेगा कि जब देश का गौरव बढ़ाने वाली यह बेटियां दिल्ली की सड़कों पर अपने लिये न्याय की गुहार लगा रही थी उस समय किस तरह एक बाहुबली सांसद के प्रभाव में आकर सत्ता व सत्ता का चाटुकार मीडिया कैसे कैसे अफ़साने गढ़ रहा था। जिस बृज भूषण के विरुद्ध अदालत यौन शोषण के आरोप तय कर चुकी है, सार्वजनिक सभाओं में वही बाहुबली देश की इन बेटियों की तुलना कैकेई और मंथरा से करता फिर रहा था और उसी दौरान शक्ति प्रदर्शन कर अपनी बेगुनाही का सबूत देना चाह रहा था। देश वह दिन कैसे भूल सकता है जब 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री देश की नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन कर रहे थे उसी दिन यौन शोषण का शिकार इन्हीं पदक विजेता लड़कियों को पुलिस सड़कों पर घसीट रही थी ताकि वे रोष व्यक्त करने संसद भवन तक न जाने पायें? सत्ता के चाटुकार इन्हें धरना जीवी बता रहे थे? स्वयं दुष्प्रचारित लोगों द्वारा ही इन होनहार पदक विजेताओं के चरित्र पर सवाल उठाये जा रहे थे? उन्हें धमकियां तक दी जा रही थीं?

सत्ता के चाटुकार, भ्रष्ट व ख़ुशामद परस्त पत्रकारों ने भी उसी समय सत्ताधारी बाहुबली सांसद का साथ देते हुये इन आदर्श नारियों का जमकर अपमान किया व उन्हें अपने मीडिया तंत्र के माध्यम से बदनाम करने में कोई कसर उठा नहीं रखी। कोई इन लड़कियों को 'फुंके हुए कारतूस' बता रहा था तो कोई गोदी ऐंकर यह कह रहा था कि अब तो इनकी कुश्ती ख़त्म हो जाएगी। एक चरण चुम्बक ऐंकर तो पूरा हिसाब किताब लगाकर बता रहा था कि 'विनेश फोगाट पर 2 करोड़ 16 लाख रुपए खर्च हुए। साथ ही यह प्रश्न भी वे रहा था कि 'टैक्स से आता है पैसा', यह पब्लिक का पैसा है'। मशहूर तिहाड़ी ऐंकर तो यहाँ तक कहते सुना गया कि 'खिलाड़ी इनाम में प्राप्त धनराशि को वापस लौटा कर अपना विरोध जता सकते हैं'। ऐसी और इससे भी अपमानजनक बातें देश की आन बान और शान समझी जाने वाली इन महिला पहलवानों के लिये दलाल, रिश्वतखोर, भ्रष्ट व बेज़मीर स्वयंभू पत्रकारों द्वारा की गयी थीं। आख़िरकार सत्ता से टकराने व इतना ज़बरदस्त तनाव झेलने के बावजूद विनेश फोगाट ने ओलंपिक चैंपियन को व दो अन्य विश्वस्तरीय पहलवानों को रेसलिंग में शिकस्त देकर पूरे विश्व को अपना लोहा मनवा ही दिया। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विनेश के लिए सोशल मीडिया एक्स पर एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने लिखा कि - 'विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं! आप भारत का गौरव हैं और हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज की असफलता दुख देती है। काश मैं शब्दों में उस निराशा को व्यक्त कर पाता जो मैं अनुभव कर रहा हूं। साथ ही, मैं जानता हूं कि आप दृढ़ता की प्रतिमूर्ति हैं। 'चुनौतियों का सामना करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। और मज़बूत होकर वापस आओ! हम सब आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।' आज पूरा देश विनेश फोगाट के साथ पेरिस ओलंपिक में हुए घटनाक्रम को लेकर ग़मज़दा है। निःसंदेह विनेश ने पेरिस ओलंपिक में अपनी सफ़लता का परचम लहराकर उन लोगों के मुंह पर एक करारा तमांचा जड़ दिया है जो उनके संघर्ष का मज़ाक़ उड़ाते हुये दुश्चरित्र सत्ता धीशों के साथ खड़े थे।

कैसे देश जीतेगा जंग नशे के खिलाफ

दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को। नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई-सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है।

आर.के. सिन्हा
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं।

नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार-विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं।

राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, ''भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है।'' जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटी के साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे-, ''सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रूकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है।''

आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह-अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएँ के छल्ले उड़ाना और महँगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वर्ना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

पिछले पांच वर्षों में भारत में अप्राकृतिक कारणों से 528 हाथियों की हुई मौत

संजय कुमार

12 अगस्त को 'विश्व हाथी दिवस'

हर साल 12 अगस्त को 'विश्व हाथी दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में हाथियों के महत्त्व को स्वीकार करना है और उसका संरक्षण करना है। 'विश्व हाथी दिवस' हाथियों के द्वारा दैनिक जीवन में सामना करने वाले खतरों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर बल देता है। हाथियों के अवैध शिकार, पालतू हाथियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उनके अधिवास को क्षति पहुँचाने जैसे कारकों को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मामला सिर्फ हाथियों के संरक्षण तक का नहीं है, बल्कि इनके संरक्षण की पहल से इन्सान को भी संरक्षण मिलेगा। विभिन्न कारणों से हाथियों की मौत तो होती रहती है, साथ ही हाथियों से इंसानी मौत की खबर भी आती रहती है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की रिपोर्टों और पिछले दिनों संसद उठे सवाल को देखें तो पिछले पांच वर्ष (2019-2024) में हाथियों के कारण कुल 2899 मानव दुर्घटनाएं हुई, तो वहीँ पिछले पांच वर्षों में भारत में अप्राकृतिक कारणों से 528 हाथियों की मौत हुई है, जिनमें अवैध शिकार, जहर, बिजली का झटका और ट्रेन दुर्घटनाएं शामिल हैं। पिछले पांच वर्ष (2019-2024) में ट्रेन दुर्घटनाओं में 73, बिजली के झटके से 392, अवैध शिकार में 50 और जहर के कारण 13 हाथियों की मौत हुई है। हाथियों की मौत और हाथियों के कारण मानवीय मौत को कम करने की जारी पहल के बीच दोनों को बचाने की कोशिश चल रही है। बात भारत में हाथियों की जनसंख्या की तो, वर्ष 2007 में 27669-27719, 2012 में 29391-30711 और 2017 में 29964 तक पहुंची है। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड के अनुसार करीब 100 वर्ष पूर्व तक सिर्फ अफ्रीका में ही 1 करोड़ से ज्यादा हाथी थे। 1979-80 तक अफ्रीका में इनकी संख्या 20 लाख तक रह गई थी। अगले दस वर्षों में, 1990 तक मात्र 6 लाख हाथी अफ्रीका में बचे थे। 1977 से 1990 की छोटी अवधि में ही पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र के लगभग 75% हाथी समाप्त कर दिये गये थे। 1987 के बाद अफ्रीका में इनका अवैध शिकार बेतहाशा बढ़ गया और 1987 से अब तक अफ्रीका सवाना हाथियों की संख्या में 80% व अफ्रीकी जंगली हाथियों की संख्या में करीब 45% की गिरावट आयी है। सिर्फ 2002 से 2011 के मध्य ही अफ्रीकी हाथी 62% तक कम हो गये तथा उनके प्राकृतिक आवासीय क्षेत्रों में 30% की कमी आई। 2016 तक पूरे अफ्रीका में हाथियों की कुल संख्या 4 लाख से कुछ ही अधिक थी। हाल के वर्षों में अफ्रीका में करीब 15000 हाथी प्रति वर्ष हाथीदाँत के लिये मारे जा रहे हैं।एशियाई हाथियों की स्थिति भी अधिक बेहतर नहीं है। 1980 से अब तक इनके प्राकृतिक निवास क्षेत्र में 50% से अधिक की कमी आई है। 1980 तक एशिया में करीब 93 लाख हाथी थे, जो अब सिर्फ 45 हज़ार से 50 हज़ार तक सीमित रह गये हैं। इनमें से भी लगभग 60% भारत व नेपाल में हैं, शेष श्रीलंका, थाइलैंड, म्यांमार आदि देशों में थोड़ी-थोड़ी संख्या में हैं। इंडोनेशिया के सुमात्रा में ये अपना प्राकृतिक आवासीय क्षेत्र 70% तक खो चुके हैं और आईयूसीएन ने वहाँ इन्हें 'अत्यधिक संकटापन्न श्रेणी में शामिल किया है। वर्तमान में भारत में हाथियों की कुल तादाद लगभग 27 हज़ार से 30 हज़ार के बीच है।पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय भारत सरकार ने हाथियों और उनके आवास के संरक्षण के लिए यों तो कई उपाय किए हैं। मसलन, हाथियों, उनके आवासों और गलियारों के संरक्षण, मानव-हाथी संघर्ष के मुद्दों के समाधान और देश में बंदी हाथियों के कल्याण के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना 'प्रोजेक्ट टाइगर एंड एलीफेंट' के तहत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। मंत्रालय द्वारा लागू की जा रही वन्यजीव आवास के एकीकृत विकास सहित केन्द्र द्वारा प्रायोजित अन्य विभिन्न योजनाएं जल स्रोतों को बढ़ाकर, चारे वाले पेड़ लगाकर, बांस के पुनर्जनन आदि के माध्यम से हाथियों के प्राकृतिक आवास में सुधार करने में योगदान दे रही हैं।मानव-हाथी संघर्ष भी एक गंभीर मुद्दा है। मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिए मंत्रालय की ओर से फरवरी, 2021 में

एक एडवाइजरी भी जारी की गई है। यह एडवाइजरीं समन्वित अंतर-विभागीय कार्रवाई, संघर्ष वाले हॉटस्पॉट की पहचान, मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन, त्वरित प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना, अनुग्रह राहत की मात्रा की समीक्षा के लिए राज्य और जिला स्तरीय समितियों का गठन, शीघ्र भुगतान के लिए मार्गदर्शन/दिशा निर्देश जारी करना और व्यक्तियों की मृत्यु और घायल होने की स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों को 24 घंटे के भीतर अनुग्रह राहत पहुँचाना शामिल है। मंत्रालय ने 3 जून, 2022 को फसलों को होने वाली हानि सहित मानव-वन्यजीव संघर्षों के प्रबंधन पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें वन सीमांत क्षेत्रों में ऐसी फसलों को बढ़ावा देना शामिल है जो जंगली जानवरों के लिए अरुचिकर हों। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्य वन विभागों के साथ समन्वय करके भारत में 15 हाथी क्षेत्र वाले राज्यों, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मेघालय, नगालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 150 हाथी गलियारों का स्थलीय मान्यता दी है और हाथी गलियारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए सूचित किया है। इसके अलावा, हाथियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने और संघर्ष को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हाथी आवासों को 'हाथी रिजर्व' के रूप में अधिसूचित किया गया है। अब तक 14 प्रमुख हाथी राज्यों में 33 हाथी रिजर्व स्थापित किए जा चुके हैं। ये हाथी रिजर्व टाइगर रिजर्व, वन्यजीव अभयारण्यों और आरक्षित वनों के साथ ओवरलैप करते हैं। वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में मानव-वन्य जीव संघर्ष स्थितियों से निपटने के लिए नियामक कार्यों का प्रावधान किया गया है। समय समय पर मंत्रालय द्वारा मानव-हाथी संघर्ष आदि मामले को लेकर दिशानिर्देश भी जारी किए जाते रहते हैं। वैसे, मानव-हाथी संघर्ष को कम करने और हाथियों की प्रतिशोधात्मक हत्या से बचने के लिए स्थानीय समुदायों को जंगली हाथियों द्वारा उनकी संपत्ति और जीवन हानि के लिए मुआवजा प्रदान किया जाता है। जंगली जानवरों द्वारा हुई मृत्यु के मामले में अनुग्रह राशि को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। रेल दुर्घटना में हाथियों की मौत को रोकने के लिए रेल मंत्रालय और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच एक स्थायी समन्वय समिति भी गठित की गई है। साथ ही रेल मंत्रालय और विद्युत मंत्रालय के साथ नियमित रूप से अंतर-मंत्रालयी बैठकें आयोजित की जाती हैं, ताकि ट्रेन की टक्कर और बिजली के झटके से हाथियों की आकस्मिक मृत्यु के मुद्दे का समग्र रूप से समाधान किया जा सके। भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में हाथी के संरक्षण को लेकर लगातार कार्यशाला और जागरूकता अभियान चलायी जाती है।वन्य-जीव पारितंत्र में हाथियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारिस्थितिकी में इन्हें ₹की-स्टोन प्रजाति या अंब्रेला प्रजाति दर्जा प्राप्त है, अर्थात अपने पारितंत्र में ये वह प्रजाति हैं जो संख्या में बहुत कम होने के बाद भी पारितंत्र की सेहत पर अति निर्णायक प्रभाव डालती हैं तथा पारितंत्र के बहुत से प्राणियों का अस्तित्व इन्हीं पर निर्भर करता है। इसी कारण इन्हें ₹फ्लैगशिप प्रजाति भी कहा जाता है, जिनका संरक्षण करना अत्यावश्यक है। परागण क्रिया इनकी भूमिका अहम् है। हाथी वन में भ्रमण करते समय अपने अति विशाल आकार के कारण वृक्षों, लताओं, पत्तियों आदि से घर्षण क्रिया करते हुये चलते हैं जिसके कारण विभिन्न प्रकार के छोटे-बड़े पौधों के बीज व परागकण उनके शरीर से चिपक जाते हैं। हाथी किसी अन्य स्थान पर जब जाते हैं तब ये बीज व परागकण वहाँ पर छिटक जाते हैं जिससे नये पौधों का विकास होता है। तो आइये हाथी मेरे साथी का संरक्षण करें।

अवधेश झा

समस्त चेतन भाव में स्थित हैं 'राम'

'राम से बड़ा, राम का नाम' यह शब्द हमलोग अपने बाल्य काल से सुनते आए हैं और राम का नाम अनादि काल से ब्रह्मांड में व्याप्त है। राम तत्व तो हमेशा से विद्यमान था और रहेगा क्योंकि यह तत्व तो काल से भी परे है, कालातीत है। अयोध्या में श्रीराम जन्मस्थल पर श्रीराम लला विराजमान हुए हैं; इस समय उनके दर्शन हेतु, दर्शन शास्त्र के ज्ञाता जस्टिस राजेंद्र प्रसाद (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय, पटना) वहां उपस्थित हैं। श्रीराम लला के दर्शन किए। श्रीराम तत्व की अनुभूति के संबंध में जब मैंने उनसे बात किया तो उन्होंने कहा ''राम को राम ही जान सकता है! मैं तो उनका विग्रह रूप का दर्शन करने आया हूं, लेकिन राम तत्व तो सर्वत्र व्याप्त है, जिसे हम इन्द्रिय जनित दृष्टि से नहीं, अपितु आत्म दृष्टि से जान सकते हैं, अनुभूति कर सकते है और रामतत्व का बोध कर सकते है। राम को जानने के लिए, राम के शुद्ध स्वरूप आचरण को अपनाना होगा अपने जीवन में धारण करना होगा ''सिय राम मय सब जग जानी, करहु प्रणाम जोरी जुग पानी'' तब आप अपने भीतर स्थित राम का दर्शन करेंगे और श्रीराममय हो जायेंगे'' वास्तव में, श्रीराम भी वही परब्रह्म तत्व है, जो आदि नारायण हैं, और वही भिन्न भिन्न रूपों में ब्रह्म, परब्रह्म, आत्मा, परमात्मा सर्वत्र है। दृष्टि केवल भेद का है। परमात्मा का विभिन्न स्वरूप, विभिन्न अवतारों का एक निश्चित उद्देश्य था और वह उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वह प्रकट हुए और अपने में लीन हो गए; लेकिन, चेतन स्वरूप में वह सर्वत्र व्याप्त हैंः वही आदि राम, अनादि राम; शिव के मुख से निकले राम ।प्रारब्ध वही से, अंत भी वहीराम से बड़ा, राम का नाम। ।जब तमोगुण (काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार) की मात्रा बढ़ जाती है, और यह बढ़कर सत्य आकाश तक पहुंच जाता है, तब सत्य स्वरूप सच्चिदानंद परब्रह्म अवतार लेते हैं और उस अधर्म रूपी तमोगुण का विनाश करके, पुनः ''सत्य रूपी धर्म'' की स्थापना करते हैं। आत्मा ही सत्य है, नित्य है और अविनाशी है। तथा जैसी आत्मा में स्मृति की स्थिति रहेगी, वैसी ही वृति का उदय हो जाता है। राम नाम का जाप यही है, कि अपने स्मृति में राम नाम अंकित कर लीजिए; राम की वृति आपकी प्रवृत्ति में व्याप्त हो जायेगा और आप राममय हो जायेंगे। जैसे हनुमान जी हो गए, तुलसीदास जी हो गए जैसे वाल्मीकि जी हो गए। श्रीराम जब अवतार लिए तो जो शास्त्र ज्ञान और शस्त्र ज्ञान उन्होंने प्राप्त किया। वास्तव में उस ज्ञान का स्त्रोत भी वही थे। क्योंकि आत्मा का समष्टि ही परमात्मा है और परमात्मा ही समस्त स्रोतों का स्रोत है, उन्हीं; आत्मा से ही समस्त स्त्रोतों का उदय होता है और उसी में अस्त होता है। ज्ञातव्य है कि जो ''ब्रह्मज्ञान'' महर्षि वशिष्ठ ने श्रीराम को दिया, वही ''ज्ञान'' ब्रह्मा ने वशिष्ठ को दिया था और ब्रह्मा ने महर्षि वाल्मिकी को भी दिया था। क्योंकि जो ज्ञान महर्षि वशिष्ठ श्रीराम को दे रहे थे; वह ज्ञान महर्षि वाल्मिकी उस समय से बहुत पूर्व ही ग्रहण कर उसे वाल्मीकि रामायण के रूप में व्यक्त भी कर चुके थे। अर्थात, वह ज्ञान पहले से ही व्यक्त और अव्यक्त रूप में विद्यमान था। ऐसे भी ब्रह्मज्ञान, तत्वज्ञान काल परे ही होता है और इसको जानने वाले भी कालातीत हो जाता है अर्थात उसपर काल का प्रभाव नहीं होता है। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण महर्षि वशिष्ठ, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र आदि हैं। अब प्रश्न उठता है कि जो ज्ञान ब्रह्मा ने वशिष्ठ और वाल्मीकि को दिया, वह ज्ञान ब्रह्मा जी कहां से प्राप्त किए? उत्तर भी स्पष्ट है कि ब्रह्मा जी को वह ज्ञान ''अपने ही मूल'' स्रोत स्वरूप ''आदि, अनंत नारायण'' से प्राप्त हुई और आदि नारायण तो स्वयं परब्रह्म स्वरूप हैं और उन्हें अपने ''स्वरूप का ज्ञान'' स्वयं है तथा वे ही समस्त ज्ञान के स्त्रोत भी

हैं। तो इस तरह से श्री नारायण, राम अवतार लेकर ''अपने ही स्वरूप का ज्ञान'' महर्षि वशिष्ठ से प्राप्त किए। इस तरह से समस्त जड़ रूपी शरीर में वही ''नारायण'' या ''राम'' रूपी ''आत्मा'' का निवास है, जो व्यक्त भाव में ''राम - कृष्ण'' है और अव्यक्त भाव में नाम और रूप से परे परमात्मा या परब्रह्म हैं। श्रीराम का अवतार लेने का मुख्य उद्देश्य ही ''धर्म की रक्षा'' था। तो धर्म क्या है? ''आत्मा का सत्य के साथ रहना ही धर्म है'' और जब आत्मा को असत्य ग्रसित करने लगता है तो नियत कर्म में व्यवधान उत्पन्न होने लगता है, तब वही परमात्मा प्रकट होते है और असत्य का नाश करते है। जो श्रीराम ने किया। श्री राम जानते थे कि ''रामावतार'' में ज्ञान - विज्ञान से आसुरी शक्तियों का नाश नहीं होगा। क्योंकि, ज्ञान उनके लिए है, जो ज्ञान के महत्व को जानते है, या जिनको ज्ञान की आवश्यकता है। इसलिए, इस अवतार में उन्होंने महर्षि विश्वामित्र से उच्च स्तर के शस्त्र शिक्षा लिया, परशुराम से विष्णु धनुष और महर्षि अगस्त से भी अमोध अस्त्र का शिक्षा लिए जोकि उन्हीं का विभिन्न कालों का निर्माण था। साथ ही साथ धर्मनीति, राजनीति, युद्धनीति तथा पिता और परिवार के प्रति धर्म, गुरु के प्रति सम्मान, भाई, माता, धर्मपत्नी के प्रति धर्म और कर्तव्यों का आदर्श रूप प्रस्तुत किए। उसके अलावा किस - किस परिस्थिति में, या किसी भी परिस्थिति में, अपना धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए, इसका उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किए। वह धर्ममूर्ति थे। राजधर्म उनके लिए सर्वोपरि थे, क्योंकि उसमें सम्पूर्ण राष्ट्र के हित की बात थी। लेकिन, एक राजकुमार या धर्माध्यक्ष राजा का प्रभाव सम्पूर्ण पृथ्वी पर होता है, यह भी संभव कर श्रीराम दिखला दिए। सूक्ष्मता से देखेंगे तो; एक राष्ट्र आपका शरीर भी है, जिसका राजा ''आत्मा'' अर्थात आप हैं, जैसे इस शरीर की रक्षा करना राजा या आत्मा का धर्म है, वैसे ही दृश्य जगत में भी एक रक्षक का राष्ट्रधर्म का प्रभाव समस्त में व्याप्त होना चाहिए। उस ''राजा'' का चार सहायक हैः मन, बुद्धि, चित और अंहकार तथा बीस तत्व उसके मंत्री है। इस तरह से आप राजा के दायित्वों को समझ सकते हैं। यहां ''पुरुषों में जो पुरुषार्थ है वह अपने धर्म की रक्षा के लिए है''। तथा राष्ट्र ही धर्म है, अगर आप राजा है; अपने राजधर्म के पालन हेतु समस्त निजी स्वार्थ का त्याग करना ही राजा कर्तव्य है और अधिकार स्वरूप में आत्मा ही आपका अधिकारक्षेत्र है और ''आत्मा का धर्म ही सत्य'' है। इसलिए, सत्य स्वरूप ''राम'' सदा समस्त क्लेशों और शोक से मुक्त थे और अपने ही ''स्वरूप में स्थित'' थे। इसलिए, ''राम'' का नाम लेने वाले भी, अपने स्वरूप में ''राम'' का ''स्वरूप'' देखने लगता है और ''राममय'' हो जाता है। जैसे असुर कुल में जन्म लेकर भी विभीषण राममय हो गए। लेकिन, महा ज्ञानी रहते हुए भी रावण नहीं हो पाया; क्योंकि ''आत्मस्थिति'' से वह अपने ''वृतियों'' और आसुरी प्रवृतियों में इतना आगे निकल चुका था, कि उसका समस्त ''वृत्तियां'' अहंकार के चादर से ढक गया था और जब निम्न अहंकार में, राहु बुद्धि से आत्मा ग्रसित हो जाता है तो ''रावण'' वाला स्थिति होना स्वाभाविक है। अब भगवान को उसका अंहकार नष्ट कर उसको ''आत्म स्थिति'' में लाना था, तो पहले समस्त अहंकार को नष्ट किए। और उसका अहंकार था, उसका अस्त्र- शस्त्र, उसका आसुरी छल - बल तथा भाई, सखा और संतान आदि का विभिन्न प्रकार का बल। वह उसे एक - एक कर भेंट चढ़ाता चला गया और अंत में स्वयं भेंट चढ़ गया। वैसे समय में भी भगवान राम उसे कई अवसर दिए, कि तुम मिथ्या अहंकार को त्याग कर मेरे शरण में आ जाओ। लेकिन, अहंकार का स्वरूप ही ऐसा होता है कि बुद्धि के प्रकाश को निस्तेज कर देता है। और जब उस अहंकार का नाश हुआ, तब उसे अपने स्थिति का ज्ञान हुआ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त, 2024

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सिपाही भर्ती परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

■ सीटिंग प्लान, फ्रिस्किंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, जैमर आदि का लिया जायजा
■ जिले के कुल-18 परीक्षा केन्द्रों पर एकल पाली में स्वच्छ शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालित हुई परीक्षा

बेतिया (कुमार अभिजितम)। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) विज्ञापन संख्या-01/2023 के अंतर्गत बिहार पुलिस में सिपाही पद की रिक्तियों पर चयन के लिये आयोजित लिखित परीक्षा आज जिलान्तर्गत कुल-18 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई। इसके साथ ही यह परीक्षा दिनांक- 18.08.2024, 21.08.2024, 25.08.2024 एवं 28.08.2024 को एकल पाली (12.00 बजे मध्याह्न से 02.00 बजे अपराह्न तक) में सम्पन्न होगी। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक, बेतिया, श्री अमरकेश डी द्वारा आज परीक्षा केन्द्रों औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान महंत रामरूप गोस्वामी कॉलेज, चाणक्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन अवस्थित परीक्षा केंद्र सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस क्रम में सीटिंग प्लान, फ्रिस्किंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, जैमर, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई, अन्य मूलभूत सुविधाओं आदि का जायजा लिया गया।

परीक्षा का संचालन स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त पाया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा कार्य में संलग्न सभी केन्द्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों, पुलिस बल के जवानों आदि को केन्द्रीय चयन पर्षद द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का अशरक्षः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हर हाल में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा का संचालन किया जाय। कदाचार में शामिल छात्र-छात्राओं सहित अन्य व्यक्तियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाय। उनके विरूद्ध नियमानुकूल कार्रवाई की जाय।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया अमरकेश डी अनुमंडल पदाधिकारी बेतिया सदर विनोद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण, विशेष कार्यपदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

नौरंगिया थाना पुलिस ने 5 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

बगहा। नसीम खान ≀क्यार≀बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना पुलिस ने 5 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पीटीसी 30 विकाश कुमार दलबल के साथ संध्या गश्ती पर थे तभी इन्हें गुप्त सूचना मिली कि सिरिसिया निवासी बाबुनन्द अपने घर मे देसी शराब बेचने के लिए रखे हुआ है।

बकौल विकाश कुमार की इस गुप्त सूचना की जानकारी थानाध्यक्ष को दे उनके निर्देशानुसार उक्त आरोपी के घर की घेराबंदी कर तलाशी शुरू की तो सीढ़ी के नीचे छुपा व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा तभी गश्ती दल के सहयोग से उस व्यक्ति को पकड़ लिया गया।उसकी पहचान 40 वर्षीय बाबुनन्द के रूप में हुई है।तलाशी के दौरान सीढ़ी के नीचे छुपाकर बर्तन में 5 लीटर देसी चुलाई शराब को बरामद कर बाबुनन्द को हिरासत में ले लिया गया है।

अंबेडकर ज्ञान मंच द्वारा क्रीमीलेयर आरक्षण खत्म होने पर विरोध

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय प्रखंड मुख्यालय परिसर में रविवार को अम्बेडकर ज्ञान मंच की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में आहूत हुई। इस बैठक में गत दिनों केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में सकारात्मक पैरवी नही करने के कारण एससी, एसटी आरक्षण में उपजतीय वर्गीकरण, क्रिमिलेयर व बिहार में संख्यानुपाती आरक्षण को खत्म किए जाने की कड़ी निन्दा की गई। मंच के कार्यकर्ताओं ने कोर्ट के असंवैधानिक निर्णय के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया तथा कहा गया कि अगर भाजपा नीत गठबंधन की केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ अध्यादेश लाकर उसे रद्द नही करती तो आगामी 21 अगस्त को भारत बंद करने तथा जनता कर्फ्यू को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। मंच के अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग में क्रीमीलेयर या उपजातिय वर्गीकरण करने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय असंवैधानिक है। इसे सरकार को अविलंब अध्यादेश लाकर रद्द करने होंगे तथा आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने की जरूरत है, ताकि फिर से उसके खिलाफ कोई कोर्ट का हस्तक्षेप नहीं हो सके। वही महज दो फीसदी सरकारी नौकरियों में आरक्षण के दायरे को बढ़ा निजी सेक्टर में आरक्षण लागू करने, न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय न्यायिक अयोग का गठन करने,भूमिहीन एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक जातियों सहित अन्य अभिवंचित वर्गो को सरकार द्वारा निर्धारित छह डिसिमल आवासीय भूमि मुहैया कराने,नगर परिषद में कार्यरत संविदा आधारित स्वच्छकार सफाईकर्मियों की नौकरी स्थाई करने तथा रक्सौल को जिला घोषित करने के लिए चरणबद्ध आंदोलन करने निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा कि इसके लिए मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता आगामी 21 अगस्त को शांतिपूर्ण तरीके से रक्सौल के अम्बेडकर चौक स्थित संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद दिल्ली काठमांडू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 28 ए) को जाम कर अपना विरोध प्रदर्शन करेंगे तथा भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पुरजोर आवाज उठाएंगे। इस बैठक में मंच के संस्थापक मुनेश राम, रविंद्र कुमार, रामपुजन राम, छोटेलाल राम, भाग्य नारायण साह, शिक्षक संजीव कुमार, ताराचंद राम, बीरेंद्र कुमार राम, अमन कुमार, राजाबाबू कुमार, श्यामबिहारी पासवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

वन विभाग ने लकड़ी की गुल्ली लगे ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया

बगहा। नसीम खान ≀क्यार≀बगहा के रामनगर वन कर्मियों को गुप्त सूचना मिली थी कि मुजरा गांव त्रिवेणी नहर के समीप पावरट्रैक ट्रैक्टर ट्रॉली पर अवैध शीशम सागवान के साथ अन्य प्रजातियों की लकड़ी की गुल्ली लाद कर ले जाया जा रहा है जैसे ही उक्त स्थान पर वन कर्मी पहुंचे तो वन कर्मियों को देखकर चालक मौके से फरार हो गया।

मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर रामनगर लेकर आई।रामनगर रेंजर विजय कुमार के देखरेख में लकड़ी को बेतिया डीएफओ कार्यलय मे भेज दिया गया है। रेंजर ने बताया कि अब तक ट्रैक्टर चालक की पहचान नहीं हो पाई है, जांच कर आगे की कार्रवाई विभाग द्वारा की जा रही है!

बतादें की वीटीआर जंगल मे बेशकीमती पेड़ों की बहुतायत है।इनमें बहुत से पेड़ सागौन, सखुआ, पानन, चांप,बेंत, खैरा से कत्था, फर्नीचर आदि बनाया जाता है।जिसपर तस्करों की नज़र बनी रहती है।

दिघवारा प्राथमिक शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न : सच्चिदानंद बने अध्यक्ष

दिघवारा नगर। अंचल के उत्क्रमित मध्य विद्यालय पगुराहा में रविवार को अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ दिघवारा के संगठन का चुनाव पर्यवेक्षक नित्यानंद सिंह एवं चुनाव पदाधिकारी तौकीर उस्मान अंसारी एवं संजय कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अंचल के अध्यक्ष पद पर सेवानिवृत शिक्षक सच्चिदानंद सिंह एवं सचिव पद पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय पगुराहा के प्रधानाध्यापक सच्चिदानंद सचिन सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। इसके अलावे वीरेंद्र कुमार सिंह एवं राजेश कुमार त्रिपाठी को वरीय उपाध्यक्ष,इंदीवर कुमार सुमन,कल्पना कुमारी व तारकेश्वर नाथ भक्त को उपाध्यक्ष, मनोज कुमार व रोबिन कुमार सिंह को उप अंचल सचिव, अंजली कुमारी व चंद्रिका राम, मुकेश कुमार सिंह को उपसचिव चुना गया।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला केहरिहरनाथ थाना क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट के बाद एक युवक की चाकू गोद-गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई. युवक के शरीर पर 30 से 40 बार तब तक चाकू से वार किए गए थे जब तक कि वह अचेत नहीं हो गया. हालांकि गंभीर स्थिति में उसे सोनपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है.

मृतक वैशाली जिला के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के हतसारगंज बिनटोली, अनजान पीर निवासी सहबीर महतो का 21 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार महतो था. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सारण और वैशाली का सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण हरिहरनाथ थाना क्षेत्र में वैशाली जिले के लड़कों का आना-जाना भी लगा रहता है.उसी क्रम में बीती रात्रि धीरज को उसके साथ के लड़कों के द्वारा ही मारपीट के बाद चाकू से गोदना शुरू कर दिया गया. सूचना के बाद हरिहरनाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी को उठाकर सोनपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. जिसकी सूचना के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया.

वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार को पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा, जहां शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद उसे परिवार वालों को सौंप दिया गया. वहीं इस संबंध में मृत युवक के पिता वैशाली जिला के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के हतसारगंज बिनटोली, अनजान पीर निवासी सहबीर महतो हत्या के मामले में कुल नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है. वहीं प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

इसुआपुर में झंडा मेला 3 सितंबर को : बैठकों का दौर शुरु

इसुआपुर । जिले का प्रसिद्ध महावीरी अखाड़ा सह झंडा मेला आगामी 3 सितंबर को है। जिसकी तैयारियों को लेकर बैठकों का दौर जारी है। इसी क्रम में रविवार को आतानगर गांव स्थित नागराजिन माता के स्थान परिसर में रविवार को लाइसेंस धारी नागेंद्र सिंह की अध्यक्षता में दुसरी बैठक आयोजित हुई।

जिसमें मेला को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संचालित किए जाने को लेकर कई अहम बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में नागेंद्र सिंह, बद्रीनारायण सिंह, धीरज सिंह, पप्पू सिंह, ढ़ोलन सिंह, मोगल महतो, खजांची सिंह, अशोक सिंह, परमेश्वर सिंह, मनोज सिंह व अन्य ने विचार रखे।

अहवर कुड़िया शिव मंदिर परिसर में कुश्ती दंगल का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

दंगल का फीता काटकर उद्घाटन करते समाजसेवी

● मुकाबला में बिहार नेपाल और उत्तर प्रदेश के पहलवानों ने किया जोर आजमाइश

मझौलिया। अहवर कुड़िया पंचायत स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति सावन मास की सप्तमी तिथि को कुश्ती महा दंगल मुकाबला का आयोजन किया गया। कुश्ती दंगल मुकाबला का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोद तिवारी जनसुराज पार्टी के नेता अनिल सिंह ने संयुक्त रूप से वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच फीता काटकर किया।

हनुमानगढ़ी अयोध्या उत्तर प्रदेश के बाबा सुमंत दास ने अखाड़ा पूजन करके पहलवानी प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया।मुख्य अतिथि विनोद तिवारी ने कहा कि कुश्ती हमारी प्राचीन संस्कृति को दर्शाता है। आज ग्रामीण क्षेत्र में भी दंगल कुश्ती को जीवंत रखने के लिए इस तरह का आयोजन करके ग्रामीण क्षेत्र के छिपे हुए प्रतिभा को उजागर करना होता है। समाजसेवी विनय तिवारी ने कहा कि प्राचीन परंपरा को जीवंत रखना आज की पीढ़ी का दायित्व है। कुश्ती कबड्डी जैसे प्राचीन खेल जोश और उत्साह पैदा करते हैं। यह शारीरिक दमखम और फूर्ति का खेल है।कुश्ती दंगल मुकाबला में सबसे रोमांचक और हंगामादार मुकाबले में बक्सर बिहार के पहलवान जुगनू ने उत्तर प्रदेश के पहलवान अजीत को पछाड़कर सबको रोमांचित कर दिया। इस प्रतियोगिता में बच्चन पहलवान लाल पहलवान रामदेव पहलवान छोटे पहलवान विकास पहलवान शत्रुघ्न पहलवान गोल्ड मेडलिस्ट रामबाबू पहलवान जाहिर पहलवान मनु पहलवान विकास पहलवान आदि ने अपने-अपने दावा पेच को प्रदर्शित किया।आयोजन समिति में राधेश्याम तिवारी बबलू तिवारी नवीन तिवारी मुन्ना तिवारी अजय यादव सुभाष भगत चंदन यादव हरेंद्र यादव राकेश गुप्ता सोनू गुप्ता अच्छा लाल यादव विनय गुप्ता चंदन यादव मिथिलेश शर्मा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बताते चले की इस दंगल प्रतियोगिता को देखने के लिए जगदीशपुर पंडितपुर करमवा रुलही राजाभार अमवा आदि क्षेत्र के खेल प्रेमी उपस्थित रहे।पहलवानों का उत्साह बढ़ाने में मुखिया पति किशुन देव पंडित विनय कुमार शिवजी शर्मा मुन्ना तिवारी मिथिलेश शर्मा समिति सदस्य संजय पटेल आदि मुख्य है। एस आई राजीव कुमार दलबल के साथ सुरक्षा कमान संभाले देखे गए।

मढ़ौरा में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही हो गई मौत

प्रातः किरण संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण । मढ़ौरा के पटेढ़ी रेलवे स्टेशन के पास पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तेजपुरवा निवासी जीतू कुमार की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जीतू कुमार को कान से कम सुनाई देता था और वह शनिवार को पटेढ़ी की ओर किसी काम से पैदल ही गया था और रेलवे लाइन को पार करने के दौरान स्टेशन के उत्तरी ढाला के समीप ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मढ़ौरा रेलवे पुलिस पहुंची और अपनी जरूरी प्रक्रिया को पूरा किया। इस बीच वहां मौजूद जीतू के परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को अपने घर ले गए और उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना के बाद जीतू के घर में कोहराम मचा गया । जीतू की दो बेटी थी अंशु 3 वर्षीय अंशिका 1 वर्षीय इस घटना के कारण दोनों मासूम के सर से बाप का साया हट गया। जीतू एक राज मिस्त्री का काम करता था और इसी काम को करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

पोखरे में नहाने के दौरान किशोर की डूबने से मौत

माँझी। माँझी थाना क्षेत्र के गुर्दाहाँ खुर्द के पुरैना स्थित पोखरे में नहाने के दौरान रविवार को एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। मृतक गुर्दाहाँ खुर्द गाँव निवासी अरशद खान का तेरह वर्षीय पुत्र फैज अहमद बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक फैज खान अपने कुछ मित्रों के साथ पोखरे में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। मृतक के साथ नहाने गए बच्चों ने उसे बचाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। और किशोर उनके आंखों के सामने ही डूब गया। साथ में नहाने गए सभी बच्चे भाग कर गांव के लोगों को इसकी सूचना दिए। खबर मिलते ही बड़ी संख्या ग्रामीण पहुंचकर शव ढूंढने का प्रयास करने लगे। स्थानीय गोताखोरों के अथक प्रयास से लगभग दो घंटा बाद शव को पोखरे से बरामद कर लिया गया।

शराब बेचने के आरोपी की मौत, लोगों ने हंगामा किया

प्रातः किरण संवाददाता

मकेर (सारण), थाना क्षेत्र के खलपुरा गांव से पुलिस ने शराब बेचने के आरोपी को जेल भेजा था जिसका इलाज के दौरान मौत हो गई। मकेर कांड संख्या 212/24 भूषण राम पिता बबन राम को पिछले दिनों देशी शराब बेचने के आरोप में मकेर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जहाँ उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई जहाँ पुलिस अभिरक्षा में परिजन इलाज करा रहे थे ।इलाज के क्रम में उसका देहांत हो गया ,आज पुलिस द्वारा शव को लाया गया है ।इस घटना को लेकर लोगो मे गहरी नाराजगी जताई एवम पुलिस के विरुद्ध नारेबाजी कर रहे थे एवम मुआबजे की मांग कर रहे हैं ।मालूम हो कि दो दिन पहले पुलिस द्वारा आधा दर्जन गांवों में छापेमारी कर देशी शराब,एवम पाउच बरामद किया था उसी में भूषण राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जहाँ इलाज के क्रम में मौत हो गई हैं ।

दिघवारा में गंगा नदी में नहाने के दौरान डूबने से युवक की मौत

दिघवारा नगर। थाना क्षेत्र के चकनूर गांव स्थित मस्जिद के पीछे एसपी सिंगला बेस कैंप के समीप रविवार को गंगा नदी मे नहाने के क्रम में तीन किशोर पानी में डूबने लगे,जिसमे से कैम्प के कर्मियों की मदद से दो किशोर को बचा लिया गया जबकि एक किशोर पानी की तेज धार में डूब गया।समाचार प्रेषण तक शव की खोज जारी है।मृतक सीवान जिले के भगवान पुर हाट निवासी शंकर चौधरी का 15 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार बताया जाता है।वह दिघवारा स्थित मीरपुर भुआल गांव अपने नाना विनय चौधरी के घर रहता था एवं वर्ग आठवीं का छात्र था। पीयूष अपने तीन दोस्तों के साथ उक्त गंगा घाट पर नहाने गया था जहां डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ मिट्ठू प्रसाद, थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति की जानकारी ली। घटना के चार घंटे तक एसडीआएफ की टीम को नहीं पहुचनें पर लोगों मे नाराजगी दिखी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

तिरंगा यात्रा निकालते भाजपा कार्यकर्तामाँझी सारण हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए रविवार को माँझी प्रखंड के घोरहट में विशेष तिरंगा यात्रा निकाली गई. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाजपा अनुसूचित जनजाति के जिलाध्यक्ष प्यारे अंगद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया. प्यारे अंगद ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर-घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल से हाथ में तिरंगा लिये माँझी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों का भ्रमण किया। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने घोरहट के बजरंगबली मंदिर से यात्रा की शुरूआत कर विभिन्न पंचायतों का भ्रमण कर घोरहट में ही कार्यक्रम का समापन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि हम अपने प्रधानमंत्री के आह्वान पर 9 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने-अपने घरों में तिरंगा जरूर लगाये । इस मौके पर राहुल सिंह चिकी, अभिषेक राम , किशन कुमार , त्रिशूल सिंह , मितल सिंह , अंकित सिंह , निशांत सिंह ,लालू महतो , जितेंद्र रावत , राजू रावत , मंटू महतो , अनिल कुमार , भोला ,जीवित कुमार ,सत्यदेव प्रसाद , उपस्थित थे।

गर्भनिरोध के स्थाई साधनों के प्रति लोगों का भरोसा कायम

प्रातः किरण संवाददाता

पखवाड़े के बाद भी जिले के सभी अस्पतालों में परिवार नियोजन की सभी सुविधाएं रहेंगी उपलब्ध: जिलाधिकारी

छपरा कार्यालय। जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने के लिए ग्रामीण इलाकों में परिवार नियोजन से संबंधित विस्तृत रूप से जानकारी देने के बाद ही इस पर काबू पाया जा सकता है। हालांकि इसके लिए जिले के इच्छुक दंपत्तियों को सुविधा का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत 11 से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया था। इस दौरान लोगों को परिवार नियोजन के विभिन्न सुविधाओं के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक सुविधा लाभ उपलब्ध कराया गया। जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि जिले के लाभार्थियों को परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना अनवरत जारी रहेगा। क्योंकि पखवाड़े के बाद भी जिले के सभी अस्पतालों में परिवार नियोजन की सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जिसका किसी भी लाभार्थी द्वारा स्वास्थ्य कर्मी या चिकित्सकों के सहयोग से लाभ उठाया जा सकता है। जिलेवासियों को ज्यादा से ज्यादा परिवार नियोजन सुविधाओं का लाभ उठा कर अपने परिवार को स्वस्थ और सुरक्षित रखना चाहिए। हालांकि सारण जिला हमेशा से राज्य में अव्वल आता रहा है। जिसको इस बार भी टॉप फाइव में अपना स्थान हासिल किया है जिले की 5850 महिलाओं को अंतरा की सुई लगाकर राज्य में पहला स्थान हुआ प्राप्तः सिविल सर्जन सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन से संबंधित सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। जिस कारण हाल के दिनों में परिवार नियोजन सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास काफ़ी बढ़ा है। हालांकि स्थाई साधनों के साथ गर्भ निरोध के अस्थाई साधन भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। परिवार नियोजन स्वस्थ व समृद्ध परिवार का आधार है। क्योंकि यह परिवार का आकार छोटा रखने और दो बच्चों के बीच पर्याप्त अंतर रखने का सुलभ व आसान तरीका है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अमन समीर के दिशा निर्देश में अंतरा सुई (5850) लगाने में सारण जिला राज्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य से अधिक 143 प्रतिशत और 31355 ईसीपी देकर 87 प्रतिशत के साथ पहला स्थान हासिल किया है, वही कंडोम 856695 वितरण में 476 प्रतिशत के साथ दूसरा तो 57858 माला एन की गोली वितरण कर 80 प्रतिशत पूरा करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह 2508 पीपीआईयूसीडी लगाकर 67 प्रतिशत और 54319 छाया गोली वितरण कर 75 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। इसी तरह 39 पुरुष बंध्याकरण कर 33 प्रतिशत जबकि 635 महिला बंध्याकरण कर 40 प्रतिशत के साथ 24 वां स्थान प्राप्त कर परिवार नियोजन कार्यक्रम को शत प्रतिशत सफल बनाया गया है। एनएफएचएस के आंकड़ों के अनुसार परिवार नियोजन कार्यक्रम से संबंधित उपाय अपनाने वाले परिवारों में लगातार हो हुआ इज़ाफ़ाः डीपीएम जिला स्वास्थ्य समिति के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) अरविंद कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के मुताबिक जिले में पांच साल के दौरान नियोजन संबंधी उपाय अपनाने वाले परिवार की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिले में 15 से 49 साल के बीच मां बनने वाली 40 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी नियोजन उपायों को अपनाती हैं। इसमें से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं परिवार नियोजन के लिए आधुनिक तरीकों पर विश्वास करती हैं। वहीं स्थायी रूप से परिवार नियोजन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ कर 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालांकि वर्तमान में एक प्रतिशत महिलाएं आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी का इस्तेमाल करती हैं। वहीं 0.9 प्रतिशत महिलाएं गर्भ निरोधक गोलियों का इस्तेमाल करती हैं। आंकड़ों के अनुसार नियोजन के लिए लगभग 05 प्रतिशत कंडोम या गर्भ निरोधक सुई का इस्तेमाल होता है।अंतरा सुई लगाकर एकमा ने 224 प्रतिशत के साथ जिले में पाया सर्वोच्च स्थानः डीसीएम जिला सामुदायिक उत्प्रेरक (डीसीएम) ब्रजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि परिवार नियोजन से संबंधित साधनों को बढ़ावा देना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकताओं में शुमार है। जिसको लेकर समय- समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इसी कड़ी में विगत 11 से 31 जुलाई तक जिले में आयोजित परिवार नियोजन पखवाड़ा के दौरान सभी स्वास्थ्य संस्थानों को दिए गए लक्ष्य के अनुरूप सभी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा बेहतर तरीके से लक्ष्य की प्राप्ति हुई है। परिवार नियोजन में सबसे ज्यादा पसंदीदा अंतरा को माना जाता है। जिसमें एकमा ने लक्ष्य से कहीं ज्यादा 224 प्रतिशत तो लहलादपुर ने 205 जबकि शहरी स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज ने 200 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह से पुरुष बंध्याकरण में सोनपुर, मांझी और गड़खा ने शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया है। जबकि सदर अस्पताल ने 75 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने में सफलता पाई है। वही महिला बंध्याकरण में गड़खा ने 92 प्रतिशत, सोनपुर ने 84 प्रतिशत तो मांझी ने 75 प्रतिशत के साथ अपनी उपलब्धि हासिल किया है। इसी तरह प्रसवोत्तर अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (पीपीआईयूसीडी) में दिघवारा ने 90 प्रतिशत, इसुआपुर ने 89 प्रतिशत जबकि एकमा ने 88 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है।

कांग्रेस नेता एजाज खां ने राजद का दामन थामा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये गए

दिघवारा नगर।प्रखंड के वरीय कांग्रेस नेता मो. एजाज खां ने राजद का दामन थाम लिया है।लगभग 32 वर्षो तक यूथ कांग्रेस व कांग्रेस के विभिन्न पदों पर रहने वाले इस कांग्रेसी नेता को राष्ट्रीय जनता दल द्वारा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।राष्ट्रीय जनता दल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम द्वारा उन्हें पार्टी का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है।राजद का दामन थामने के बाद एजाज खां कहा कि वे जिले में कांग्रेस के समर्पित सिपाही थे मगर जिले में गिर रही कांग्रेस की साख से उन्होंने ऐसा निर्णय लिया है।राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अकलियत के बड़े नेता हैं और उनके कारण ही गरीबों को समाज में सम्मान मिल रहा है।अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर डॉ. जेड अहमद,कमलेश राय, मो.जमील, मनव्वर आलम, डॉ. आफताब आलम, मो. अब्दुल्ला,मो. कलीम,मुबारक अली,अशोक पासवान जे.पी यादव समेत कई लोगों ने बधाई दी है।

हरिहरनाथ मंदिर में मंत्री और उनकी पत्नी ने की पूजा अर्चना

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सावन के पावन महीना पर बाबा हरिहरनाथ मंदिर मे बिहार सरकार समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने और उनकी पत्नी ने मंदिर मे पूजा अर्चना और रुद्रभिषेक किया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की मंदिर मे पूजा अर्चना सुशीलचंद्र शास्त्री भूटकून बाबा बमबम बाबा राहुल बाबा पवन बाबा सदानंद बाबा ने मन्त्रोंउच्चारण के साथ विधिवत पूजा अर्चना कराया ।इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने अंग वस्त्र बुके और मंदिर प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया इस अवसर पर उनके अपर सचिव उत्कर्ष कुमार और उनके बड़े पुत्र अभिषेक कुमार और उनकी पत्नी मंदिर सचिव विजयलाला कोषाध्यक्ष निर्भय सिंह ग्रामीण सहित अनेक लोग उपस्थित थे इस अवसर पर मंत्री मदन सहनी ने मंदिर कमिटी को धन्यवाद दिया और बेवस्था की सराहना की और कहा कि मंदिर मे हमसे जितना सहयोग होगा हम जरूर करेंगे और मंदिर मे पूजा करने आते रहते है सावन के महीना मे बाबा हरिहरनाथ पर लाखो लोगो ने जल चढ़ा कर पूजा अर्चना किया और सुख शांति की कामना की ज्ञात हो की बाबा हरिहरनाथ मंदिर पूरा देश पहला ऐसा मंदिर है जहाँ हरी और हर दोनों है इस मंदिर मे देश और विदेश के लोग भी पूजा करने बराबर आते रहते है सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह द्वारा मंदिर पहुंचते ही मंत्री का बाबा के द्वारा मंत्रउच्चारण के साथ उनका स्वागत किया गया। स्वागत से मंत्री काफ़ी खुश हुए और कहा कि मंदिर मे आने के बाद बहुत अच्छा लगता है और मन को शांति मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक के चक्के में साड़ी फंसने से गिरी नवविवाहिता की मौत

आराःआरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव के समीप रविवार की दोपहर चलती बाइक से गिरकर एक नवविवाहिता की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जबकि उसके साथ बाइक पर बैठी ननद मामूली रूप से जख्मी हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका तरारी थाना क्षेत्र के कपूरडीहरा गांव निवासी सचिन कुमार के 20 वर्षीया पत्नी सीतासुंदर देवी है। जबकि जख्मी मृतका की ननद रूबी कुमारी है। इधर, मृतका के भैंसुर पताली कुमार ने बताया कि रविवार की दोपहर वह अपने पति सचिन कुमार एवं ननद रूबी कुमारी के साथ उदवंतनगर थाना क्षेत्र के उदवंतनगर गांव अपने मायके आ रही थी। उसी बीच गड़हनी गांव के समीप उसकी साड़ी बाइक के चक्के में फंस गई। जिसके कारण दोनों बाइक से गिर पड़ी। बाइक से गिरने के कारण सीतासुंदर देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही उसकी ननद रूबी कुमारी भी मामूली रूप से जख्मी हो गई।

विहिप के जिला अध्यक्ष राजीव रंजन संयोजक अमित पांडे बनाए गए

आराःविश्व हिंदू परिषद दक्षिण बिहार के तीन दिवसीय प्रांतीय कार्य समिति बैठक शेखपुरा जिला में आयोजित की गई थी। इस प्रांतीय बैठक में केंद्रीय समेत प्रांतीय अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में प्रांत मंत्री परशुराम जी द्वारा विश्व हिंदू परिषद के नए जिला अध्यक्ष के दायित्व में राजीव रंजन और बजरंग दल के जिला संयोजक के रूप में अमित पांडे और विभाग संयोजक मोनू निराला और रितिक ओझा जी को जिला सह संयोजक , धर्मेंद्र केशरी सह मंत्री ,माधुरी को मातृशक्ति संयोजिका, गुड़िया कुमारी को दुगार्वाहिनी संयोजिका का नवीनतम दायित्वों की घोषणा की गई। वही विश्व हिंदू परिषद ,भोजपुर के जिला मंत्री और सह मंत्री अभिषेक चौरसिया जी ने बताया जिला में मिले नई दायितवानों को बहुत-बहुत बधाई और इनके नए दायित्व से संगठन और मजबूत होगा ऐसा विश्वास हैं। बधाई देने वालो में विमल किशोर पाठक, रजनीश राजन, श्याम किशोर पाठक, जतिन गोस्वामी आदि कई नगर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हरेराम चन्द्रवंशी को किया सम्मानित

आराःभाजपा नेता सह पूर्व लोकसभा सासाराम के प्रभारी हरेराम चंद्रवंशी को आज भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बिहार प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री दिलीप जायसवाल से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान ही उन्होंने अपने परिचय देते हुए कहा के पार्टी के नए दायित्वों के लिए मैं सदा तैयार हूं। माननीय अध्यक्ष जी आपके आदेश की प्रतीक्षा है। वातार्लाप के दौरान ही आपके अच्छे कार्यो का योगदान से खुश होकर माननीय प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल जी ने अंगवस्त्र से भाजपा नेता हरेराम चंद्रवंशी का सम्मान किया और विश्वास दिलाया कि आप जैसे कार्यकर्ता का पार्टी की बहुत जरूरत है। आप इसी तरह तनमनधन से लगे रहिए,पार्टी बिना कहे समय पर आपके राजनीतिक भविष्य का निर्णय लेगी।

मझौआ के नदी में डुबने से तीन छात्रों की हुई मौत, मची अफरा-तफरी

मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपया मुआवजा सरकार दे-माले

प्रात : किरण संवाददाता

आरा के मझौआ में तीन लड़कों को नदी में डुबने से मौत हो गयी !घटना की जानकारी मिलते ही भाकपा-माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य व पूर्व विधायक मनोज मंजिल,राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी,जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम,नगर कमेटी सदस्य रामाशंकर प्रसाद,लव कुमार आरा सदर अस्पताल पहुंचकर उन सभी लड़कों का पोस्टमार्टम करवाया गया !नदी में डुबने से 1.अंकुश पांडे उम्र-16 वर्ष पिता बासुकीनाथ पांडे,2. अतुल पांडे उम्र-17 वर्ष पिता-अरविंद पांडे,शुभम कुमार उम्र-14 वर्ष पिता समेन्द्र सिंह शामिल हैं ! भाकपा-माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य व पूर्व विधायक मनोज मंजिल ने इस घटना को भोजपुर डीएम से अस्पताल के कुव्यवस्था जैसे पोस्टमार्टम के बाद अस्पताल से शव को ले जाने के लिए एम्बुलेंस की मांग की जाती रही लेकिन अस्पताल प्रशासन की उदासीनता के कारण काफी देर तक परिजन परेशान रहे तब जाकर एक एम्बुलेंस आया !इस संबंध में मुआवजा के लिए भी डीएम से बात कर मुआवजा देने की मांग की है !भाकपा-माले ने सभी मृतक के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग से 4-4 लाख रुपया मुआवजा देने की मांग की है !

भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जय प्रकाश नारायण की किया गया माल्यार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

आराः भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा रविवार को हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शुरूआत की गई। महिला मोर्चा के तत्वावधान मे कार्यक्रम की शुरूआत आरा जेपी स्मारक स्थित लोकनायक जय प्रकाश नारायण की मूर्ति की सफाई और माल्यार्पण से हुआ। उक्त अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज और जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता सिंह के साथ भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सुबह जेपी स्मारक परिसर मे इकट्ठा होकर स्वच्छता अभियान चलाया।इस दौरान स्मारक परिसर सहित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की मूर्ती की सफाई की गई।स्वच्छता अभियान के बाद जयप्रकाश नारायण की मूर्ति पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं द्वारा माल्यार्पण किया गया और भारत माता की जय,जय प्रकाश नारायण अमर रहे आदि नारे लगाए गए।

उक्त कार्यक्रम मे भाजपा जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा अध्यक्ष सहित भाजपा जिला उपाध्यक्ष ई. धीरेन्द्र सिंह,उदय प्रताप सिंह, लव पांडेय, महामंत्री पुनम कुशवाहा,अशोक शर्मा,संतोष चंद्रवंशी, संजय कुमार सिंह, ज्योति कुशवाहा, निशांत सिंह सेंगर,वरूण सिंह,मणी कुमार आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

भाजपा मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि 12 अगस्त को किसान मोर्चा द्वारा स्वच्छता अभियान और महापुरुषों का माल्यार्पण कार्यक्रम होगा।उक्त कार्यक्रम मे किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोज सिंह मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल होंगे।

आरा प्रखंड के दर्जनों गांव मे बाढ़ का पानी घुंसा, हजारों एकड़ मे लगी सफल नष्ट : क्यामुद्दीन अंसारी

● गांगी पैगा सड़क पर आरा प्रखंड के बसंतपुर मे सड़क पर बाढ का पानी चढा,तथा कुछ गांवों मे पानी घुंसा -क्यामुद्दीन अंसारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा,आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने अपने ब्यान मे कहा है कि बड़ी तेजी से बाढ का पानी सदर प्रखंड के गांवों मे घुंस रहा है बाढ का खतरा आरा प्रखंड के गांवों पर मंडराने लगा है भकुरा पंचायत के बसंतपुर दलित टोला मे घुंस गया है,धुधुआं के बिन्दटोली और यादव टोली मे घुंस गया है वही बरजा, इजरी ,बाधाकोल,तेतरिया सहित दर्जनों गांव बाढ मे घिर गये है.वही आरा नगर के उजियार टोला ,मझौंआ मे भी बाढ का पानी प्रवेश कर गया है।भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आरा प्रखंड में बाढ पूर्व होम वर्क करते अंचल कार्यालय द्वारा बाढ प्रभावितों की सूची तैयार की है जिसमें बड़े पैमाने पर बाढ प्रभावित इलाके की जनता का नाम सूची से गायब कर दिया गया ह। आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने आरा प्रखंड प्रशासन से मांग की है कि आरा प्रखंड के अनुश्रवण समिति की बैठक शीघ्र बुलाई जाय और संभावित बाढ के खतरे से मुकाबला करने के लिए हर संभव उपाय किए जाए.भाकपा माले नेता ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ठंÛÜकी टीम आरा प्रखंड में हमेशा मौजूद रहे।भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने मझौंआ के पास डुब कर मारे मृतक अंकुश कुमार पाण्डेय पिपरपांती 17 वर्ष,अतुल कु.शुक्ला -शुकुलपुरा 17 वर्ष, व शुभम कुमार - देवनगर मझौंआ 14 वर्ष के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उनके परिवार को पांच लाख मुआवजा शीघ्र देने की मांग की। बाढ प्रभावित इलाके का दौरा करने वाली भाकपा माले की टीम मे सामिल थे क्यामुद्दीन अंसारी, पवन कुमार, वार्ड पार्षद मो.फैज उर्फ राजन,युवा नेता हिम्मत यादव, राजद नेता मुन्ना यादव थे।

भक्तशिरोमणि गोस्वामी जी का अवतार हिंदी काव्यक्षेत्र में एक चमत्कार : प्रो बलिराज ठाकुर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। हिंदी साहित्य के सूर्य भक्तशिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर आध्यात्मिक सत्संग समिति बड़ी मठिया की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महंत रामकिंकर दास जी महाराज ने कहा कि पूरा सनातन जगत गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज का ऋणी है।जो काम भगवान आदि शंकराचार्य ने किया वैसा ही प्रभाव गोस्वामी तुलसीदास जी ने उत्पन्न किया जिसका अनुभव आज भी पूरे विश्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भोजपुर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो.बलिराज ठाकुर ने कहा कि भक्तशिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज का अवतार हिंदी काव्यक्षेत्र में एक चमत्कार है। श्रीराम के चरित्र गायन से भारतीय संस्कृति एवं समाज का संरक्षण तुलसी ने जिस परिस्थिति में किया वैसा अन्य कोई कवि संभवतः नहीं कर पाता।प्रो ठाकुर ने कहा कि तुलसीदास ने अपने अमर काव्य में लोकमंगल की भावना पर अधिक बल दिया है। तुलसीदास अपने युग के शरभ कवि ही हैं जो युगों तक भावी जनता को अपनी वाणी से प्रेरणा देते रहेंगे।तुलसी ने राम के चरित्र में उदात्त धीरता का भाव भर दिया है ।इस अवसर पर महंत अयोध्या नाथ दास,आचार्य भारत भूषण पांडेय,राधा प्रसाद पाठक,के.सी. दुबे,डॉ.नंदजी दूबे,डॉ.सत्यनारायण उपाध्याय,शिवदास सिंह,डॉ. विश्वनाथ चौधरी,शशिकांत तिवारी,डॉ.किरण कुमारी,केशव ठाकुर,डॉ.रेणु मिश्रा,गिरीश प्रसाद सिंह (अधिवक्ता),डॉ.शशिरंजन त्रिपाठी,नर्मदेश्वर उपाध्याय,अमरनाथ तिवारी,श्रीप्रकाश ओझा,रंगजी सिंह ,अलख अनाड़ी ,राकेश मिश्र,अजय ठाकुर सहित तमाम लोगों ने तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन मधेश्वरनाथ पांडेय ने किया ।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत निकली गई आरा शहर मे तिरंगा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा :तिरंगा यात्रा निकाला गया यह तिरंगा यात्रा 30 किलोमीटर का तीन विधानसभा का अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाला गया जो कोईलवर से कोईलवर दक्षिणी होते हुए चांदी होते हुए आरा स्टेशन से वीर स्मारक पर समापन हुआ इस कार्यक्रम में विभिन्न विधानसभा विभिन्न लोगों ने तिरंगा झंडा दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम प्रभारी =, मांजिल सिंह,सह प्रभारी राकेश सिंह युवा मोर्चा जिला परभारी प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह तिरंगा यात्रा का शुभारंभ- स्वतंत्रता सेनानी चंद्रमणि सिंह जी के परिवारजनों के द्वारा किया गया ,इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री संजय सिंह टाइगर, जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, लव पांडे , जिला मंत्री संतोष चंद्रवंशी, पूर्व राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य युवा मोर्चा युवा नेता आनंद उर्फ रमन सिंह ,विजय सिंह, भोजपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव आदित्य विजय जैन, कौशल विद्यार्थी, संतोष तिवारी, शालिनी सिंह, राकेश रंजन पुतुल,युवा मोर्चा जिला महामंत्री राहुल सिंह, जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी, आदि सिंह आदि, धर्मेंद्र पांडे,जिला मंत्री कुणाल सिंह, कुमार प्रतीक,अभिषेक अमन,यीशु प्रकाश, बलजीत सिंह, वैभव सिंह, प्रतीक चंद्रवंशी,आकाश राय, रितिक सिन्हा, राजीव सिंह,अंकित कुमार, अभिषेक कुमार, सुभम सहाय, संदीप कुमार,कमलेश कुमार , शशांक शेखर,विशाल सिंह संतोष सिंह जी, संतोष पाण्डेय जी, रंजन यादव,दिपक सिंह, राजेश कुमार, अभिषेक ओझा,विश्व हिन्दू परिषद जिला सह मंत्री अभिषेक चौरसिया, सेवा प्रमुख रजनीश राजन, बजरंग दल संयोजक अमित पांडे, विद्यार्थी प्रमुख समर्पित मिश्रा वीर स्मारक पर समापन की अध्यक्षता युवा नेता राम दिनेश यादव ने किया और भी सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित है जिसकी जानकारी मीडिया प्रभारी अरिहंत विजय जैन ने दी।

भाजपा नगर व मंडल कार्यसमिति का कार्यकताओं ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) भारतीय जनता पार्टी नगर एवं ग्रामीण मंडल विस्तृत कार्य समिति की बैठक बिक्रमगंज में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय के प्रांगण में हुई। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष नागेश्वर सिंह एवं संचालन ग्रामीण अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने की। बैठक का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों का फूल माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया ऊ। बैठक के मुख्य अतिथि जिला के महामंत्री एवं विधानसभा के प्रभारी विजय सिंह ने दल के आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यकताओं के समक्ष रखी। बताया कि 14 अगस्त को विभाजन दिवस का स्मृति दिवस सासाराम जिला मुख्यालय पर मनाया जाएगा। ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन चंद्र शाह ने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम 13 अगस्त से 15 अगस्त तक बुथ अध्यक्ष के नेतृत्व होगा। तिरंगा यात्रा का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वाधान में होगा। विधानसभा के संयोजक अखिलेश पांडेय ने लोकसभा चुनाव की समीक्षा करते हुए तीसरी बार मोदी सरकार बनने पर जनता के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। बैठक में संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक राकेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष मदन प्रसाद वैश्य, भाजपा नगर अध्यक्ष, बिक्रमगंज नागेश्वर कुशवाहा,पैक्स अध्यक्ष बबन पांडेय, महामंत्री गौतम तिवारी, रवि कुमार भास्कर, महेंद्र शाह, काशीनाथ पासवान, सत्य प्रकाश तिवारी, राजबली सिंह, इंद्रदेव सिंह, देव मुनी पांडेय, संकट सिंह, ने भोला कुमार सिंह, धर्मशिला देवी, नीलम देवी, पिंटू चौधरी, गोपाल कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के मुआवजा को ले संयुक्त किसान मोर्चा ने की प्रेसवार्ता

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर। संयुक्त किसान मोर्चा बिहार की ओर से बक्सर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि निमार्णाधीन चौसा थर्मल पावर हेतु भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों ने अपने वाजिब मुआवजा एवं राहत की मांगों को लेकर लगातार संघर्षरत हैं।जिला समाहर्ता बक्सर और आरक्षी अधीक्षक बक्सर के निदेर्शानुसार कंपनी के सीएफओ,जिला प्रशासन की ओर से बक्सर एसडीएम, बीडीओ (चौसा)और एसडीपीओ, बक्सर एवं थाना प्रभारी बक्सर (मुफस्सिल) तथा किसान प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक में किसानों ने अपने न्याय संगत और विधि समत 11 सूत्री मांगों को रखा। बहुत सारे मुद्दों पर सबकी सहमति बनी और 4 से 6 सप्ताह के अंदर हर हाल में उसे पूरा करने का लिखित आश्वासन भी दिया गया। 5 महीने तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर 9 मार्च 2024 को जिला पदाधिकारी बक्सर से मिलकर किसानों ने अपनी व्यथा सुनाई। इस बीच 20 फरवरी 2024 को कंपनी ने चौसा के महदेवा में किसानों की रैयती जमीन को सरकारी भूमि बता कर जबरदस्ती पाइपलाईन का काम शुरू कर दिया।जिसका किसानों ने विरोध किया । कंपनी ने 16 जनवरी 2024 को पटना उच्च न्यायालय में एक झूठा मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें आरोप लगाया कि किसान हमारे गेट को बंद कर दिया है। जिसके चलते हमारे वर्कर्स कंपनी के भीतर बंद है। पटना उच्च न्यायालय ने बक्सर जिला प्रशासन से जांच करवाई तो जांच मे झूठा साबित हुआ। बाद में कंपनी ने उच्च न्यायालय में गलती मानते हुए माफी मांगी। भारतीय किसान यूनियन टिकट के बिहार प्रभारी दिनेश कुमार ने कहा की आश्चर्य है कि पटना उच्च न्यायालय के समक्ष कंपनी ने जिस गलत मुकदमा करने के लिए माफी मांगी थी। उन्ही झूठे आरोपों को लेकर आंदोलनरत किसान के जेल जाने पर भ्रष्ट प्रशासनिक पदाधिकारियों के कहने पर वेल का विरोध करने कंपनी कोर्ट में पहुंच गई।किसानो पर खर्च करने के बदले राशि का दुरूपयोग कर कम्पनी का पैसा वकील पर खर्च कर रही है।जबकि कंपनी को इससे कोई लेना-देना नहीं था। कंपनी का पैसा पब्लिक मणी है और वह पब्लिक के टैक्स से आती है। कंपनी के आर एंड आर की राशि का बड़े पैमाने पर घोटाला हो रहा है। साथ ही कैग रिपोर्ट में भी भूमि अधिग्रहण में राशि की गड़बड़ी की रिपोर्ट है। चौसा स्टेशन से प्लांट की दूरी मात्र 3 किलोमीटर है । फिर थर्मल पावर के लिए रेलवे कॉरिडोर को 20 किलोमीटर लंबा करने का कोई औचित्य नहीं है। किसान जमीन को बर्बाद करने की नीति का विरोध कर रहे हैं। उसी प्रकार वाटर पाईप लाइन के नाम पर भी बेमतलब उर्वर कृषि भुमि को बर्बाद किया जा रहा है। जिला प्रशासन और कंपनी के भ्रष्ट अफसर मिलकर आरएनआर की राशि की लूट मचाने में लगे हैं। किसान अपने हक की मांग नहीं करें। इसीलिए कम्पनी द्वारा किसानों पर लगातार जुल्म हो रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण 20 मार्च 2024 की बनारपुर की घटना है। भारत सरकार के ऊर्जा सचिव 12 अगस्त को चौसा आ रहे हैं बिंब का कारण जानना चाहेंगे। उन्हें इसका मूल्यांकन करना चाहिए।इस परियोजना मे विलंब क्यों हो रहा है? हम किसान प्रतिनिधि उनसे मिलकर किसानों का पक्ष रखना चाहते हैं कि बिलंब का असली कारण किसान नही बल्कि कम्पनी का प्रबंधन है। प्रेस सम्मेलन में किसान सभा के जिला अध्यक्ष तेज नारायण सिंह और जिला पार्षद केदार सिंह बनारपुर के किसान नेता सुरेंद्र सिंह ने भी अपने विचार को रखा।

शिक्षा में प्रोत्साहन और प्रतिस्पर्धा हेतु एसीएस का निर्णय स्वागत योग्य : डॉ निशांत कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

सामाजिक चिंतक सह भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के सदस्य डॉ निशांत कुमार ने कहा की शिक्षा में सु शासन स्थापित करने और प्रतिस्पर्धा एवम प्रोत्साहन के माध्यम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ के निर्णय को बिल्कुल आवश्यक कहा। डॉ कुमार ने कहा की एसीएस डॉ सिद्धार्थ ने निर्णय लिया की विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चो और शिक्षको दोनो को सम्मान दिया जाएगा।इस निर्णय से बच्चो और शिक्षको के बीच प्रोत्साहन बढ़ेगा।वही एसीएस ने विद्यालयों में नैतिक मूल्यों,अनुशासन और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले शिक्षको को भी विशेष सम्मान देने की बात कही।एसीएस का यह निर्णय स्वागत योग्य है और राज्य स्तर पर शुरूआत होने वाले यह योजना पूरे राज्य के विधालय परिवार में अलख जगाएगा। डॉ कुमार ने कहा की संभवत हमारा राज्य पहला होगा इस प्रकार के अविरल योजना लागू करने में।

शराब बेचने के आरोप में पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने किया विरोध, थाना पहुंचे गांव के सैकड़ों लोग

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव में एक व्यक्ति को शराब बेचने के आरोप में पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने विरोध किया। गांव के सैकड़ों लोग थाना पहुंच आरोप को लगत बताते हुए गिरफ्तार व्यक्ति को छोड़ने की मांग की। गौरतलब हो कि रविवार सुबह काराकाट पुलिस की महिला एसआई अंजली कुमारी गुप्त सूचना पर गांव के पूल के पास ब्रेड-पकौड़े-चाय बेचने वाले गुमटी के पीछे कुछ दूरी पर आधा लीटर बरामद किया। इस पर पड़रिया निवासी ही स्व. रूपचंद सिंह के पुत्र रमेश कुमार को गिरफ्तार कर ली। इसकी सूचना मिलते हीं गांव के सैकड़ों लोग थाने पहुंच गए और गिरफ्तार व्यक्ति को निर्दोष बताते हुए छोड़ने की मांग करने लगे। गांव के संतोष कुमार, अरविंद कुमार, मुकेश कुमार, भरत राम वार्ड पार्षद, कदीर अंसारी, मुरलीधर सिंह, प्रवीण कुमार पासवान, मनोज कुमार, लड्डू कुमार, राजेश कुमार, मयूरी अंसारी, मिथुन कुमार, नीरज कुमार व सहित अन्य सैकड़ो लोगो ने बताया कि रमेश कुमार एक स्वच्छ छवि वाला व्यक्ति है। जिसका शराब से दूर दूर तक कोई रिस्ता नहीं है। किसी ने साजिश कर रमेश को फंसाने की कोशिश की है। पुलिस द्वारा बरामद किया गया शराब रमेश की गुमटी से नहीं बल्कि गुमटी के पीछे कुछ दूरी से मिला है। लोगों ने कहा कि जब तक रमेश को पुलिस नहीं छोड़ती है, हम सभी इसी थाना परिसर में जमे रहेंगे। अंततः पुलिस रमेश कुमार के छोड़ दिया।

शिक्षक संघ गोपगुट भोजपुर के द्वारा किया गया महापंचायत का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आराःबिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ (गोपगुट) भोजपुर के बैनर तले रेड क्रॉस सोसाइटी भवन आरा के सभागार में शिक्षक महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में बतौर पंच उपस्थित माननीय सदस्य, बिहार विधान सभा जगदीशपुर, राम बिशुन सिंह उर्फ लोहिया जी, माननीय सदस्य बिहार विधानसभा अगिआंव, शिव प्रकाश रंजन जी, अधिवक्ता, अमित कुमार बंटी जी एवं सामाजिक कार्यकर्ता ददन सिंह के द्वारा कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। महापंचायत में उपस्थित विधायक सहित सभी मंचासीन गणमान्य को बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ (गोपगुट) भोजपुर की तरफ से अंगवस्त्र, बुके, एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। महापंचायत कार्यक्रम की अध्यक्षता, बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ (गोपगुट) के जिलाध्यक्ष, कृष्ण सिंह विमल एवं मंच संचालन जिला कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार किरण ने किया। महापंचायत के पहले सत्र में उपस्थित सभी प्रखंड के प्रखंड सचिव/अध्यक्ष एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं की तरफ से अपनी समस्याओं को महापंचायत में रखा गया। इस क्रम में जिला उपाध्यक्ष, गोपगुट, भोजपुर, एवं प्रधानाध्यापक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अहिरपुरवा, आरानगर, सत्येंद्र सिंह ने बताया कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय अहिरपुरवा, रोड चौड़ीकरण में चला जा रहा है जिसकी सूचना मैं जिलाधिकारी एवं डीईओ भोजपुर को भी बहुत पहले ही दे चुका हूँ लेकिन विभाग द्वारा अभी तक इस पर संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। विद्यालय के बच्चों के हित में विद्यालय टूटने से पहले विद्यालय हेतु उपलब्ध भूमि पर विद्यालय निर्माण हो सकता है। जिला उपाध्यक्ष, केदार सिंह ने बताया कि नियोजित शिक्षकों का जो ईपीएफ की कटौती वेतन से किया जा रहा है जिसकी अद्यतन स्थिति का पता शिक्षकों को नहीं मिल पाता है। राजेश कुमार, प्रखंड अध्यक्ष, गड़हनी के द्वारा बताया गया कि दीक्षांत समारोह-2024 का विपत्र विद्यालयों द्वारा जिला में जमा कर दिया गया है लेकिन अभी भी अधिकांश विद्यालयों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। शिक्षिका, अंजनी कुमारी, के द्वारा जानकारी दी गई कि वे प्राथमिक विद्यालय रुपचकिया, कोईलवर में पदस्थापित हैं लेकिन वहां पर जानमाल के खतरे के चलते मध्य विद्यालय कायमनगर में प्रतिनियुक्त हैं। जिन्हें मूल विद्यालय में योगदान का पत्र निकला है जबकि आज भी वहां उनके जानमाल का खतरा बना हुआ है। संघ की तरफ से यह भी समस्या रखी गई कि शिक्षक संघ, भोजपुर की तरफ से अपनी मांगों के समर्थन में मशाल जुलूस निकाला गया था। लोकतान्त्रिक तरीके से निकाले गये मशाल जुलूस में शामिल 35 शिक्षक- शिक्षिकाओं का जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर के द्वारा कर लिया गया है। शिक्षकों की तरफ से मुख्य रूप से यह शिकायत महापंचायत में उठाई गई कि नियोजित शिक्षकों (कोषागार) का अभी तक 15% वर्द्धित बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया है जबकि आवंटन पहले ही प्राप्त हुआ था। नियोजित शिक्षकों को 12 वर्षों की सेवा पूर्ण के उपरान्त स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति,, नियोजित शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाओं का बीईओ के द्वारा अद्यतन नहीं किया जाना, नियोजित शिक्षकों के वर्द्धित महंगाई भत्ता का भुगतान नहीं किये जाने सहित विभिन्न समस्याओं को महा पंचायत में रखा गया। माननीय विधायक अगिआंव, शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि महापंचायत में उठाये गये सभी समस्याओं के निराकरण हेतु हम सभी पंचों द्वारा जिलाधिकारी भोजपुर एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, भोजपुर से निराकरण कराया जायेगा। महापंचायत में उपस्थित माननीय विधायक, जगदीशपुर, राम बिशुन सिंह उर्फ लोहिया जी न कहा कि शिक्षकों की जितनी भी समस्याएं उठाई गई हैं उसमें से अधिकांश समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर ही कराया जायेगा। राज्य स्तर की समस्याओं का निराकरण विधानसभा में रखकर कराया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थित बतौर पंच अमित कुमार बंटी एवं ददन जी के जायस सवालों का समाधान कराने की पूरजोर वकालत की गई। कार्यक्रम में सत्येंद्र कुमार सिंह, डॉ.मनोज कुमार गुप्ता,कमलेश कुमार,मनीष कुमार सिंह,मनोज कुमार किरण,महेश बैठा,राजेश कुमार,देव कुमार सिंह,केदार नाथ सिंह,कुमारी अल्का,मंटू कुमार,मनोज कुमार सिंह, अंजू कुमारी,अंजनी कुमारी,चुन्नी कुमारी चंचला,लक्ष्मी कुमारी सहित काफी संख्या में शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु तत्पर है श्रम संसाधन विभाग

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : रविवार को रोहतास जिला अंतर्गत काराकाट प्रखंड क्षेत्र के बुढ़वल पंचायत में श्रम संसाधन विभाग के मंत्री संतोष कुमार सिंह के विशेष निर्देश पर श्रमिकों का बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन एवं बोर्ड द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया । उक्त कैंप में 159 श्रमिकों की उपस्थिति रही ।जबकि ऑनलाइन निबंधन हेतु 103 आवेदन प्राप्त हुए । स्थल पर आए श्रमिकों में से नवीकरण हेतु 20 जबकि योजना से संबंधित कुल 05 आवेदन प्राप्त हुए । बिहार शताब्दी स्वाभाविक मृत्यु योजना का 4 आवेदन प्राप्त हुआ । कैंप में प्राप्त आवेदनों को जिसे सीएससी के माध्यम से तत्काल ऑनलाइन करवाया गया । इसके साथ ही कुछ श्रमिकों के बीच का ऑनलाइन कार्ड बनाया गया । इस दौरान बुढ़वल पंचायत की मुखिया कुसुम देवी, उपमुखिया पूनम देवी, पंचायत समिति सदस्य जीतेन्द्र पाल, वार्ड सं 1 के वार्ड सदस्य भरत राम, वार्ड सं 02 के वार्ड सदस्य सोनिया देवी, वार्ड सं 04 की वार्ड सदस्य पिंटू देवी , वार्ड 5 सदस्य सुनैना देवी, वार्ड 6 सदस्य अशोक प्रसाद, वार्ड 7 सदस्य शांति देवी, वार्ड 8 सदस्य इंदु देवी, वार्ड 9 सदस्य चंचल कुमारी उपस्थित हुए । उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रमिकों से उनके हितार्थ बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभ और पंजीकरण संबंधित जानकारी प्राप्त की और श्रमिकों का निबंधन भी करवाया । इसके उपरांत उन्होंने आम जन और श्रमिक बंधुओं से योजनाओं के लाभ हेतु पंजीकरण कराने का आग्रह किया । देवाशीष कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी काराकाट, बब्लू कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी दिनारा ने उनके दैनिक आय, कठिनाईयों और समस्याओं को भी सुना । साथ ही उन्हें सम्मानजनक जीविकोपार्जन हेतु सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया । उन्होंने बताया कि श्रमिकों के लिए विभाग के बोर्ड के तहत निबंधित कामगारों को लाभ दिए जाने हेतु अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है ।

मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

दावथ(रोहतास) : सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के विभिन्न गावों मे गुप्त सुचना के आधार पर एक जाँच दल का गठन कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर तीन लोगो पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा बताया गया की मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर ग्राम-अगरेर खुर्द के नूर आलम अंसारी पर 8674, ग्राम-अंधार के जय प्रकाश दुबे पर 26983 रुपए दंडित राशि लगायी गयी है। उक्त दोनों उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर से पहले तार मे कटिंग करके तथा मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी जिसके कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताते चलें की ग्राम-लखनपुरा के कन्हैया चौधरी पर बकाया राशि रहने के कारण विद्युत कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दी गयी थी जिसके पश्चात बिना बकाया राशि तथा पुनः विद्युत संयोजन शुल्क जमा किये अवैध रूप विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर 54982 राजस्व की क्षति लगायी गयी है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी से आग्रह किया गया है की जो भी विद्युत कनेक्शन नहीं लिए हैं वह सुविधा एप्प के माध्यम से विद्युत कनेक्शन ले लें तथा जो मीटर बाईपास कर विद्युत का उपभोग कर रहे हैं वह दुरुस्त कर ले अन्यथा जाँच के दौरान बिजली चोरी पाए जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। जाँच दल मे क्षेत्रीय मिस्त्री अभिषेक कुमार, अमर सिंह आदि मौजूद थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त, 2024

उर्फी जावेद की वेब सीरीज फॉलो कर लो यार 23 अगस्त से ओटीटी पर

सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद अपने अनोखे फैशन के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, अब वह नए शो को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जो 23 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। इस शो का नाम फॉलो कर लो यार है। जो नौ एपिसोड का होगा। इसमें ऑडियो-विजुअल स्टोरीटेलिंग का एक अनस्क्रिप्टेड कॉन्सेप्ट रखा गया है। एक ऐसी हस्ती, जिसे कुछ लोग नफरत करते हैं और कुछ लोग प्यार करते हैं। लेकिन, इसके बावजूद कोई भी उसे अनदेखा नहीं कर पाता है, फॉलो कर लो यार उर्फी जावेद के इर्द-गिर्द के उन्हीं रहस्य को सामने लाएगा। यह वेब सीरीज उर्फी के जीवन, उसके सफर और मुश्किलों को पार करने के बारे में है। इन्हीं सब बातों को मुख्य रूप से वेब सीरीज में दिखाया जाएगा। साथ ही उर्फी के खराब पारिवारिक जीवन के बारे में भी फोकस होगा। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल के प्रमुख निखिल मधोक ने एक बयान में कहा, 'महत्वाकांक्षा की कहानियां हमेशा दर्शकों को पसंद आती हैं और लखनऊ की एक साधारण लड़की से देश के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरे तक उर्फी की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

उन्होंने कहा, उनकी कहानी फैशन और मनोरंजन की दुनिया में अपना अनूठा रास्ता बनाने के संकल्प और जुनून को दिखाती है। उन्होंने अपनी साधारण शुरुआत से सोशल मीडिया सनसनी तक का सफर तय किया है। निर्देशक संदीप कुकरेजा के साथ हमें 'फॉलो कर लो यार' पेश करने में खुशी हो रही है, जो एक आकर्षक और मनोरंजक रियलिटी-फॉलो सीरीज है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी। वहीं, शो के निर्माताओं ने शनिवार को एक वीडियो भी जारी किया। इसमें उर्फी को सोशल मीडिया की वजह से अपनी ज़िंदगी में आने वाली चुनौतियों, दूसरों को परेशान करने वाले लोगों और अपने परिवार के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। सोल प्रोडक्शंस, फाजिला अल्लाना और कामना मेनजिस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित फॉलो कर लो यार 23 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

तमन्ना भाटिया के हाथ लगी एक और थ्रिलर सीरीज!

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों फिल्म स्त्री 2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। फिल्म से जारी हुआ नया गाना आज की रात में अपने डांस मूव्स के लिए उन्हें काफी तारीफें मिल रही हैं। इस बीच अभिनेत्री की अगली परियोजना पर नई जानकारी सामने आई है, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर देगी। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि अभिनेत्री जल्द ही नई सीरीज में नजर आने वाली हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है। दरअसल, हाल ही में निर्माता प्रीति सिमोस ने एक और दिलचस्प वास्तविक जीवन के मामले पर आधारित एक आगामी वेब सीरीज के लिए करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ हाथ मिलाया था और उन्होंने नई सीरीज की घोषणा की थी। हालांकि, इस सीरीज से जुड़ी अन्य बातें अभी गुप्त रखी गई हैं। वहीं अब चर्चा है कि सीरीज में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री का चयन कर लिया गया है, वह कोई और नही, बल्कि तमन्ना भाटिया हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रीति सिमोस इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री तमन्ना के साथ फिर से काम करेंगी। कथित तौर पर वे तमन्ना भाटिया को मुख्य भूमिका में पेश करने की योजना बना रही हैं।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तमन्ना शो के लिए निर्माताओं की पहली पसंद थीं। इससे पहले उन्होंने सीरीज आखिरी सच में साथ काम किया था, जो काफी सफल परियोजना थी, इसलिए उन्होंने अपनी इस जोड़ी को फिर से बनाने के बारे में सोचा है। सीरीज को लेकर अन्य कलाकारों की कास्टिंग अभी चल रही है। इसके साथ ही वे पुरुष प्रधान भूमिका निभाने के लिए लोकप्रिय अभिनेता से बातचीत कर रहे हैं। एक बार जब सब कुछ तय हो जाएगा तो वे इस बात पर चर्चा करेंगे की सीरीज की शूटिंग कब करनी है। अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई तो यह प्रीति सिमोस और तमन्ना भाटिया का दूसरा सहयोग होगा। इससे पहले उन्होंने आखिरी सच में साथ काम किया था, जो कुख्यात बुराड़ी मौतों पर आधारित थी। इससे पहले प्रीति ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के साथ इस सहयोग की घोषणा करते हुए एक तस्वीर साझा की थी। उन्होंने अपने जन्मदिन पर प्रशंसकों को तोहफा देते हुए इस सीरीज का ऐलान किया था। एक रोमांचक नया अध्याय, एक ऐसा मामला, जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया। एक शानदार यात्रा की प्रतीक्षा है। कृपया हमें अपनी शुभकामनाओं से आशीर्वाद दें।

मेरे बेटे से दोस्त करते हैं ये सवाल-आजीविका के लिए मैं क्या करती हूं?

मलाइका अरोड़ा अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। अपने प्रोफेशन और फिटनेस के अलावा अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। मलाइका इन दिनों पेरिस में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे अरहान के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात की। मलाइका ने जिक्र किया कि अरहान के दोस्त अक्सर उससे पूछते हैं कि उनकी मां आजीविका के लिए वास्तव में क्या करती है। इसका अरहान के पास कोई जवाब नहीं होता। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में हार्पर मैगजीन के साथ बातचीत की। इस दौरान मलाइका ने कहा, एक दिन मेरे बेटे ने मुझे बताया कि उसके दोस्त इस बात को लेकर उलझन में हैं कि मैं आखिर क्या करती हूं। वे कहते हैं... तो उन्होंने फिल्में की हैं, गाने गाए हैं, वह वीजे रही है, मॉडल रही है, वह टीवी पर काम करती है। वे भी उलझन में पड़ जाते हैं।

मलाइका अरोड़ा मल्टीफेस पर्सनैलिटी हैं। वह अभिनेत्री होने के अलावा टीवी होस्ट हैं। डांस रियलिटी शो में जज हैं। मॉडल और डांस हैं। मलाइका कहती हैं, मैं वही करती हूं, जिससे मुझे अच्छा लगता है। मलाइका अरोड़ा ने आगे कहा कि जब कोई उनसे कहता है कि, आप उम्र के इस पड़ाव पर भी बेहद खूबसूरत लगती हो, तो बहुत अच्छा महसूस होता है। मुझे नहीं लगता कि लोग इसे अपमानजनक तरीके से कहते हैं। यह एक तारीफ है। उम्र के इस पड़ाव पर अगर मैं ऐसी दिखती हूं, तो इसके पीछे मेरी कठिन मेहनत, समर्पण और फोकस है। मेहनत ही रंग ला रही है।

मलाइका ने आगे कहा, जब कोई मुझसे पूछता है, आप ऐसे बने रहने के लिए क्या करते हैं? तो बहुत अच्छा लगता है। मलाइका सोशल मीडिया पर भी खूब लोकप्रिय हैं। अक्सर वे अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती नजर आती हैं। ट्रोल के निशाने पर भी मलाइका खूब रहती हैं। ट्रोलिंग को लेकर मलाइका का कहना है, शोर को रोकना सीख लिया है। कभी-कभी जब मुझे मेरे बारे में कुछ बुरा लिखा हुआ मिलता है, तो मैं मानती हूं कि इससे मेरा दिन खराब हो जाता है, लेकिन मैं शोर को रोकने में बेहतर हो रही हूं।

मलाइका का कहना है, मैं खुद को वैसा ही बनाए रखने के लिए बहुत काम करती हूं, जैसी मैं हूं। मानसिक रूप से मजबूत। खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखने के लिए मैं योग और ध्यान की प्रैक्टिस करती हूं। इसके अलावा समय पर खाना और सोना भी मेरे रुटीन का हिस्सा है। निजी जिंदगी की बात करें तो मलाइका अरोड़ा की शादी अरबाज खान से हुई। दोनों के एक बेटा अरहान है। हालांकि, मलाइका और अरबाज का तलाक हो चुका है।

खेल खेल में पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, अम्मी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील की फिल्म खेल खेल में सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म को लेकर नई-नई जानकारियां लगातार सामने आ रही हैं। एक ओर फिल्म से निर्माता नया गाना रिलीज करने की तैयारी में है तो वहीं दूसरी ओर फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जिसे सुन प्रशंसक खुश हो गए है। दरअसल, फिल्म ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। हालांकि, फिल्म के दो दृश्यों को सेंसर बोर्ड ने एडिट किया है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को हरी झंडी दिखा दी है। सीबीएफसी ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दिया है। इसके साथ ही फिल्म की अवधि का भी खुलासा हुआ है। सेंसर बोर्ड ने 8 अगस्त को ही यूए सर्टिफिकेट के साथ फिल्म को हरी झंडी दिखा दी थी, जिसकी जानकारी निर्माताओं ने दी थी। इसका रनटाइम 134.07 मिनट है यानी 2 घंटे, 14 मिनट और 7 सेकंड है। हालांकि, ताजा जानकारी फिल्म पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची को लेकर है। दरअसल, अब यह पता चला है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म से दो दृश्यों को हटाने या उसे म्यूट करने के लिए कहा है। वे दो दृश्य है फिल्म में बोले गए दो अपशब्द। कट लिस्ट के अनुसार, सीबीएफसी की जांच समिति ने किसी भी दृश्य कट का अनुरोध नहीं किया। हालांकि, उन्होंने दो अपशब्दों को म्यूट करने के लिए कहा। हालांकि, अब तक इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि उन दो शब्दों को फिल्म से हटाया गया है या म्यूट किया गया है। इससे पहले फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसमें कहानी की छोटी सी झलक देखने को मिली थी। ट्रेलर में दिखाया गया था कि सात दोस्त एक रात डिनर पार्टी के लिए मिलते हैं और एक रोमांचक खेल खेलते है, जिसमें वे खुद ही उलझ कर रह जाते हैं। वह खेल होता है फोन का। दरअसल, सभी लोगों के फोन उस समय सार्वजानिक संपत्ति बन जाते हैं और उसके कोई भी मैसेज या कॉल या निजी जानकारी सभी देख सकते हैं। ऐसे में सभी के छिपे राज एक-एक कर बाहर आने लगते हैं, जिसने उनके रिश्तों पर असर पड़ता है। खेल खेल में का निर्माण टी-सीरीज फिल्म, वकाउ फिल्म्स और केकेएम फिल्म ने किया है।

लापता लेडीज की सुप्रीम कोर्ट में स्क्रीनिंग से खुश हैं किरण राव

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' की 9 अगस्त को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में विशेष स्क्रीनिंग की गई। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक भवन परिसर के सभागार में संपन्न हुआ। यह स्क्रीनिंग लैंगिक संवेदनशीलता के चल रहे कार्यक्रम का हिस्सा थी। स्क्रीनिंग के बाद निर्देशक किरण राव ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए आभार जताया है।

किरण ने साझा की तस्वीरें

किरण ने स्क्रीनिंग की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। पहली तस्वीर में, वह और आमिर खान, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी के साथ दिखाई दे रही हैं। वहीं, अन्य तस्वीरों में कार्यक्रम के कुछ पल भी कैद हुए हैं, जिसमें आमिर खान, किरण राव और सीजेआई बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

किरण राव ने जताया आभार

किरण राव ने पोस्ट करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, उनकी साथी सुश्री कल्पना दास और पूरी सीजेआई टीम को धन्यवाद देते हुए खुशी और आभार जताया है। उन्होंने लिखा, 'हमें कल सुप्रीम कोर्ट में अपनी फिल्म 'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग के लिए अविश्वसनीय सम्मान मिला। जैसा कि इन तस्वीरों में दिख रहा है, मैं बहुत खुश हूं! हमारे बेहतरीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, उनकी बेहतरीन साथी सुश्री कल्पना दास और सीजेआई की पूरी टीम का तहे दिल से शुक्रिया। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं निजी तौर पर हमेशा याद रखूंगी और अपनी पूरी कास्ट और क्रू की ओर से मैं इस सम्मान के लिए बहुत आभारी हूं।'

सनी कौशल ने शरवरी वाघ के साथ डेटिंग की अफवाहों का किया खंडन

इन दिनों सनी कौशल अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म आज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिर आई हसीन दिलरुबा साल 2021 में आई हसीन दिलरुबा का अगला भाग है। वहीं विक्की कौशल के भाई, कैटरीना के देवर और अभिनेता सनी कौशल अपनी लव लाइफ को लेकर फिर से चर्चा में आ गए हैं। सनी के बारे में पिछले कुछ सालों से यही अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह अभिनेत्री शरवरी वाघ के साथ रिलेशनशिप में हैं। वैसे सनी और शरवरी के अफेयर की अफवाहें ऐसे ही सोशल मीडिया पर नहीं छाई हैं। उन्हें अक्सर एक-दूजे के साथ देखा जा चुका है, साथ ही कई बार शरवरी को विक्की, कैटरीना और सनी की बर्थडे पार्टी में भी फैमिली के साथ एंजॉय करते देखा जा चुका हैं। यही नहीं बल्कि सनी कौशल और शरवरी वाघ की डेटिंग की अफवाह तब भी सामने आई थीं, जब दोनों अबू धाबी में एक साथ ढ्ढस्न अवॉर्ड्स में शामिल हुए थे। उन्हें कई मौकों पर एक साथ देखा जा चुका है। लेकिन अब सनी ने हाल ही में शरवरी के साथ अपने अफेयर को महज एक अफवाह बताया है।

सिर्फ अच्छी दोस्त है

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिर आई हसीन दिलरुबा के इंटरव्यू के दौरान सनी ने कहा, मैं सिंगल हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शरवरी को डेट कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि वह उनकी बहुत अच्छी दोस्त हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे पहले, सनी कौशल ने अपनी डेटिंग अफवाहों पर बात करते हुए कहा था, मैंने अपने माता-पिता से बहुत पहले ही कह दिया था कि वे मुझे इस तरह न देखें जैसे कि मैं अगली कतार में हूं। जब मेरी निजी जिंदगी सुर्खियां बनती है, तो मुझे इससे कोई परेशानी नहीं होती। क्योंकि यह सिर्फ केवल समाचार की सुर्खियां हैं। इसे रीयल बनाना और इसे बहुत गंभीरता से लेना हमारे लिए मूर्खता होगी। हालांकि, शरवरी और सनी ने कभी भी अपने रिलेशनशिप को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

काम की बात करें तो सनी कौशल फिर आई हसीन दिलरुबा में नजर आ रहे हैं, जो आज ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आज रात 12.30 बजे फिर आई हसीन दिलरुबा को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर देख सकते हैं। बता दें पहली फिल्म हसीन दिलरुबा की कहानी को आगे बढ़ाते हुए, रानी कश्यप और ऋषभ सक्सेना की कहानी है, जो आगरा के जीवंत शहर में एक नई शुरुआत की तलाश में हैं। सनी कौशल इसमें अभिमन्यु के किरदार में नजर आ रहे हैं। उनके आने से इस फिल्म में नया नाटकीय मोड़ शामिल हो गया है, जो नाटक में साजिश की एक नई परत पेश करता है।

पैपराजी से डरीं तापसी, बोलीं- आप मुझे डरा रहे हो

तापसी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी से डरी हुई नजर आ रही हैं। इस वायरल वीडियो में तापसी पैपराजी से कह रही है कि हड़बड़ी की वजह से वह उन्हें डरा रहे हैं तापसी अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की स्क्रीनिंग पर गई थीं। तापसी की फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। तापसी की जल्द ही फिल्म खेल खेल में भी रिलीज होने वाली है खेल खेल में 15 अगस्त को रिलीज होगी।

व्यापार

सेंसेक्स
79709.37 पर बंद
निफ्टी
24362.75 पर बंद

सोना
68,410
चांदी
83,000

चीन में उपभोक्ता खर्च में गिरावट : लोग कर सस्ते उत्पादों की ओर रुख, कंपनियों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां तक कि जो लोग गरीब हैं, वे भी गर्मी से डरते हैं। चीन में ड्रिंक्स और आइसक्रीम बनाने वाली चेन मिक्सयू के लेमोनेड पर छपा यह स्लोगन देश के उपभोक्ता खर्च के बारे में बहुत कुछ कहता है। भीषण गर्मी के बीच इस सस्ते पेय की बिक्री में भारी वृद्धि हुई है, जबकि इसका मूल्य चाय के मुकाबले काफी कम है। ब्लॉगर्स का मानना है कि लेमोनेड की बढ़ती मांग उपभोक्ताओं द्वारा अपनाई जा रही किफायत की प्रवृत्ति को दर्शाती है। चीन में उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के बीच, सस्ते उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

चीन में उपभोक्ता खर्च में भारी कमी आई है। शंघाई जैसे बड़े शहरों में 2024 के पहले छह महीनों में उपभोक्ता खर्च पिछले साल की तुलना में 2.3त्न कम हो गया है। लोगों ने महंगे उत्पादों से दूरी बना ली है और अब वे सस्ते और किफायती विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे लग्जरी उत्पादों और ब्रांडेड वस्तुओं की बिक्री में गिरावट आई है। चीन में प्रॉपर्टी मार्केट, जो पहले परिवारों के निवेश का सबसे बड़ा स्रोत था, अब ठंडा पड़ गया है। इससे न केवल घरों की बिक्री प्रभावित हुई है, बल्कि इससे जुड़े अन्य उद्योगों पर भी बुरा असर पड़ा है। उपभोक्ता खर्च में कमी के चलते चीन की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी समस्याएं उभर रही हैं। उदाहरण के लिए, प्रॉपर्टी फर्म एवरग्रांडे की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी हॅगची ने बताया कि उसकी दो सहायक यूनिट्स दिवालिया हो चुकी हैं। जून 2023 के अंत तक लगभग 30त्न इंडस्ट्रियल कंपनियां घाटे में चल रही थीं। चीन में छोटे और मध्यम उद्योगों की स्थिति भी खराब हो रही है। साल की पहली छमाही में, घाटा उठाने वाली इंडस्ट्रियल कंपनियों की संख्या 44त्न तक पहुंच गई थी। इसके अलावा, 2023 की शुरुआत में ही इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली आठ बड़ी कंपनियां बंद हो गईं या उन्होंने प्रोडक्शन रोक दिया। ईवी के सहायक उद्योग भी इस संकट से अछूते नहीं रहे हैं, और पिछले साल लगभग 52,000 ईवी से संबंधित कंपनियां बंद हो चुकी हैं। चीन की सरकार ने इस स्थिति को संभालने के लिए कई कदम उठाए हैं। 3 अगस्त को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्टेट काउंसिल ने बीस सूत्री योजना पेश की, जिसका उद्देश्य बच्चों, बुजुर्गों की देखभाल, शिक्षा, स्पोर्ट्स और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देना है। सरकार के ये प्रयास इस बात को दर्शाते हैं कि वे आर्थिक गतिविधियों में आई इस गिरावट से निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति से निपटना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। चीन में उपभोक्ता खर्च और आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार को लंबी अवधि के प्रभावी उपायों की जरूरत होगी।

चालू वित्त वर्ष में घट सकता है दालों का आयात, खुदरा कीमतें भी कम होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का दालों का आयात पिछले वर्ष के 47.38 लाख टन से घटकर चालू वित्त वर्ष में 40-45 लाख टन रह सकता है, ऐसा इंडस्ट्री बॉडी इंडिया पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन के चेयरमैन बिमल कोठारी का कहना है। उन्होंने इस साल मॉनसून की अच्छी स्थिति के चलते घरेलू उत्पादन में वृद्धि और खुदरा कीमतों में कमी की संभावना जताई है।

आईपीजीए ने सरकार से मांग की है कि दाल बाजार के लिए दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, ताकि बार-बार बदलाव से अंशधारकों के हितों को नुकसान न पहुंचे। इसके अलावा, संस्था ने पीली मटर पर आयात शुल्क लगाने की भी सिफारिश की है। कोठारी ने भारत दलहन सेमिनार 2024 में संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष में दालों के आयात की मात्रा 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। कोठारी ने कहा कि फसल वर्ष 2024-25 में दालों के उत्पादन में सुधार और पिछले वित्त वर्ष में अधिक आयात के कारण आयात में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 16 लाख टन मसूर दाल का आयात किया था, जबकि 10 लाख टन की जरूरत थी। पीली मटर का आयात भी 2023-24 के स्तर से कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल मॉनसून की बारिश बेहतर रही है और खरीफ सत्र में दालों की फसल का रकबा बढ़ा है,

संक्षिप्त समाचार

शाह मेटाकार्प की वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही की आय में 141 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि, कर पूर्व लाभ 106 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। स्टेनलेस स्टील प्रोडक्ट के विभिन्न रेंज की एक प्रमुख निर्माता, निर्यातक और सप्लायर, शाह मेटाकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए शाह मेटाकॉर्प लिमिटेड के सीईओ श्री विरल शाह ने कहा, वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के साथ वित्त वर्ष 25 की शुरुआत हुई है, जहां पर आय में 141त्नकी वृद्धि हुई है और हमारे प्रोडक्ट रेंज की बढ़ी मांग के कारण कर पूर्व लाभ स्तर पर लाभ दुगने से अधिक हो गया है.आगे देखने पर हम हमारे प्रोडक्ट आफरिंग का विस्तार कर, ग्राहक संबंध मजबूत करते हुए और हमारी कारोबारी व्यूहनीति के एक प्रमुख घटक के रूप में सस्टेनेबिलिटी को अपना कर हमारी बाजार स्थित और मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध बने हुए हैं.

एचडीएफसी इर्गो ने खरीफ सीजन के लिए मध्य प्रदेश में किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बड़वानी, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने खरीफ, 2024 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, सैलाब, कीट, बीमारियों आदि जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।इस योजना में फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं।

लेनोवो ने बैक टू कॉलेज ऑफर की घोषणा की- नोटबुक और डेस्कटॉप पर दिया बड़ी बचत का मौका

बैंगलोर, एजेंसी। लेनोवो, ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस, 18 अगस्त, 2024 तक लागू अपनी स्पेशल बैक-टू-कॉलेज (बीटीसी) ऑफ़र की घोषणा करते हुए उत्साहित है। ये ऑफ़र छात्रों को बेहतरीन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन बेजोड़ कीमतों पर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सभी के लिए स्मार्टर टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लेनोवो के दृष्टिकोण के अनुरूप, ब्रांड छात्रों के बीच प्रीमियम डिवाइस की मांग को पूरा करने के लिए लैपटॉप और एक्सेसरीज़ पर कई तरह की छूट दे रहा है। युवाओं के बीच लेनोवो द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि कॉलेज के छात्रों में संगीत के प्रति गहरी रुचि होती है और उन्हें बेहतर गेमिंग अनुभव के लिए मॉनिटर, हेडसेट और माउस सहित एक बेहतर और सक्षम गेमिंग डिवाइस इकोसिस्टम की आवश्यकता होती है। लेनोवो ने इन जानकारियों के आधार पर युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने नए सीजनल ऑफ़र तैयार किए हैं

फैंसी नंबर प्लेट्स का शौक होगा महंगा, 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। गाड़ियों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाने का शौक जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28 प्रतिशत की जीएसटी दर लागू करने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम जीएसटी दर लगाई जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर जीएसटी की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेट्स लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28 प्रतिशत की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। गाड़ियों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं।

फील्ड फॉर्मेशंस सभी राज्यों और जोन में स्थित केंद्र सरकार के दफ्तर होते हैं, जो टैक्स कलेक्शन के लिए जिम्मेदार होते हैं। टैक्स कलेक्शन के अलावा फील्ड फॉर्मेशंस के पास टैक्स से जुड़े नियमों को लागू कराने की भी जिम्मेदारी होती है और वही टैक्सपेयर्स के साथ संवाद भी करते हैं। अगर फील्ड फॉर्मेशंस की बात मानी गई तो जल्दी ही फैंसी नंबर के लिए लोगों का खर्च बढ़ने वाला है।

3 बैंकों ने ग्राहकों को दिया झटका, बढ़ जाएगी अब आपकी ईएमआई, एमसीएलआर में हुआ इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीन बड़े सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है। बैंक ने सभी टेन्योर के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और यूको बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट्स का इजाफा किया है।

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने फंड की सीमांत लागत आधारित ब्याज ([illegible]) को 0.05 प्रतिशत बढ़ा दिया। यह वृद्धि सभी अवधि के कर्ज के लिए की गयी है। इससे ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज महंगे हो जाएंगे। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल की अवधि वाली एमसीएलआर अब नौ प्रतिशत होगी। वर्तमान में यह 8.95 प्रतिशत है। इसका उपयोग वाहन और व्यक्तिगत जैसे ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज पर ब्याज तय करने के लिए किया जाता है।

तीन साल के लिए एमसीएलआर 9.40 प्रतिशत होगी जबकि दो साल की अवधि के लिए एमसीएलआर को 0.05 प्रतिशत बढ़ाकर 9.30 प्रतिशत कर दिया गया है। एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज 8.35-8.80 प्रतिशत के दायरे में होगा। नई दरें 12 अगस्त, 2024 से प्रभावी होंगी।

इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ने 12 अगस्त से कुछ अवधि के लिए एमसीएलआर में बदलाव किया है। यूको बैंक की एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट कमेटी10 अगस्त से प्रभावी कुछ अवधि के लिए उधार दर में पांच आधार अंक (बीपीएस) की बढ़ोतरी करेगी।

एमसीएलआर एक बेंचमार्क ब्याज दर है जिसका इसके मुताबिक सभी बैंक अपने ग्राहकों होम लोन, ऑटो लोन समेत कई लोन देते है। बैंक इस ब्याज दर से कम पर लोन की इजाजत नहीं देते हैं। आरबीआई ने लोन के लिए ब्याज दरें तय करने के लिए 1 अप्रैल 2016 को एमसीएलआर लागू किया था। बीते गुरुवार को आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति पर सतर्क रुख बरकरार रखते हुए रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया।

पाकिस्तान में गहराया आर्थिक संकट, उधार लेकर घर खर्च चला रहे लोग, 56 प्रतिशत नहीं कर पा रहे कोई बचत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आम जनता को अपने खर्चे पूरे करने के लिए या तो उधार लेकर काम चलाना पड़ रहा है या फिर वे पार्ट टाइम नौकरी करने को मजबूर हो रहे हैं।

पाकिस्तान में आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की खुद को बड़ी ताकत समझने की खुशफहमी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान अभी भी भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है और वहीं इस्राइल के खिलाफ ईरान को सैन्य मदद देने पर भी विचार कर रहा है। पाकिस्तान खुद को अरब दुनिया का रहनुमा समझता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अरब देशों के सामने भीख के लिए हाथ फैलाने में भी उसे शर्म नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान पर यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है

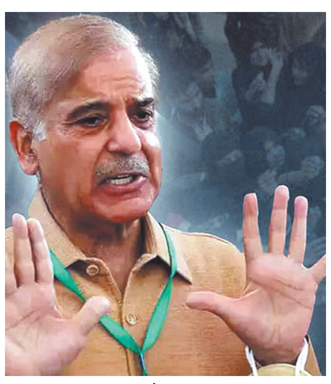

कि घर में नहीं हैं दाने, अम्मा चली भुनाने। अब एक ताजा रिपोर्ट में पता चला है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और वह कंगाली के कगार पर पहुंच गया है।

पाकिस्तान में हुए एक ताजा आर्थिक सर्वे में पता चला है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। हालात ये हैं कि देश के 74 प्रतिशत लोग अपने मासिक खर्चों को पूरा करने के लिए जूझ रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले ये 14 प्रतिशत ज्यादा है। पाकिस्तान में आम जनता को अपने खर्चे पूरे करने के लिए या तो उधार लेकर काम चलाना पड़ रहा है या फिर वे पार्ट टाइम नौकरी करने को मजबूर हो रहे हैं। सरकार ने एक आर्थिक योजना तैयार की है, लेकिन बढ़ता कर्ज पाकिस्तान का सिर दर्द बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान के 11 बड़े शहरों में हजारों लोगों पर जुलाई और अगस्त महीने में एक सर्वे किया गया था। इस सर्वे में पता चला कि मई 2023 में जहां 60 फीसदी लोगों को अपने घरेलू खर्चा चलाने में परेशानी हो रही थी, अब उनकी संख्या बढ़कर 74 प्रतिशत हो गई है। 60 प्रतिशत लोगों को अपने घरेलू खर्चों में कटौती करनी पड़ी है। वहीं 40 प्रतिशत लोग उधार लेकर अपना परिवार पाल रहे हैं। 10 प्रतिशत लोगों ने अपने खर्च चलाने के लिए पार्ट टाइम नौकरी करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के 56 प्रतिशत लोग कोई बचत नहीं कर पा रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की माली हालत कैसी है। पाकिस्तान के लोगों की खर्च की क्षमता में आई कमी, महंगाई के असर को लेकर भी एक सर्वे किया जा रहा है। हालात को देखते हुए उसमें भी चौंकाने वाले आंकड़े आने की उम्मीद है। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार अब संघीय बजट में राज्यों की हिस्सेदारी को 39.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 48.7 प्रतिशत करने की तैयारी कर रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील से तिरंगा बिक्री में 60-70 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की आजादी के 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बाजार में तिरंगे और संबंधित आइटम्स की बिक्री में भारी उछाल देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देशवासियों से इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। बता दें कि प्रधानमंत्री ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर में तिरंगा लगाया और लोगों से भी ऐसा करने और तिरंगे के साथ सेल्फी भेजने की अपील की। इस अपील के बाद तिरंगे की बिक्री में 60-70 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। बता दें कि 2022 में भी मोदी ने इसी तरह हर घर तिरंगा अभियान चलाने की अपील की थी और उस समय में तिरंगे झंडे की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया था।

सदर बाजार में झंडे का कारोबार करने वाले सूरज प्रकाश ने बताया कि 15 अगस्त के करीब आते ही तिरंगे और इससे जुड़े आइटम्स की बिक्री में तेजी आई है। पिछले 3-4 दिनों में ही बिक्री में 60-70 प्रतिशत का उछाल देखा गया। प्रधानमंत्री की अपील के बाद तो एक दिन में ही बिक्री में 90 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है। देशभर के साथ-साथ विदेशों से भी तिरंगे के ऑर्डर मिल रहे हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसे देश शामिल हैं।

मोहम्मद मिराज, जो सदर बाजार में भी झंडों का कारोबार करते हैं ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ऑर्डर्स की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिख रहा है और लोग बल्क में झंडे खरीदकर बांट रहे हैं।

सूरज ने बताया कि यूं तो तिरंगा कलर के कई आइटम्स बिक रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा कपड़े के झंडे ही बिक रहे हैं।

अमित शाह का चीनी मिलों से एथनॉल के कच्चे माल में विविधता लाने का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चीनी मिलों से एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का विकल्प तलाशने को कहा और जैव ईंधन विनिर्माण के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एथनॉल) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा, ÷बीस प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2030 रखा गया है। हम 2025-26 में लक्ष्य हासिल कर लेंगे।÷ मंत्री ने कहा कि सरकार के एथनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम से देश के कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है। शाह ने चीनी मिलों के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, आपको भविष्यदर्शी होने और अवसरों को देखने तथा विस्तार करने की आवश्यकता है। एथनॉल कई स्रोतों से बनाया जा सकता है। शाह ने सहकारी चीनी मिलों से आग्रह किया कि वे अपना रूढ़िवादी दृष्टिकोण त्यागें और मक्का तथा बांस जैसे वैकल्पिक कच्चे माल का उपयोग करें।

ऑल राउंडर फोन, बैटरी को लेकर 4 साल तक नो टेंशन, मिलिट्री ग्रेड की मजबूती सिर्फ 12,999 रुपये में

नई दिल्ली, एजेंसी। ओपो ने हाल ही में अपनी के सीरीज के नए फोन ओपो के12× 5 प्रतिशत को भारतीय बाजार में पेश किया है। ओपो के12× 5 प्रतिशत को ऐसे यूजर्स को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किया गया है जिनको एक ऐसा ऑलराउंडर स्मार्टफोन चाहिए जिसकी बिल्ड क्वालिटी जबरदस्त हो, शानदार कैमरा मिले, दमदार बैटरी, जबरदस्त डिस्प्ले और शानदार कैमरा मिले जो आपको दीवाना बना दे। ओपो के12× 5 प्रतिशत को मजबूती के लिए मिलिट्री ग्रेड का सर्टिफिकेशन मिला है। इसके अलावा ओपो के12× 5 प्रतिशत की

5100 एमएम बैटरी को लेकर चार साल तक की लाइफ का दावा है। ओपो के12× 5 प्रतिशत का कैमरा डुअल व्यू मोड के साथ आता है यानी आप एक साथ रियर और फ्रंट दोनों कैमरे को इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप किसी नए स्मार्टफोन की तलाश में है तो यह फोन आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकता है।

सबसे पहले डिजाइन की बात करें तो यदि आप वास्तव में किसी हल्के और अल्ट्रा स्लिम डिजाइन वाले फोन की तलाश में हैं तो समझ लीजिए कि आपकी तलाश खत्म हो गई है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि ओपो के12× 5 प्रतिशत महज 7.68 एमएम पतला फोन है और बड़ी बैटरी होने के बावजूद इसका कुल वजन मात्र 186 ग्राम है। फोन की ग्रिपिंग अच्छी है तो हाथ से फिसलने का सवाल ही नहीं है।

पर्यटन क्षेत्र में भारत की 50 प्रतिशत रोजगार चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता

कोलकाता । लेमन ट्री होटल्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पतंजलि गोविंद केसवानी ने शनिवार को कहा कि सही सरकारी समर्थन के साथ पर्यटन क्षेत्र में देश की 50 प्रतिशत रोजगार चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता है। आईआईएम कलकत्ता के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र निर्णायक मोड़ पर पहुंचने के कगार पर है। केसवानी ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद में 15-20 प्रतिशत का योगदान करता है और 25 प्रतिशत रोजगार देता है। पर्यटन क्षेत्र के प्रति सरकार के नजरिये पर निराशा जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, भारत में, पर्यटन सकल घरेलू उत्पाद में केवल 6.5 प्रतिशत और रोजगार में भी लगभग इतनी ही हिस्सेदारी का योगदान देता है। इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, अगर सरकार इस अवसर का प्रभावी ढंग से लाभ उठा सके ।

चोट के साथ पैरिस ओलिम्पिक में खेले नीरज चोपड़ा, अब कराएंगे सर्जरी !

पैरिस (एजेंसी)। भारत के भाला फैंक स्टार नीरज चोपड़ा ने ओलिम्पिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट पर बात करते हुए कहा कि अब प्रतिस्पर्धा करने के लिए उन्हें जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। चोपड़ा पैरिस खेलों से पहले एक दर्दनाक एडिक्टर निगल (जांघ की मांसपेशियों से संबंधित समस्या) से जूझ रहे थे। लेकिन उन्होंने इसके बावजूद 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीत लिया। इसके साथ ही वह 2 ओलिम्पिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक-एंड-फील्ड एथलीट बन गए। उन्होंने टोक्यो में स्वर्ण जीता था। चोपड़ा पाकिस्तान के अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलिम्पिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता।

बहरहाल, नीरज ने कहा कि मेरे दिमाग में बहुत कुछ है। जब मैं थ्रो करता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मैं घायल नहीं होना चाहता। जब भी मैं थ्रो करने जाता हूं तो आप देखेंगे कि मेरी गति कितनी कम होती है। डॉक्टर ने मुझे सर्जरी के लिए जाने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैम्पियनशिप से पहले या विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह निर्णय लेने के लिए इतना समय नहीं था क्योंकि ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है।

उन्होंने हताशा के संकेत के साथ कहा कि मैं अभी भी खुद को आगे बढ़ा रहा हूं। खेल में यह अच्छा नहीं है। इसके साथ आगे बढ़ना अच्छा नहीं है। यदि आप एक लंबा करियर चलाना चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा लेकिन ऐसी प्रतियोगिताएं होती हैं जहां आप निर्णय नहीं ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक पर काम करेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले 7 साल उनके लिए कितने कठिन रहे। उन्होंने कहा कि मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। मैंने इसका बहुत इलाज करवाया। लेकिन अब मुझे इस पर बड़ा फैसला लेना होगा। मैं अपनी टीम से बात करूंगा और फिर %फैसला लूंगा।

कीरोन पोलार्ड ने छुड़ाए राशिद खान के पसीने, 5 गेंद पर जड़ दिए 5 छक्के

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने द हंड्रेड मेन्स कंप्टिशन 2024 के 24वें मैच में अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान की गेंदों पर लगातार पांच छक्के लगाकर सनसनी मचा दी। पोलार्ड ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। 2021 में श्रीलंका के अकिला धनंजय के खिलाफ एक ही ओवर में 6 छक्के जड़ दिए थे। पोलार्ड की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से साउदर्न ब्रेव ने ट्रेंट रॉकेट के खिलाफ 100 गेंदों में 127 रनों के मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर लिया। 76 गेंदों के बाद साउदर्न ब्रेव का स्कोर 6 विकेट पर 78 रन था। ब्रेव को 20 गेंद पर 49 रन चाहिए थे। राशिद ने पहली 15 गेंदों पर 10 रन देकर 1 विकेट लिए। पोलार्ड ने एक ही ओवर में उनकी कुटाई करके बॉलिंग रिकॉर्ड को खराब कर दिया।

14 गेंद पर 6 रन बनाकर क्रीज पर थे पोलार्ड – इस ओवर से पहले वह 14 गेंद पर 6 रन बनाकर क्रीज पर थे पोलार्ड ने पहली दो गेंदों को काउ कॉर्नर और लॉन्ग-ऑफ क्षेत्र के ऊपर से मारा। इसके बाद तीसरी गेंद पर राशिद के सिर के ऊपर से सीधा शॉट मारा। इसके बाद डीप मिड-विकेट पर शॉट लगाया। उन्होंने लॉन्ग-ऑफ पर छक्का लगाकर ओवर को समाप्त किया। अब ब्रेव को 15 गेंदों पर 19 रन चाहिए थे।

पोलार्ड ने 23 गेंदों पर 45 रन की तेज पारी खेली –धमाकेदार पारी के कुछ ही समय बाद पोलार्ड आउट हो गए। इसके बावजूद पोलार्ड ने 23 गेंदों पर 45 रन की तेज पारी खेलकर पहले ही मैच का रुख साउदर्न ब्रेव के पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाए। टीम ने आखिरकार सिर्फ एक गेंद शेष रहते दो विकेट से मैच जीत लिया।

पेरिस ओलिंपिक में बिना गोल्ड के भारत का अभियान समाप्त

मेडल टैली में 71वें स्थान पर रहा, विनेश के मेडल का फैसला 13 अगस्त को

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय रेसलर रीतिका हुड्डा के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही शनिवार रात पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। रेसलिंग की विमेंस 76द्मद्द कैटेगरी में उन्हें किर्गिस्तान की आईपेरी मेडेट कायजी ने 1-1 से हराया। रेसलिंग के अलावा, भारतीय गोल्फर अदिति अशोक 29वें स्थान पर रहीं। भारत के लिए विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड में मनु भाकर और सरबजोत सिंह, मेंस 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में स्वप्निल कुसाले, रेसलिंग में अमन सहरावत और हॉकी को मिलाकर भारत ने 5 ब्रॉन्ज जीता। वहीं स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर दिलवाया। भारत ने कुल 6 मेडल जीते।

भारत को अब भी सातवां मेडल मिल सकता है। अनुभवी रेसलर विनेश फोगाट भी 50 किलोग्राम केटेगरी में कुश्ती के फाइनल में पहुंच गई थीं। उन्होंने भारत के लिए मेडल पक्का कर लिया था, लेकिन फाइनल वाले दिन वह 100 ग्राम ओवरवेट आईं, जिसके चलते उन्हें डिसक्वालिफाई कर दिया गया। अब 13 अगस्त को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स विनेश के मेडल का फैसला करेगी।

नीरज से गोल्ड की उम्मीद थी – 11 अगस्त को पेरिस ओलिंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी भी होगी, जिसमें भारत के ध्वजवाहक पीआर श्रीजेश और मनु भाकर शामिल होने वाले हैं। इस बार भारत को ओलिंपिक में कोई गोल्ड मेडल नहीं मिला। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा से इस बार भी गोल्ड की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें भी सिल्वर मेडल मिला।इसके साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय दल जब पेरिस से लौटेगा तो उसके खाते में 3 साल पहले हुए टोक्यो ओलिंपिक से कम मेडल होंगे।

71वें नंबर पर रहा भारत – भारत ने टोक्यो ओलिंपिक में 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। तब भारतीय दल मेडल टैली में 48वें नंबर पर था। इस बार भारतीय टीम 71वें नंबर पर खिसक गई है। यह नंबर और नीचे जा सकता है क्योंकि 11 अगस्त को 13 मेडल इवेंट होने हैं।

भारत के टोक्यो के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक की मेडल टैली में नीचे खिसकने की बड़ी वजह गोल्ड मेडल ना जीत पाना रहा। भारत को सिल्वर मेडल भी एक ही मिला, जो टोक्यो ओलिंपिक के चैंपियन नीरज चोपड़ा ने जीता। भारत के पांचों मेडल ब्रॉन्ज हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने 3 ब्रॉन्ज मेडल शूटिंग में जीते। एक ब्रॉन्ज मेडल हॉकी और एक कुश्ती में मिला।

अब भी मिल सकता है 7वां मेडल – पेरिस ओलिंपिक गेम्स 11 अगस्त को समाप्त हो गया। लेकिन पेरिस गेम्स के बाद भी भारत की मेडल टैली बढ़ सकती है। भारत की रेसलर विनेश फोगाट ने ष्ट्रस् में सिल्वर मेडल दिए जाने की अपील की है। इस पर मंगलवार को फैसला आएगा। अगर विनेश यह अपील जीतती हैं तो वे सिल्वर मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला रेसलर बन जाएंगी। साथ ही भारत के मेडल की संख्या 7 पहुंच जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो भारत मेडल टैली में 68वें स्थान पर रह सकता है।

टोक्यो में मिला था गोल्ड भारत को पिछले 3 ओलिंपिक में सिर्फ 1 गोल्ड मिला है। नीरज ने जेवलिन में टोक्यो 2020 में गोल्ड दिलवाया था। टोक्यो ओलिंपिक में भारत ने कुल 7 मेडल जीते थे, जिसके बाद भारत 48वें स्थान पर रहा था। रियो 2016 में भारत केवल 2 मेडल जीतकर 67वें रैंक पर था।

भारत का पिछले 3 ओलिंपिक में परफॉरमेंस

ओलिंपिक	रैंक	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
रियो 2016	67	0	1	1	2
टोक्यो 2020	48	1	2	4	7
पेरिस 2024	71	0	1	5	6

पांच बार की ग्रैमी विजेता गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी

पेरिस ओलिंपिक गेम्स 2024 का आखिरी दिन था। रविवार रात 12:30 बजे से क्लोजिंग सेरेमनी हुई। कैलिफोर्निया की सिंगर गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन परफॉर्म करती दिखेंगी। उनको 2021 में 'आई कांट ब्रीद' के लिए 'सॉन्ग ऑफ द ईयर' का ग्रैमी पुरस्कार मिला था। 'हर' के नाम से मशहूर गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन 2028 में लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए 'हैंडओवर' के तहत स्टेड डि फ्रांस में अमेरिका का राष्ट्रगान गाएंगी। 'हर' ने अपने शानदार करियर के दौरान ऑस्कर, एमी और ग्रैमी पुरस्कार जीते हैं। कैलिफोर्निया की 27 वर्षीय गायिका ने 'आई कांट ब्रीद' के लिए 2021 में 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गीत' का ग्रैमी पुरस्कार जीता था। लॉस एंजिलिस 1984 और 1932 के बाद 2028 में तीसरी बार ओलिंपिक की मेजबानी करेगा। यह शहर पहली बार पैरालिंपिक की मेजबानी भी करेगा।

विवेक बोले-सेमीफाइनल की रात नींद नहीं आई

बस यही सोचते रहे कि काश और बेहतर कर पाते; ओलिंपिक विजेता का भोपाल में स्वागत

भोपाल (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारतीय हॉकी टीम भारत लौट आई है। टीम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे विवेक सागर प्रसाद रविवार सुबह दिल्ली से फ्लाइट द्वारा भोपाल पहुंचे। राजा भोज एयरपोर्ट पर मंत्री विश्वास सारंग और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया।

विवेक के स्वागत में पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों से गूंजता रहा। प्रशंसक उनके नाम के नारे लगा रहे थे। एयरपोर्ट से स्वागत रैली टीटी नगर स्टेडियम पहुंची। उनकी मां कमला देवी, पिता रोहित सागर और भाई विद्यासागर भी साथ रहे।

सेमीफाइनल में हार के बारे में बात करते हुए विवेक ने कहा, उस पूरी रात हमें नींद नहीं आई। बार-बार वही रील चल रही थी। वह सेमीफाइनल हमारे लिए हार्ट ब्रेकिंग था। हम पूरी रात यह सोचते रहे कि काश और अच्छा कर सकते।विवेक ??इटारसी से सटे चांदौन गांव के रहने वाले हैं। वे एमपी पुलिस में डीएसपी हैं।भारतीय हॉकी टीम के सदस्य

विवेक सागर प्रसाद रविवार सुबह भोपाल पहुंचे। राजा भोज एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया।

श्रीजेश को डेडिकेट किया मेडल – विवेक भारतीय हॉकी टीम में मिड फील्डर के रूप में खेलते हैं। ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए बहुत खुशी का पल था। हमने बहुत एंजॉय किया। यह श्रीजेश भाई का लास्ट टूर्नामेंट भी था, तो मेडल हमने उन्हीं को डेडिकेट किया है। हार के मलाल पर विवेक ने कहा, एक खिलाड़ी हमेशा चाहता है कि वह अपने देश के लिए अच्छा करे। देश आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि जो भी खिलाड़ी हॉकी खेलते हैं, वह निरंतर प्रयास करते रहें। इससे कभी पीछे न हटें। भारतीय टीम के प्रदर्शन में गोलकीपर पीआर श्रीजेश का अहम रोल रहा है। उन्होंने पहले ही ऐलान कर दिया था कि पेरिस ओलिंपिक उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा।

आज सुबह तिरंगा यात्रा में करेंगे शिरकत – भोपाल के टीटी नगर में कार्यक्रम के बाद विवेक सागर आज रेस्ट करेंगे। वे सोमवार सुबह सुभाष नगर से अशोका गार्डन तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ शामिल होंगे।

राज्य सरकार देगी एक करोड़ का इनाम – भोपाल पुलिस हेडक्वार्टर में पोस्टेड विवेक सागर प्रसाद को मध्यप्रदेश सरकार 1 करोड़ रुपए का इनाम देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को विवेक से वीडियो कॉल पर बात कर उन्हें और टीम को बधाई दी थी।विवेक दूसरी बार ओलिंपिक में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इससे पहले वे टोक्यो ओलिंपिक 2020 में भी ब्रॉन्ज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। भारत ने लगातार दूसरे ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने का रिकॉर्ड 52 साल बाद बनाया है। जीत के बाद विवेक सागर ने सपोर्ट के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

नाकामुरा ने बुलेट में किया शानदार प्रदर्शन

स्पीड चैस के सेमीफाइनल में फिरोजा से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व के नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारू नाकामुरा ने स्पीड चेस चैंपियनशिप 2024 के सेमी फाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी बन गए हैं। शुक्रवार देर रात को क्वार्टरफाइनल में उन्होंने रूस के यान नेपोमनिशी को 14.5-9.5 के स्कोर से हराया । नेपोमनिशी ने पहले सेगमेंट में तीन अंकों की बढ़त हासिल की थी, लेकिन नाकामुरा ने 3+1 मिनट के दूसरे सेगमेंट में स्कोर बराबर कर दिया और फिर बुलेट गेम्स में दबदबा बनाकर मैच जीत लिया। अब पेरिस में होने वाले सेमीफाइनल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन यूएसए के हंस नीमन से और फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा यूएसए के हिकारु नाकामुरा से 6 सितंबर को खेलेंगे जीत के बाद नाकामुरा नें कहा की मुझे लगता है कि अलीरेज़ा के खिलाफ खेलना वास्तव में रोमांचक होगा क्योंकि, जैसा कि मैंने शायद पहले 10 बार कहा है, वह एकमात्र खिलाड़ी हैं जो मेरी और मैग्नस की तरह बुलेट में एक ही स्तर पर हैं। स्पीड चैस की शुरुआत 27 और 28 जून को क्वालिफायर से हुई थी और यह 8 सितंबर को पहली बार फाइनल के साथ समाप्त होगी, जो पेरिस में लाइव होगा।

ओलंपिक से सुंदरता के कारण बैन हुई यह एथलीट, इंस्टा, भारी पड़ा है फोटोज डालना

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक नित नए झमेलों के लिए चर्चा में है। महिला बॉक्सिंग में पुरुष को खिलाने के आरोपों, विनेश फोगाट के भार को लेकर हुए विवाद के बाद अब खबर आई है कि एक तैराक को इसलिए वापस देश जाने को कह दिया गया क्योंकि वो हद से ज्यादा सुंदर थीं।

पैराग्वे की 20 साल की तैराक लुआना अलोंसो का ज्यादा सुंदर होना उनके लिए मुश्किल बन गया है। उनको ओलंपिक खेल गांव में कमरा खाली करने कहा गया और ओलंपिक छोड़कर वापस अपने देश लौटने बोल दिया गया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ओलंपिक में भाग लेने पहुंचे पैराग्वे के ही कुछ खिलाड़ियों ने अधिकारियों से लुआना की सुंदरता को लेकर शिकायत की थी। कहा गया कि उनकी सुंदरता सबका ध्यान भटका रही है।

जांच दाल ने भी उन्हें बेहद खूबसूरत पाया और उनको लगा कि अन्य खिलाड़ियों की शिकायत सही है। ऐसे में लुआना को वापस उनके देश भेज दिया गया है।

दिलचस्प बात यह है कि क्या उनके ही देश के खिलाडियों को पेरिस पहुंचकर ही यह पता चला कि उनकी टीम मेट इतनी अधिक सुंदर है।

हालांकि एक पक्ष यह भी है कि वे अनुशासनहीनता करती पाई गईं। यह भी कहा गया कि वह भड़कीले कपड़े पहने रहती थी जिससे उनके साथी एथलीट्स का ध्यान भटकता था। वहीं, मीडिया में सुंदरता के चलते बाहर किए जाने की ख़बरें ही सामने आईं।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतकर देश लौटी भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी रविवार को सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने हॉकी खिलाड़ियों को श्री दरबार साहिब के सूचना केंद्र में सचखंड श्री हरमंदिर साहिब का स्वर्ण मॉडल, धार्मिक पुस्तकें और सिरोपा देकर सम्मानित किया।

एडवोकेट धामी ने कहा कि यह हमारे लिए सम्मान और गर्व की बात है कि जब भी भारतीय हॉकी टीम में पंजाब के खिलाड़ियों की पूरी भागीदारी हुई है, टीम ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना भी उनमें से एक है। उन्होंने हॉकी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में और बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि टीम में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों ने लंबे समय के बाद पंजाब की हॉकी से जुड़े इतिहास को दोहराया है। एडवोकेट धामी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें देश की हॉकी टीम में बड़ी संख्या में पंजाबी खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और खेलों में आगे आना चाहिए।

एडवोकेट धामी ने कहा कि सिख संगठन शिरोमणि कमेटी हमेशा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रही है और भविष्य में भी पंजाब और सिखों का गौरव बढ़ाने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलने वाले सिद्ध गुरु सिख खिलाड़ी जर्मनप्रीत सिंह का उल्लेख किया और सिख परिवारों से संबंधित खिलाड़ियों को अपनी सिख छवि बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि वह आज टीम के खिलाड़ियों के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम को यह उपलब्धि गुरु साहिब के आशीर्वाद से ही मिल पाई है और उन्होंने भविष्य में टीम के बेहतर प्रदर्शन की प्रार्थना की। उन्होंने शिरोमणि कमेटी द्वारा मिले मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री हरिमंदर साहिब में धन्यवाद के लिए पहुंचे भारतीय हॉकी टीम के 9 खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह, जुगराज सिंह शामिल थे। इसके अलावा टीम के कोच और खिलाड़ियों के परिवार वाले भी उनके साथ थे।

अरशद-नीरज की प्रतिद्वंद्विता पर बोले रमीज राजा- अभी और खेल मुकाबले भी करवाए जाएं

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रमिज राजा ने पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और पूर्व भारतीय ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता पर अपनी प्रशंसा व्यक्त की है। नदीम ने पुरुषों की भाला फेंक में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। नदीम और चोपड़ा के बीच प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजा ने कहा कि दोनों महान चैंपियन हैं। मैं चाहता हूं कि इनके बीच एक अलग प्रतिद्वंद्विता है, जो जारी रहनी चाहिए।

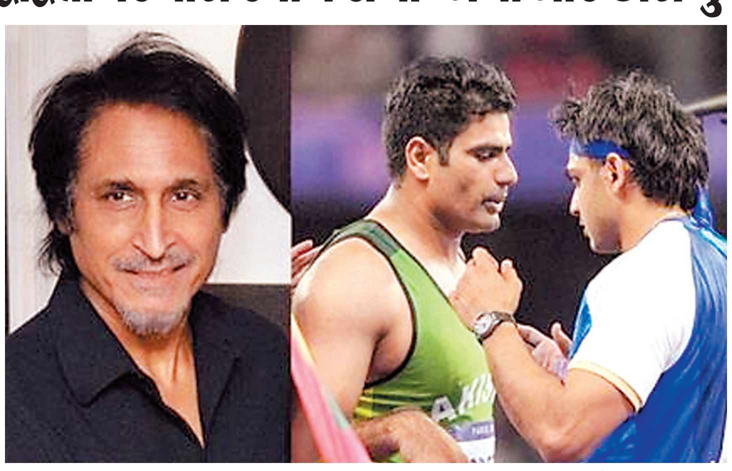

राजा ने मियां चन्नू के एक छोटे से गांव से विश्व मंच तक पहुंचे नदीम की तारीफ करते कहा कि यह उनके लिए एक बड़ी जीत है। उनके बारे में सबसे आश्चर्यजनक बात उनका स्वभाव था। कोई अत्यधिक उत्सव नहीं था। कोई चिंता नहीं थी। वह दयालु दिखते थे लेकिन क्रूर भी। उनके अंदर जो लावा उबल रहा था वह उनके थ्रो में दिखाई दे रहा था। राजा ने चोपड़ा की खेल भावना को भी स्वीकार किया। राजा ने कहा कि जो चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई, वह उनका जमीनी रवैया था। उन्होंने माना कि चोपड़ा उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। उन्हें उस दिन एक भाला फेंकने वाले ने हराया था जो उनसे बेहतर था।

राजा ने इस दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच अधिक खेल प्रतियोगिताओं की वकालत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच खेल संबंधों पर राजनीति के प्रभाव पर अफसोस जताया और इस बात पर जोर दिया कि प्रशंसकों को इस तरह के आयोजनों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। राजा ने तर्क दिया कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों उठाना चाहिए? प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। यह सबसे बड़ा तमाशा है। दुनिया इसका इंतजार करती है। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज की हमेशा वकालत की। उन्होंने दोनों देशों से इन बाधाओं से आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे लगता है कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। आइए हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की दिशा में काम करें।

विनेश को मिला जापानी पहलवान का समर्थन, बोले- मैं आपका दर्द समझता हूं

पेरिस (एजेंसी)। कुछ अतिरिक्त ग्राम के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के दर्द से सभी पहलवान परिचित हैं और अब जापानी ओलंपिक चैंपियन रेई हिगुची ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट का समर्थन करते हुए कहा कि वह उनका दर्द समझते हैं। विनेश को निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए अयोग्य ठहराकर बाहर दिया गया था। पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता हिगुची को तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफायर से सिर्फ 50 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह अपने घरेलू ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके। हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता।

उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं। बस 50 ग्राम। दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे खूबसूरत चीज है। अच्छी तरह आराम करो। हिगुची ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था। उन्होंने 'जापान न्यूज' से तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में असफल होने के बारे में कहा कि मैं असफलता और निराशा से गुजर चुका हूं, लेकिन मैं खुद पर विश्वास करके सफल होने में कामयाब रहा। फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं सिर्फ अपने प्रयासों से स्वर्ण पदक जीत सकता था। तब हिगुची को 'जंक फूड' के प्रति लगाव के लिए दोषी माना जा रहा था।

मुझे सत्ता से हटाने के लिए महीनों पहले साजिश रची गई थी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने इस देश पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक संकट और हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और एक अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। शेख हसीना ने इस इस्तीफे के साथ एक बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि उन्हें सत्ता से हटाने के लिए एक बड़ी साजिश की गई थी और इस साजिश का मुख्य आरोप अमेरिका पर लगाया है। हसीना का कहना है कि अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर उन्हें सत्ता से बेदखल करने की योजना बनाई थी, क्योंकि इस द्वीप पर नियंत्रण अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद कर सकता था। उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से अपील की है कि वे कट्टरपंथियों के प्रभाव में न आएं।

शेख हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों के जरिए भेजे गए संदेश में खुलासा किया कि 5 अगस्त को छात्रों द्वारा किए गए हिंसात्मक विरोध प्रदर्शनों के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हसीना का दावा है कि अगर वे सत्ताधारी बनी रहतीं, तो उन्हें सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता अमेरिका को सौंपनी पड़ती। उनका कहना है कि यह कदम अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करता।हसीना ने देशवासियों से अपील की है कि वे कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए सजग रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी इस्तीफे की वजह केवल आंतरिक अशांति नहीं, बल्कि बाहरी दबाव भी था, जिसे वे बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। इस संदेश के जरिए हसीना ने अपने समर्थकों को यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनका इस्तीफा देश के भविष्य और उसकी संप्रभुता के लिए था, न कि केवल सत्ता से हटने की वजह से। विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने शेख हसीना के आरोपों को खारिज किया है। कुगेलमैन ने कहा कि बांग्लादेश में अशांति और विरोध प्रदर्शन के लिए विदेशी हस्तक्षेप की बजाय आंतरिक कारक जिम्मेदार हैं। उनके अनुसार, शेख हसीना की सरकार द्वारा छात्रों पर की गई सख्ती और सरकार की नीतियों से असंतोष के कारण आंदोलन बढ़ा। कुगेलमैन ने कहा कि यह संकट पूरी तरह से आंतरिक मुद्दों से प्रेरित था और इसमें किसी भी विदेशी हस्तक्षेप की भूमिका नहीं थी। शेख हसीना ने इस्तीफा देने के बाद अमेरिका पर उन्हें सत्ता से बेदखल करने की साजिश का आरोप लगाया है, जबकि माइकल कुगेलमैन ने इन आरोपों को नकारते हुए बांग्लादेश की आंतरिक समस्याओं को कारण बताया है। हसीना ने अपने संदेश में देशवासियों को कट्टरपंथियों से सावधान रहने की सलाह दी है और अपनी संप्रभुता की रक्षा का आह्वान किया है।

बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं: मंत्री

कोचीन, एजेंसी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा के बाद बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें जल्द उनके देश भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस बांग्लादेश से सटी 480 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाए हुए हैं। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की संभावनाओं से जुड़े पत्रकारों के सवाल के जवाब में हरिचंदन ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस को इस तरह की कोशिशों को नाकाम करने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बाद ऐसी (बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की) कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा, कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं। राज्य सरकार उनके दस्तावेजों, मसलन-वीजा और वर्क परमिट या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी। सत्यापन के बाद अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक ओडिशा के सात जिलों में कुल 3,740 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की गई है। इनमें से 1,649 केंद्रपाड़ा में, 1,112 जगतसिंहपुर में और 655 मलकानगिरि में अवैध रूप से रह रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

धमाके के साथ मकान की गिरी छत, मां-बेटे की दर्दनाक मौत और पिता-बेटी की हालत गंभीर

जालौन, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के जनपद जालौन के कोंच कोतवाली के अंतर्गत रविवार सुबह एक मकान की छत के गिरने से इसके मलबे में दबकर एक ही परिवार के चार लोग हताहत हो गए। इस हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई जबकि पिता और बेटी की हालात गंभीर है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर देवेश कुमार ने कोतवाली कोच के गांव महलुबा में अखिलेश अपनी पत्नी बच्चों के साथ एक पुराने मकान में रह रहे थे। प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि अधिक पानी के कारण पुरानी छत में नमी आ गई जिसके कारण छत पूरी तरह गिर गई और छत के नीचे सो रहे अखिलेश (35) पत्नी मोहिनी (32) ,07 वर्षीय पुत्र देबू एवं 10 वर्षीय पुत्री अदिति मलबे में दब गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस बल ने सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोच ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने पुत्र देबू एवं पत्नी मोहिनी को मृत घोषित कर दिया तथा गंभीर रूप से घायल अखिलेश एवं पुत्री अदिति को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि छत गिरने कमरे में रखा फ्रिज का कंप्रेसर भी फट गया । घटना की सूचना पर जिलाधिकारी डॉ. राजेश कुमार पांडे एवं पुलिसअधीक्षक डॉ. देवेश कुमार ने अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पूरी घटना का जायजा लिया गंभीर रूप से घायलों को समुचित इलाज करवाने का डॉक्टर को निर्देश भी दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार को नियम अनुसार आर्थिक मदद की भी कार्रवाई की जाएगी तथा पूरी घटना की जांच भी की जाएगी।

पैर धोने के दौरान नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

आरा, एजेंसी। बिहार में भोजपुर जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई ,जहां नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। दरअसल, पैर धोने के दौरान सभी बच्चे फिसल हए, जिससे यह हादसा हो गया। इस घटना के बाद मृतक बच्चों के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना जिले के नगर थाना क्षेत्र में मझौवां हवाई अड्डा मैदान के समीप की है। मृतकों की पहचान कृष्णागढ़ थाना के पिपरपांती गांव निवासी बासकी नाथ पांडेय के 16 वर्षीय पुत्र अंकुश पांडेय, टाउन थाना के देवनगर मझौवा निवासी समरेंद्र सिंह का 14 वर्षीय पुत्र शुभम कुमार तथा धोबहां थाना के शुकुलपुरा निवासी अरविंद शुक्ला का पुत्र अतुल शुक्ला के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे सुबह पहर हवाई अड्डा मैदान में टहलने और दौड़ने के लिए गए थे। एक किशोर पैर धोने के क्रम में नदी में डूब गया। उसे बचाने के क्रम में दो और साथी भी डूब गए। वहीं, इसकी सूचना मिलने पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद खोजबीन कर तीनों बच्चों को नदी से बाहर निकाला गया और बाद में उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन तब तक सभी बच्चों की मौत हो चुकी थी। इस दौरान परिजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया। इसी सूचना मिलने पर सदर एएसपी परिचय कुमार समेत कई पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को समझा-बुझा कर शांत कराया। शवों को पोस्टमॉटर्म के लिये सदर अस्पताल भेज दिया गया है। प्रभारी सदर एसडीपीओ विकास कुमार ने बताया कि प्रत्येक मृतक के आश्रितों को चार लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने से 288 सड़कें अवरुद्ध

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिन से भारी बारिश के कारण भूस्खलनों और अचानक आयी बाढ़ के कारण 280 से अधिक सड़कें बंद रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऊना में उफान पर बह रहे नालों का पानी कई घरों में घुस गया है जबकि लाहौल और स्पीति पुलिस ने निवासियों तथा यात्रियों को अत्यधिक सावधानी बरतने और जाहलमान नाले का जल स्तर ''तेजी से'' बढ़ने के कारण उसे पार न करने की सलाह दी है।

अधिकारियों ने बताया कि कुल्लू, मंडी और शिमला जिले में 31 जुलाई को अचानक आयी बाढ़ के बाद लापता हुए करीब 30 लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है लेकिन अभी कोई बड़ी सफलताा हाथ नहीं लगी है। अभी तक 28 शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से जुड़ी घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है और राज्य को करीब 842 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि 288 सड़कें बंद हैं जिनमें से 138 सड़कें शुक्रवार और 150 शनिवार को बंद हुईं। राज्य आपात अभियान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंडी में 96 सड़कें, शिमला में 76 सड़कें, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चंबा में 26, लाहौल और स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा तथा किन्नौर में चार-चार सड़कें बंद रहीं। पूह और कौरिक के बीच अचानक आयी बाढ़ और नेगुलसरिन के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर भूस्खलन के बाद किन्नौर का राज्य की राजधानी शिमला से संपर्क टूट गया है।

प्रधानमंत्री ने कृषि उपज बढ़ाने के लिए जलवायु अनुकूल बीजों की 109 किस्में जारी कीं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कृषि और बागवानी फसलों की उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सुदृढ़ीकृत बीजों की 109 किस्मों को जारी किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की। खेती की फसलों में अनाज, बाजरा, चारा, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास और फाइबर फसलें शामिल हैं। वहीं बागवानी की फसलों में फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों और औषधीय पौधों की नई किस्में शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र से नफरत करने वालों के खिलाफ लड़ाई है: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दिल्ली के सामने झुकने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है जो राज्य से नफरत करते हैं।

शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर अक्टूबर में होने वाले चुनावों से महीनों पहले अपनी प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' की घोषणा करके मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि यह उनका अपना पैसा है, लेकिन उन्हें आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। ठाकरे ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे पर हमला करते हुए कहा, वे दिल्ली के सामने झुक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का संघर्ष दिल्ली के सामने झुकने से इनकार करने के लिए था। ठाकरे ने कहा, राज्य विधानसभा की लड़ाई उन लोगों के साथ होगी जो महाराष्ट्र से नफरत करते हैं।

इससे पहले जब ठाकरे यहां गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका।

कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान इस घटना का कोई उल्लेख न करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उनके 'वाघ-नख' हैं और वह अब्दाली से नहीं डरते। हाल ही में उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली करार दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने ठाकरे पर औरंगजेब फैन क्लब का प्रमुख होने का आरोप लगाया था। कार्यक्रम में ठाकरे ने कहा, मेरे शिवसैनिक मेरे 'वाघ-नख' हैं, मुझे अब्दाली से कोई डर नहीं है। 'वाघ-नख' या बाघ-पंजा एक हाथ से पकड़ा जाने वाला हथियार है। कहा जाता है कि इसका इस्तेमाल छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए किया था। यह हथियार वर्तमान में सतारा के एक संग्रहालय में रखा गया है। वहीं मुंबई में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर शनिवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे मुस्लिम समुदाय के कम से कम 10 सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने संभावित टकराव को टाल दिया, क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने विधेयक पर अपनी पार्टी के रुख को स्पष्ट करने की मांग करते हुए ठाकरे के खिलाफ नारे लगाए।

गाजा में स्कूल पर इजराइली हमला, 100 की मौत

शव टुकड़े-टुकड़े हुए, पहचान मुश्किल, हमास बोला- इस्लामिक देश इजराइल के खिलाफ एकजुट हों

दाराज, एजेंसी। गाजा के दाराज जिले में एक स्कूल पर शनिवार सुबह हमला हुआ। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अलजजीरा के मुताबिक मरने वालों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस स्कूल में कई लोगों ने शरण ले रखी थी। सुबह की नमाज पढ़ने के दौरान यह हमला हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक के बाद एक 3 रॉकेट स्कूल पर गिरे। इससे वहां आग लग गई। अलजजीरा के मुताबिक, हमले में लोगों के शरीर के चीथड़े उड़ गए। इसकी वजह से इनकी पहचान तक नहीं हो पा रही है। वहीं इजराइली सेना का दावा है कि अल-तबीन स्कूल का इस्तेमाल हमास ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था। उसमें हमास के कई आतंकी मौजूद थे। हमला आम नागरिकों पर नहीं किया गया है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि हमले से पहले नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचे इसके लिए उन्होंने कई कदम उठाए थे। इलाके की हवाई निगरानी की गई थी। साथ ही वहां मौजूद इजराइल के इंटेलिजेंस सोर्स के जरिए भी जानकारी इकट्ठा की गई थी।

हमास प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि हमले में करीब 100 लोग मारे गए हैं। दर्जनों घायल हुए हैं। स्कूल में फिलिस्तीनियों ने पनाह ली थी। यह भयावह हमला है। हमास ने हमले के बाद सभी मुस्लिम देशों को इजराइल के खिलाफ एकजुट होने को कहा है। इससे पहले गुरुवार को भी गाजा में दो स्कूलों पर इजराइली सेना ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए थे। तब इजराइली सेना ने कहा था कि उसने हमास के कमांड सेंटरों पर हमला किया है। फिलिस्तीनी पत्रकार होसम शबात ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि गाजा शहर में बमबारी वाले स्कूल में फिलिस्तीनी लोग फंसे हुए हैं। आग बुझाने में दिक्कत हो रही है, क्योंकि इजराइली सेना ने पानी की सप्लाई भी काट दी है। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि स्कूल में सुबह अल्लाह की इबादत करने वालों को अपराधियों ने निशाना बनाया। ये अपराध है। दुश्मन सेना स्कूल को तबाह करने के बाद वही बहाने इस्तेमाल कर रही है जो उन्होंने अस्पतालों पर हमला करने के बाद किए थे। उनकी सारी दलीलें झूठी साबित हुईं।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर लगाया प्रतिबंध हटाया

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच शनिवार को बहाल कर दी। देश के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण ने दो अगस्त को बिना कोई विशेष कारण बताए इंस्टाग्राम तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी थी। बाद में सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि प्रतिबंध इसलिए लगाया गया, क्योंकि सोशल मीडिया मंच तुर्किये के कानूनों का पालन करने में विफल रहा है। तुर्किये के परिवहन एवं बुनियादी ढांचा मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इंस्टाग्राम के अधिकारियों के साथ बातचीत में हमें आश्वासन दिया गया कि हमारा अनुरोध स्वीकार किया जाएगा, खासतौर पर आपराधिक गतिविधियों से संबंधित अनुरोध। हमसे वादा किया गया कि हम उपयोगकर्ताओं को सेंसर करने के उपायों पर मिलकर काम करेंगे। उरालोगलू ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम तुर्किये के कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और जिन मामलों में कानून का उल्लंघन किया गया है, उनमें त्वरित एवं प्रभावी हस्तक्षेप करेगा। मंत्री ने कहा कि आतंकवादी संगठनों से जुड़े सभी अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और पीकेके, पीवाईडी तथा एफईटीओ सहित ऐसे सभी संगठनों के एजेंडे को बढ़ावा देने वाली प्रत्येक सामग्री हटा दी जाएगी। पीकेके (कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी) एक प्रतिबंधित संगठन है, जिसने दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में एक स्वायत्त क्षेत्र स्थापित करने के लिए तुर्किये के भीतर दशकों से विद्रोह छेड़ रखा है। वहीं, पीवाईडी एक सीरियाई कुर्द राजनीतिक संगठन है, जिसे तुर्किये के अधिकारी पीकेके की शाखा बताते हैं। एफईटीओ राष्ट्रपति रेसेप तय्यप एर्दोआन के पूर्व सहयोगी फेतुल्लाह गुलेन के नेतृत्व वाला संगठन है, जिसे तुर्किये सरकार 2016 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के लिए जिम्मेदार ठहराती है।

म्यांमार से भाग रहे रोहिंग्याओं पर ड्रोन हमला, दर्जनों लोगों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार से भागने की कोशिश कर रहे दर्जनों रोहिंग्या एक ड्रोन हमले में मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतकों में बच्चे वाले परिवार भी शामिल थे, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बचे हुए लोग अपने घायल रिश्तेदारों की तलाश में शवों के ढेर के बीच भटकते देखे गए।

प्रत्यक्षदर्शियों, कार्यकर्ताओं और एक राजनयिक के अनुसार ड्रोन हमले में बांग्लादेश में प्रवेश करने का इंतज़ार कर रहे परिवारों को निशाना बनाया गया। मृतकों में एक गर्भवती महिला और उसकी दो साल की बेटी भी शामिल थी। यह हमला हाल के हफ़्तों में सैनिक टुकड़ियों और विद्रोहियों के बीच संघर्ष के दौरान राखीन राज्य में नागरिकों पर सबसे घातक हमला है। रॉयटर्स ने तीन गवाहों का हवाला देते हुए बताया है कि अराकान आर्मी इसके लिए जिम्मेदार है। हालांकि समूह ने इस दावे से इनकार किया है। मिलिशिया और म्यांमार की सेना ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में: कीचड़ भरी जमीन पर शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, साथ ही आस-पास सूटकेस और बैकपैक बिखरे हुए हैं। तीन जीवित बचे लोगों के अनुसार, 200 से अधिक लोग मारे गए थे, जबकि घटना के बाद के एक गवाह ने कम से कम 70 शव देखे जाने की बात कही है।

रॉयटर्स ने बताया कि उसने म्यांमार के तटीय शहर मौंगडॉ के ठीक बाहर वीडियो के स्थान की पुष्टि की है। हालांकि, उसने यह भी कहा कि वह वीडियो के फिल्माए जाने की तारीख की पुष्टि नहीं कर सकता। रोहिंग्या को बौद्ध बहुल म्यांमार में लंबे समय से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। 2017 में, सैन्य नेतृत्व वाली कार्रवाई के बाद 730,000 से अधिक लोग देश छोड़कर भाग गए थे, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने नरसंहार की मंशा वाला बताया था।

वो नागरिक नहीं हैं क्या? मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर तोड़ी चुप्पी

ढांका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेता मुहम्मद यूनुस ने शनिवार को हिंसा से ग्रसित देश में अल्पसंख्यक समुदाय खासतौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने हिंदुओं पर हो रहे हमलों की निंदा करते हुए इसे जघन्य बताया है। युनुस ने कहा कि क्या वे अल्पसंख्यक इस देश के लोग नहीं हैं। हम सभी ने साथ में मिलकर लड़ाई लड़ी है और हम सभी साथ में ही रहेंगे।

नोबेल पुरस्कार विजेता ने रंगपुर शहर में बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स से कहा कि क्या वे अल्पसंख्यक इस देश के लोग नहीं हैं। आप (छात्र) इस देश को बचाने में पूरी तरह से आगे रहे हैं। क्या आप कुछ परिवारों को नहीं बचा सकते। आपको कहना चाहिए कि कोई भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता। वे मेरे भाई हैं, हमने साथ मिलकर लड़ाई लड़ी है और हम साथ ही रहेंगे। युनुस ने कहा कि आपकी कोशिशों को बेकार करने के लिए कई सारे लोग खड़े हुए हैं। आप इस बार मत गिरिए। युवा नेतृत्व के बारे में यूनुस ने कहा कि यह बांग्लादेश अब आपके हाथों में है। आपके पास इसे जहां चाहें वहां ले जाने की शक्ति है। यह रिसर्च का विषय नहीं है। यह आपके अंदर की शक्ति है। उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे छात्र कार्यकर्ता अबू सईद की तरह काम करें। अबू सईद अब सिर्फ एक परिवार का सदस्य नहीं रह गया है। वह बांग्लादेश के सभी परिवारों का बच्चा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129